THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 61 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ शु.1 2080 शनिवार, 20 मई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये**

2000 के नोट सर्कुलेशन से बाहर होंगे

> आरबीआई वापस लेगा

> 30 सितंबर तक बैंकों में बदल सकेंगे

> एक बार में 10 नोट ही चेंज होंगे

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेगा, लेकिन मौजूदा नोट अमान्य नहीं होंगे। 2 हजार का नोट नवंबर 2016 में मार्केट में आया था। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए थे। इसकी जगह नए पैटर्न में 500 का नया नोट और 2000 का नोट जारी किया गया था। आरबीआई ने साल 2018-19 से 2000 के नोटों की छपाई बंद कर दी है।

आरबीआई ने बैंकों को 23 मई से 30 सितंबर तक 2000 के नोट लेकर बदलने के निर्देश दिए हैं। एक बार में अधिकतम बीस हजार रुपये कीमत के नोट ही बदले जाएंगे। अब से ही बैंक 2000 के नोट इश्यू नहीं करेंगे।

आरबीआई के इस आदेश के मायने...

रिजर्व बैंक 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेगा, लेकिन मौजूदा नोट अमान्य नहीं होंगे। आरबीआई ने कहा कि इसका ऑब्जेक्टिव पूरा होने के बाद 2018-19 में इसकी प्रिंटिंग बंद कर दी गई थी। आरबीआई ने अपने सर्कुलर में लिखा है कि वो 2000 के नोट को सर्कुलेशन से बाहर कर रहा है। इसकी कोई तारीख या समय नहीं दिया है। यानी ये फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। बैंक में जाकर इन नोटों को बदला जा सकता है। इसके लिए 30 सितंबर 2023 तक का समय दिया गया है। नोट बदलने में कोई परेशानी न हो इसलिए बैंकों को भी इसके बारे में जानकारी दी गई है।

बता दें कि सरकार ने इसे अभी चलन में भले ही बनाकर रखा है, लेकिन व्यापारी इससे लेनदेन करने में कतरा सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि इन्हें बैंक से ही बदल लें। आरबीआई ने नोट बदलने के लिए 30 सितंबर तक का वक्त दिया है। इसके बाद भी तारीख बढ़ाई भी जा सकती है, लेकिन आखिरी तारीख का इंतजार न करें। अगर सरकार ने इसे अमान्य किया है तो निर्धारित समय के बाद आपके पास रखे 2000 के नोटों की कोई कीमत नहीं रहेगी।

इससे आम लोगों पर क्या असर होगा?

जिसके भी पास 2 हजार का नोट है उसे बैंक में जाकर बदलना होगा। 2016 में नोटबंदी में 500 और 1000 को नोट को बंद कर दिया गया था। इसे बदलने के लिए टाइम भी दिया गया था, लेकिन लंबी लाइनों के कारण लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी थी। इस बार भी ऐसा देखने को मिल सकता है।

कालाधन जमा करने वालों के लिए मददगार हो रहा था 2000 का नोट

2016 की नोटबंदी के समय केंद्र सरकार को उम्मीद थी कि भ्रष्टाचारियों के घरों के गद्दों-तकियों में भरकर रखा कम से कम 3-4 लाख करोड़ रुपये का काला धन बाहर आ जाएगा। पूरी कवायद में काला धन तो 1.3 लाख करोड़ ही बाहर आया, मगर नोटबंदी के समय जारी नए 500 और 2000 के नोटों में अब 9.21 लाख करोड़ गायब जरूर हो गए हैं।

दरअसल, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की 2016-17 से लेकर 2021-22 तक की एनुअल रिपोर्ट्स बताती हैं कि आरबीआई ने 2016 से लेकर अब तक 500 और 2000 के कुल 6,849 करोड़ करंसी नोट छापे थे। उनमें से 1,680 करोड़ से ज्यादा करंसी नोट सर्कुलेशन से गायब हैं। इन गायब नोटों की वैल्यू 9.21 लाख करोड़ रुपये है। इन गायब नोटों में वो नोट शामिल नहीं हैं जिन्हें खराब हो जाने के बाद आरबीआई ने नष्ट कर दिया। >12

शिवलिंग की कार्बन डेटिंग पर फिलहाल रोक

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला रोका, कहा-संभलकर चलने की जरूरत

वाराणसी, 19 मई (एजेंसियां)। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में मिले कथित शिवलिंग के साइंटिफिक सर्वे और कॉर्बन डेटिंग के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाते हुए कोर्ट ने कहा, इस मामले में संभलकर चलने की जरूरत है। हाईकोर्ट के आदेश की बारीकी से जांच करनी होगी।

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति की तरफ से वकील हुजेफा अहमदी ने यह याचिका दायर की। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और केवी विश्वनाथन की पीठ ने इसकी सुनवाई की। हिंदू पक्ष सुप्रीम कोर्ट में पहले ही कैविएट दाखिल कर चुका है।

ज्ञानवापी मामला

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 मई को ज्ञानवापी के वुजूखाने में मिले कथित शिवलिंग की कॉर्बन डेटिंग और साइंटिफिक सर्वे का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि यह कैसे होगा? इस पर वाराणसी कोर्ट निर्णय लेगा। उन्हीं की निगरानी में यह काम किया जाएगा।

7 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

हिंदू पक्ष की तरफ से वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि कोर्ट कोई आदेश दे, तो उससे पहले एएसआई सर्वे की रिपोर्ट को मंगाकर एक बार उस पर विचार किया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम एएसआई की रिपोर्ट को भी देखेंगे। सीजेआई ने कहा कि पहले हम परिस्थिति को देखेंगे। हमें इस मामले को बेहद सावधानी से डील करना होगा।

मस्जिद समिति के वकील हुजैफा अहमदी ने जज की तारीफ की और कहा कि वह स्थिति को वाकई समझ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 7 अगस्त को इस मामले पर अगली सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा कार्बन डेटिंग के आदेश को अगली सुनवाई तक लागू नहीं किया जाएगा। कार्बन डेटिंग पर यूपी और केंद्र सरकार सरकार को अपना जवाब दाखिल करना होगा।

ज्ञानवापी के तीन मामलों की सुनवाई अब 22 मई को होगी :

वाराणसी कोर्ट में शुक्रवार को ज्ञानवापी से जुड़े तीन मामलों की सुनवाई हुई। पहले मामले में ज्ञानवापी परिसर के साइंटिफिक सर्वे वाली याचिका पर सुनवाई हुई। इसमें अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी को आपत्तियां दाखिल करनी थी, लेकिन किसी तरह की कोई आपत्ति दाखिल नहीं हुई।

मामले में कोर्ट ने 22 मई को सुनवाई की अगली तारीख दी है। दूसरा मामला ज्ञानवापी के सभी 7 केसों को एक साथ सुने जाने और उनका शेड्यूल तय करने को लेकर था। इसमें कोर्ट ने सुनवाई टाल दी। मामले की अगली सुनवाई 22 मई को होगी। वहीं, तीसरा मामला श्रृंगार गौरी केस के उत्तराधिकारी चुनने को लेकर था। कोर्ट ने इसमें भी 22 मई को सुनवाई की तारीख दी है।

16 मई को मिला था कथित शिवलिंग

बताते चलें कि ज्ञानवापी में 16 मई, 2022 को सर्वे के दौरान कथित शिवलिंग मिला था। हिंदू पक्ष ने पहले वाराणसी कोर्ट में इसकी कॉर्बन डेटिंग और साइंटिफिक सर्वे की मांग की थी। हालांकि तब कोर्ट ने इसको खारिज कर दिया था।

फिलहाल, कॉर्बन डेटिंग कब होगी? इसकी तारीख तय होना बाकी है। लेकिन इस टेक्निक पर जिला कोर्ट, हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक बातचीत हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट को मिले 2 जज, अब 34 की फुल स्ट्रेंथ

सीजेआई ने जस्टिस प्रशांत मिश्रा और वरिष्ठ वकील केवी विश्वनाथन को शपथ दिलाई

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। शुक्रवार को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने 2 नए जजों को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में शपथ दिलाई। इनमें आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और एडवोकेट केवी विश्वनाथन शामिल थे। इसके साथ ही एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों का कोरम पूरा हो गया है।

अगस्त 2030 में केवी विश्वनाथन ही चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बनेंगे। विश्वनाथन 24 मई 2031 तक, यानी 9 महीने से ज्यादा देश की टॉप कोर्ट का नेतृत्व करेंगे।

कॉलेजियम ने दोनों को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाने की सिफारिश की थी :

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 16 मई को सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट केवी विश्वनाथन और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाने के लिए केंद्र से सिफारिश की थी।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस केएम जोसेफ ने केंद्र को सिफारिश भेजी थी। उन्होंने कहा था, सुप्रीम कोर्ट में 34 जज होने चाहिए, लेकिन अभी केवल 32 जज ही हैं। कुछ जजों के रिटायरमेंट के बाद जुलाई के दूसरे हफ्ते तक केवल 28 जज ही बचेंगे। इसी वजह से पहले इन दो जजों की नियुक्ति की जाए।

केंद्र सरकार ने कॉलेजियम की सिफारिश पर 48 घंटे के भीतर ही मुहर लगा दी। इसके तुरंत बाद ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों जजों की नियुक्ति का पत्र भी जारी कर दिया। इसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ट्वीट करके दी है।

समीर वानखेड़े को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत

- *22 मई तक सीबीआई नहीं ले सकती एक्शन*
- *वानखेड़े बोले-आर्यन केस में बदले की कार्रवाई हुई*

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। एनसीबी के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश देते हुए कहा है कि 22 मई तक वानखेड़े पर कोई भी एक्शन न लें। हालांकि कोर्ट ने समीर को आज सुबह 11 बजे तक सीबीआई के सामने पेश होने को कहा है।

दूसरी तरफ समीर का कहना है कि उनके साथ बदले की भावना के साथ कार्रवाई की जा रही है। दरअसल सीबीआई ने समीर को 18 मई को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। समीर सीबीआई के समन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट भी पहुंचे थे, लेकिन वहां से उन्हें निराशा ही मिली, दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि अगर राहत चाहिए तो आप बॉम्बे हाईकोर्ट जाएं। इसी को देखते हुए समीर ने समन के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया।

दरअसल समीर पर आरोप है कि उन्होंने शाहरुख खान के बेटे आर्यन को ड्रग्स केस में छोड़ने के एवज में 25 करोड़ रुपये की डिमांड की थी। इसके लिए उन्होंने केपी गोसावी नाम के एक शख्स को जिम्मेदारी दी थी। एनसीबी के उपमहानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह ने जब इस मामले की जांच की तो काफी कुछ चीजें सामने

आईं। समीर वानखेड़े के खिलाफ हुए जांच में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला निकल कर आया। इस जांच में पता चला कि 2017 से 2021 के बीच में उन्होंने 6 विदेशी दौरे किए। इस दौरान वे ब्रिटेन, आयरलैंड, पुर्तगाल, दक्षिण अफ्रीका और मालदीव जैसों देशों में गए। चौंकाने वाली बात ये है कि उन्होंने इन दौरों का पूरा खर्चा 8.75 लाख रुपये तक बताया है, लेकिन इतना तो फ्लाइट के टिकट में ही लग जाता है। इसके अलावा उन्होंने 22 लाख की सोने की घड़ी खरीदी, जिसकी जानकारी उन्होंने डिपार्टमेंट को नहीं दी। वे विदेश कब-कब गए, कहां रुके, कितने रुपये खर्च किए। इसकी सटीक जानकारी उन्होंने नहीं दी। जांच में ये सवाल खड़ा हुआ है कि जब समीर की सालाना कमाई 15.75 लाख रुपये हैं, वहीं उनकी पत्नी की कमाई 7 लाख रुपये है, तो फिर वे इतना महंगे-महंगे शौक कैसे पालते हैं।

आर्यन ड्रग्स केस की पूरी जानकारी सीनियर्स को दी थी, सबूत में चैट्स सौंपी :

समीर वानखेड़े ने दिल्ली हाईकोर्ट में 18 मई को अपने बचाव में एक रिट दाखिल की। इसके तहत उन्होंने चैट्स की कुछ कॉपी मुहैया कराई है। इन चैट्स में सामने आया है कि उन्होंने अपने सीनियर अधिकारियों के साथ आर्यन खान के संबंध में बातचीत की थी। समीर के खिलाफ सीबीआई ने आरोप लगाया है कि वे अपने अधिकारियों को संज्ञान में लिए बिना इस केस की जांच कर रहे थे। अब समीर ने अपने सीनियर ज्ञानेश्वर सिंह के साथ इस केस के सिलसिले में हुई बातचीत का पूरा चैट कोर्ट में सबमिट किया है। दाखिल रिट के मुताबिक, आर्यन खान क्रूज ड्रग्स केस में एनसीबी के जोनल डायरेक्टर रहे समीर वानखेड़े जांच और कानूनी प्रक्रिया से जुड़ी हर डिटेल्स एनसीबी के डीजी सत्यनारायण प्रधान, डीडीजी अशोक मुथा जैन और डीडीजी ज्ञानेश्वर सिंह को समय-समय पर देते रहे थे।

दिल्ली के सभी मंत्री जाएंगे राजनिवास

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में सरकार और एलजी के बीच चल रहा विवाद अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच केजरीवाल सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। सभी मंत्री एलजी हाउस जाकर उपराज्यपाल से सवाल करेंगे। चिट्ठी में सेवा सचिव के बदलाव वाली फाइल को जल्द मंजूरी देने का आग्रह करेंगे। दिल्ली मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अपनी चिट्ठी में लिखा है कि हमने दो दिन पहले सेवा सचिव को बदलने का प्रस्ताव भेजा था। माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनी हुई सरकार को प्रशासनिक फेरबदल करने का अधिकार है और उपराज्यपाल को चुनी हुई सरकार के मुताबिक काम करना चाहिए।

अदाणी मामले में अभी तक नहीं मिली कोई नियामकीय गड़बड़ी

विशेषज्ञ समिति ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। अदाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वर्तमान में सेबी की ओर से मिले आंकड़ों और स्पष्टीकरणों को ध्यान में रखते हुए प्रथम दृष्टया निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि मूल्यों में हेरफेर या किसी तरह की नियामकीय विफलता हुई है।

विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक ऐसा कुछ नहीं मिला है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि अदाणी ग्रुप ने शेयरों के मूल्यों में कोई

गड़बड़ी नहीं की थी। ना ही आर्टिफिशियल ट्रेडिंग या एक ही पार्टी द्वारा बार-बार ट्रेडिंग के भी सबूत नहीं मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक की जांच में मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग का उल्लंघन भी नहीं मिला है। विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सेबी ने 13 विशिष्ट लेनदेन की पहचान की है, जिसकी उसके द्वारा जांच की जा रही है कि क्या वह कानूनी तौर पर मान्य लेनदेन थे या फिर उनमें कोई गड़बड़ी थी। ऐसे में समिति इन लेनदेन पर अभी कोई टिप्पणी नहीं कर सकती। बता दें कि 6 जजों वाली सुप्रीम कोर्ट की इस विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता पूर्व जज एएम सप्रे कर रहे हैं। समिति ने सेबी को तय समय सीमा में जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सेबी ने जांच पूरी करने के लिए छह महीने का अतिरिक्त समय मांगा था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त तक अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया है।

इंडियन नेवी की वागीर सबमरीन की समुद्र में टेस्टिंग

> पानी के अंदर माइंस बिछाने में सक्षम, ये पनडुब्बी रडार की पकड़ में नहीं आती

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। इंडियन नेवी की वागीर सबमरीन ने 18 मई को समुद्र में टेस्ट शुरू कर दिया। ये सबमरीन एंटी शिप मिसाइल और टारपीडो से लैस है। इसकी खासियत है कि यह दुश्मन के रडार में पकड़ में नहीं आती। समुद्र में कई राउंड की टेस्टिंग के बाद अगले साल यह भारतीय नेवी के लड़ाकू बेड़े में शामिल हो जाएगी।

साइलेंट किलर है वागीर :

वागीर का नाम सैंड फिश की एक प्रजाति पर रखा गया है, जो इंडियन ओशन की एक घातक समुद्री शिकारी है। इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। इसने दूसरी पनडुब्बियों के मुकाबले सबसे कम समय में हथियार और सेंसर के प्रमुख ट्रायल्स पूरे कर लिए।

वागीर की खासियत :

यह सबमरीन एंटी-सरफेस वॉरफेयर और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर दोनों जगह काम कर सकती है। इसके अलावा खुफिया जानकारी जुटाना, माइंस बिछाने और एरिया सर्विलांस का काम भी ये पनडुब्बी बखूबी निभा सकती है। वागीर 221 फीट लंबी है और 21 मीटर ऊंची है। पनडुब्बी पानी के ऊपर 20 किलोमीटर प्रति घंटे और पानी के अंदर 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार की क्षमता है।

प्रोजेक्ट 75 क्या है :

इंद्रकुमार गुजराल सरकार ने 25 पनडुब्बियां नेवी को देने का फैसला किया था। इसके लिए प्रोजेक्ट 75 बनाया गया। इस प्रोजेक्ट के तहत पनडुब्बियों को बनाने के लिए 30 साल की योजना बनाई गई थी। 2005 में, भारत और फ्रांस ने छह स्कॉर्पीन डिजाइन की पनडुब्बियां बनाने के लिए 3.75 अरब डॉलर के कांट्रैक्ट पर साइन किए। कलवरी क्लास की पहली सबमरीन 2017 में नेवी को मिली थी।

सबमरीन में 40 क्रू मेंबर्स :

वागीर सबमरीन में लगभग 40 क्रू एक साथ काम कर सकते हैं। इसमें करीब 9-10 ऑफिसर होते हैं। सबमरीन में खाली स्पेस कम होता है। इस वजह से अतिरिक्त सावधानी रखनी होती है। तीन-तीन घंटे की ड्यूटी के बाद जवान 6 घंटे का ब्रेक लेते हैं।

जीएसटी के जॉइंट डायरेक्टर बलवीर विरदी पर विजिलेंस का एक्शन

आय से अधिक संपत्ति का केस, 13 साल में 3 करोड़ कमाए 5 करोड़ खर्चे

जालंधर, 19 मई (एजेंसियां)। पंजाब विजिलेंस ने एक्साइज विभाग के जॉइंट डायरेक्टर बलवीर कुमार विरदी पर शिकंजा कस दिया है। विरदी के खिलाफ विजिलेंस ने आय से अधिक संपत्ति और खर्च का मामला दर्ज किया है। विरदी मौजूदा समय में एक्साइज विभाग में जीएसटी विभाग देखते हैं। विजिलेंस ने अपनी जांच में पाया है कि विरदी ने एक्चुअल इनकम से 3.03 करोड़ रुपये ज्यादा खर्च किए हैं।

विजिलेंस के प्रवक्ता ने बताया कि जांच में आया है कि साल 1 अप्रैल 2007 से लेकर 11 सितंबर 2020 तक सभी रिसोर्स से बलवीर विरदी की एक्चुअल इनकम 2,08,84,863.37 थी। जबकि उन्होंने जो चल-अचल संपत्तियां बनाई हैं उन पर 5,12,51,688.37 रुपये खर्च किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आनंद मोहन को दी गई छूट से जुड़े वास्तविक रिकॉर्ड मांगे

अगली सुनवाई अगस्त में

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी जी. कृष्णैया हत्याकांड के दोषी बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन को उम्रकैद में छूट देने के लिए बिहार सरकार ने प्रावधानों में कुछ बदलाव किया था, जिससे उनकी समय-पूर्व रिहाई हो गई। दिवंगत आईएएस की पत्नी उमा कृष्णैया ने छूट दिलाने के लिए प्रावधान बदलने के बिहार की नीतीश सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू भी हुई, लेकिन राज्य सरकार की ओर से लिखित जवाब के लिए समय की मांग की गई और कोर्ट ने इसकी अनुमति दे दी। कोर्ट ने अगली सुनवाई एक अगस्त को करने की तारीख दी है। कोर्ट ने कहा कि बिहार सरकार को एक अगस्त को जवाब दाखिल कर देना है। इसके बाद इस नाम पर समय नहीं मिलेगा।

हालांकि, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में 8 मई को सुनवाई हुई थी। उस दिन कोर्ट ने बिहार सरकार और आनंद मोहन को नोटिस करते हुए इस मामले पर दोनों से जवाब मांगा था। कोर्ट ने इस मामले में 2 हफ्ते में जवाब देने का निर्देश दिया था।

आजीवन कारावास की सजा 15 साल में रिहाई कैसे :

आनंद मोहन के खिलाफ कोर्ट में दिवंगत आईएएस अधिकारी जी कृष्णैय्या की पत्नी उमा देवी ने याचिका दायर की थी।

उमा देवी ने आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बिहार सरकार द्वारा कानून में किए गए संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। उमा देवी ने कहा था मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है। वह जरूर इस केस में न्याय करेंगे। उनका कहना है कि जब आनंद मोहन को आजीवन कारावास की सजा हुई तो उनकी रिहाई 15 साल में कैसे हो गई। कोर्ट से अपील है कि वह मामले पर गंभीरता से विचार करे। दिवंगत आईएएस कृष्णैय्या की बेटी ने भी रिहाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। बिहार सरकार ने 10 अप्रैल को बिहार जेल मैनुअल 2012 में बदलाव किया था। इसके तहत सरकारी कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान हत्या को भी सामान्य हत्याकांड की तरह कर दिया गया।

28 मई को अमेरिका रवाना होंगे राहुल

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 28 मई को अमेरिका के लिए रवाना होंगे। वह स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे 29-30 मई को प्रवासी भारतीयों से मिलेंगे। इससे पहले बताया गया था कि कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी 31 मई से 10 दिनों के लिए अमेरिका दौरे पर जाएंगे। उनका चार जून को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में लगभग 5000 प्रवासी भारतीयों के साथ रैली करने का प्रोग्राम था। इसके अलावा वह पैनल चर्चा और भाषण के लिए वॉशिंगटन भी जाने वाले थे। हालांकि, इन विस्तृत कार्यक्रम को लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच पीएम मोदी 22 जून को राजकीय यात्रा के लिए अमेरिका जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते एक प्रेस बयान में बताया कि अमेरिका में पीएम मोदी की मेजबानी राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे। पीएम मोदी के लिए व्हाइट हाउस में रात्रिभोज का भी आयोजन किया गया है।

ईडी ने चीन में 82.72 करोड़ रुपये के अवैध हस्तांतरण का किया खुलासा

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने वाली पिजन एजुकेशन टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की कंपनी ओडाक्लास पर चीनी नागरिकों का स्वामित्व है और भारतीय निदेशक कठपुतली के अलावा कुछ नहीं हैं। ईडी ने कहा कि पिजन एजुकेशन टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने चीन और हांगकांग को 82.72 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। ईडी ने कहा, फर्म के मामले में हमने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट की धारा 37ए के तहत 8.26 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। कंपनी ओडाक्लाश के नाम से ऑनलाइन एजुकेशन मुहैया करा रही है। ईडी ने पहले कंपनी के खिलाफ तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की थी और पाया था कि कंपनी पर चीनी नागरिकों का 100 प्रतिशत स्वामित्व है और कंपनी के सभी मामले, वित्तीय निर्णय सहित, चीन में बैठे व्यक्तियों द्वारा लिए जा रहे हैं। अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान, यह पता चला कि कंपनी ने चीनी निदेशक लियू कैन के निर्देश पर विज्ञापन और विपणन व्यय के नाम पर चीन और हांगकांग को 82.72 करोड़ रुपये की हेराफेरी की है। >12

गुजरात के पूर्व मंत्री वाघासिया की सड़क हादसे में मौत

अमरेली, 19 मई (एजेंसियां)। गुजरात के पूर्व कृषि मंत्री वल्लभभाई वाघासिया की कार अमरेली जिले में सावरकुंडला कस्बे के पास एक बुलडोजर से टकरा गई और इस हादसे में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वांडा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना रात को हुई। सावरकुंडला विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक 69 वर्षीय वाघासिया ने पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की सरकार के पहले कार्यकाल में कृषि एवं शहरी आवास मंत्री के रूप में कार्य किया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वाघासिया किसी गांव से सावरकुंडला लौट रहे थे, तभी रात करीब साढ़े आठ बजे वांडा गांव के पास राज्य राजमार्ग पर यह हादसा हो गया। वाहन में उनके साथ बैठा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि पूर्व मंत्री कार चला रहे थे, जो बुलडोजर से जा टकराई और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उसने बताया कि वाघासिया को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

'कन्वर्ट हो गए हैं उद्धव ठाकरे और संजय राउत

नितेश राणे का बड़ा हमला

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के विधायक नितेश राणे ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना (यूबीटी) के सुप्रीमो उद्धव ठाकरे और सांसद संजय राउत पर बड़ा हमला बोला है। राणे ने कहा कि उद्धव और राणे कन्वर्ट हो गए हैं, इसलिए इनका मुस्लिम प्रेम जाग गया है। राणे ने कहा कि उद्धव का इतिहास वसूली का रहा है और उनका परफ्यूम तक विदेश से आता है। वहीं, त्र्यंबकेश्वर मंदिर विवाद पर बोलते हुए राणे ने कहा कि चादर चढ़ाने की जिद इसीलिए हो रही है क्योंकि एक बार चादर चढ़ गई तो पूरा मंदिर उनका (मुसलमानों का) हो जाएगा।

'उद्धव का इतिहास वसूली का, जिंदकी वसूली की'

राणे ने कहा, 'उद्धव का इतिहास वसूली का है। 39 साल हम उनके साथ रहे हैं। कपड़े की सफाई से लेकर गाड़ियों और परफ्यूम तक ड्यूटी फ्री विदेश से आते हैं। इनकी जिंदगी ही वसूली की रही है। उद्धव और संजय राउत कन्वर्ट हो गए है, इसलिए उनको मुस्लिम प्रेम जागा है। गौ मूत्र पर इसीलिए सवाल उठा रहे और हिंदुओं को उत्पाती बता रहे हैं। संजय राउत कहते हैं कि हिन्दू ही दंगा फैलाने का काम कर रहे हैं, वह हिंदुओं को बदनाम कर रहे इसलिए अकेले जाने की चुनौती मैंने दी है।'

'राउत ने शिवसेना को खत्म करने की कसम खाई'

राणे ने कहा कि संजय राउत ने शिवसेना को खत्म करने की कसम खाई है। उन्होंने कहा, 'प्रीतिश नंदी को जबसे शिवसेना की तरफ से सांसद का टिकट दिया गया और संजय राउत को नहीं मिला, तभी से उन्होंने शिवसेना को खत्म करने की कसम खाई है और उसी में वो लगे है।' वहीं, त्र्यंबकेश्वर मंदिर विवाद पर बोलते हुए राणे ने कहा, 'त्र्यंबकेश्वर मंदिर में चादर चढ़ाने की जिद इसीलिए हो रही है क्योंकि एक बार चादर चढ़ा दिया तो फिर पूरा मंदिर उनका हो जाएगा। छत्रपति शिवाजी के किले के पास वे इसी तरह अतिक्रमण कर कब्जा करना चाहते हैं।'

'दरगाह के सर्वे की मांग का हम समर्थन करते हैं'

राणे ने कहा, 'त्र्यंबकेश्वर की दरगाह के सर्वे की जो मांग की जा रही है, उसका हम पूरा समर्थन करते हैं। सिर्फ त्र्यंबकेश्वर ही नहीं, जिन भी दरगाह या मस्जिद पर सवाल उठ रहे हैं उनका सर्वे किया जाए ताकि सच सामने आए। अगर वह दरगाह या मस्जिद है तो उन्हें मिले, नहीं तो हमें दिया जाए।' वहीं, लोकसभा चुनाव में एमवीए के 35 सीट जीतने के दावे पर राणे ने कहा कि शिवसेना पिछली बार मोदी की तस्वीर लगाकर 19 सीट जीती थी, इस बार एमवीए के साथ रहकर उनके लिए ऐसा करना संभव नहीं है।

भ्रष्टाचार के आरोप में असम सरकार की अधिकारी गिरफ्तार, 65 लाख रुपये नकद बरामद

गुवाहाटी, 19 मई (एजेंसियां)। असम सरकार की एक अधिकारी को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और भ्रष्टाचार विरोधी विंग के अधिकारियों ने उसके कब्जे से 65 लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य कर की सहायक आयुक्त मिनाक्षी काकोटी कलिता को गुरुवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के अधिकारियों द्वारा बिछाए गए जाल में रंगे हाथों पकड़ा गया। यह आरोप लगाया गया है कि वह जीएसटी से संबंधित कुछ काम के लिए किसी से रिश्वत मांग रही थी और बाद में उस व्यक्ति ने भ्रष्टाचार विरोधी विंग से संपर्क किया और कलिता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। फिर एक जाल बिछाया गया और उसने जीएसटी से संबंधित कार्य के लिए शिकायतकर्ता को अपनी मांग के तहत रिश्वत स्वीकार की। उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज किया गया। बाद में एंटी करप्शन विंग के अधिकारियों ने कलिता के घर पर छापा मारा और 65,37,500 रुपये नकद बरामद किए। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

लखनपुर में कार और दो पहिया वाहन में टक्कर एक की मौत, चार घायल

कठुआ, 19 मई (एजेंसियां)। जिला कठुआ के लखनपुर में शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया है। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि चार लोग घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए जीएमसी कठुआ ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, कठुआ के लखनपुर में जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय मार्ग पर एक कार और दो पहिया वाहन में टक्कर हो गई। इसमें एक व्यक्ति की जान चली गई और चार लोग जख्मी हो गए, जिन्हें अस्पताल भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कार जम्मू से हिमाचल की ओर जा रही थी। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जींस और अंडरगारमेंट में छिपाई गोल्ड डस्ट, मस्कट से भारत पहुंचा भारतीय नागरिक गिरफ्तार, कीमत 2.28 करोड़

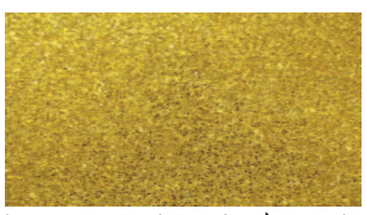

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। कस्टम डिपार्टमेंट के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। यहां सीमा शुल्क अधिकारियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 18 मई को मस्कट से आने वाले एक भारतीय नागरिक से 2.28 करोड़ रुपये को 4.2 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है। मुंबई कस्टम अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक यात्री ने जींस, अंडरगारमेंट के अंदर बनी पॉकेट और टोपी के अंदर सोना छिपाया हुआ था। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक यात्री ने सोने को डस्ट को छुपा रखा था। उन्होंने बताया कि चेकिंग के दौरान उन्हें यात्री पर शक हुआ था। जिसके बाद उन्होंने उसकी तलाशी ली तो उन्हें जींस, अंडरगारमेंट और टोपी के अंदर से करीब 4.2 किलोग्राम से ज्यादा की सोने की डस्ट मिली। उन्होंने बताया कि मिली हुई डस्ट की कीमत 2.28 करोड़ रुपये के लगभग है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है।

प्रेमी की पत्नी पर एसिड अटैक, प्रेमी भी झुलसा

ग्वालियर, 19 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर में शारीरिक शोषण करने और एसिड अटैक का मामला सामने आया है। पांच साल से दुष्कर्म की शिकार एक ब्यूटी पार्लर संचालक युवती ने गुस्से में आकर प्रेमी की पत्नी पर एसिड अटैक कर दिया। पत्नी को बचाने के प्रयास में उसका पति भी झुलस गया है। घटना गुरुवार शाम जनकगंज के रामद्वारा इलाके की है। पुलिस के पास जब तक अस्पताल से सूचना पहुंचती उससे पहले ही आरोपी युवती अपने झुलसे हुए प्रेमी पर लिव इन रिलेशन में रखकर शारीरिक शोषण करने और धमकाने की एफआईआर कराने थाने पहुंच गई। पुलिस ने एसिड अटैक और दुष्कर्म के क्रॉस मामले दर्ज किए है।

मंदिर से 21 किलो वजनी पीतल का घंटा ले गए चोर

चरखी दादरी, 19 मई (एजेंसियां)। बिचला बासा क्षेत्र स्थित प्राचीन शिव मंदिर से वीरवार रात अज्ञात ने पीतल का घंटा चोरी कर लिया। शुक्रवार सुबह वारदात का पता चलने के बाद मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से इसकी शिकायत सिटी थाने में दी गई है। पुलिस को दी शिकायत में पुजारी राजकुमार ने बताया कि मंदिर में 21 किलो वजनी पीतल का घंटा लगा रखा था। इसकी कीमत करीब 12 हजार रुपये थी। पुजारी ने बताया कि वीरवार रात चोर मंदिर में आए और घंटे को उतार ले गए। सुबह चार बजे जब पुजारी सोकर उठा तो घटना का पता चला। इसके तुरंत बाद मंदिर कमेटी सदस्यों को सूचित किया गया और फिर सिटी थाना पुलिस को मौके पर बुलाया गया।

प्रशांत महासागर में 7.7 तीव्रता के भूकंप से बढ़ा सुनामी का खतरा, अलर्ट जारी

वाशिंगटन, 19 मई (एजेंसियां)। प्रशांत महासागर में 7.7 तीव्रता के भूकंप से आस पास के द्वीपीय और महाद्वीपीय इलाकों में सुनामी का खतरा बढ़ गया है, जिसको लेकर स्थानीय सरकार ने अलर्ट भी जारी कर दिया है। यह चेतावनी अमेरिका में न्यू कैलेडोनिया, फिजी और वानुअतु के क्षेत्रों के लिए जारी की गई है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के मुताबिक जानकारी मिली है कि ये भूकंप जमीन के 10 किमी (6.21 मील) की गहराई में आया था।

ग्वाटेमाला में भी महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

इस शक्तिशाली भूकंप के कुछ घंटे पहले मध्य अमेरिका के ग्वाटेमाला

में भी बुधवार देर रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इन झटकों की तीव्रता 6.4 थी। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप का केंद्र कैनिला के पास और जमीन से 158 मील की गहराई में था। कैनिला राजधानी ग्वाटेमाले सिटी से करीब 120 मील उत्तर में है। हालांकि राजधानी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, हालांकि इससे किसी को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। ग्वाटेमाला में आए इस भूकंप से कोई जान-माल होने की कोई खबर नहीं आई है।

तुर्किए में आए भूकंप ने मचाई थी तबाही

इस साल की शुरूआत में 6 फरवरी को तुर्किए में आए भूकंप ने तबाही मचा दी थी। तुर्किए में आए भूकंप ने मचाई थी तबाही भूकंप का केंद्र दक्षिणी तुर्की का गाजियांटेप था। इससे पहले की लोग संभल पाते कुछ देर बाद ही भूकंप का एक और झटका आया, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.4 मैग्नीट्यूड थी। भूकंप के झटकों का यह दौर यहीं नहीं रुका। इसके बाद 6.5 तीव्रता का एक और झटका लगा। एक के बाद एक आए भूकंप ने तुर्किए में 33 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली।

यात्री को सीने में हुआ दर्द, मलेशिया जा रहे विमान की करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

चेन्नई, 19 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु। कुआलालंपुर जाने वाली एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में शुक्रवार को एक यात्री के सीने में दर्द की शिकायत मिली। जिसके बाद फ्लाइट को यहां रोकना पड़ा। इस घटना की जानकारी अधिकारियों ने दी। बता दें कि करीब 280 यात्रियों को लेकर विमान जेद्दाह से जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि मंजूरी मिलने के बाद जैसे ही विमान उतरा, यात्री को नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। जहां उसका इलाज जारी है।

अमृता फडणवीस 'रिश्वत-जबरन वसूली' मामला

एसआईटी ने 733 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की, जयसिंघानी के परिवार पर आरोप

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को ब्लैकमेल करने और रिश्वत देने के कथित प्रयास के मामले में आज मुंबई पुलिस की एसआईटी ने 733 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। खबर के अनुसार, चार्जशीट में अनिल जयसिंघानी, उनकी बेटी अनीक्षा और उनके चचेरे भाई निर्मल को आरोपी बनाया गया है। वहीं, 13 गवाहों के बयान भी दर्ज किए गए हैं

यह है मामला

दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल पुलिस स्टेशन ने 20 फरवरी को जयसिंघानी और उनकी बेटी अनिक्षा के खिलाफ प्राथमिक दर्ज की थी। उन पर आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर अमृता फडणवीस को कुछ ऑडियो और वीडियो क्लिप सार्वजनिक करने की धमकी दी और जबरन वसूली की कोशिश की। दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-120

बी (आपराधिक साजिश) और 385 (जबरन वसूली) और भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की धारा 8 (भ्रष्ट साधनों का उपयोग करके लोक सेवक को प्रेरित करना) और 12 (उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। अनिक्षा को 17 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद सत्र अदालत ने मामले में 27 मार्च को उसे जमानत दे दी थी। अनिल जयसिंघानी को गुजरात में गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। जयसिंघानी ने हाईकोर्ट में दाखिल अपनी याचिका में दावा किया कि उन्हें मामले में 19 मार्च को अवैध तरीके से गिरफ्तार किया गया और कानून के अनुसार 24 घंटे के भीतर कोर्ट के समक्ष पेश नहीं किया गया। जयसिंघानी के वकील मृगेंद्र सिंह ने शुक्रवार को जस्टिस ए एस गडकरी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ को बताया कि जयसिंघानी को गिरफ्तारी के 36 घंटे बाद मुंबई की अदालत में पेश किया गया। सिंह ने आरोप लगाया कि मामले में हर चीज की निगरानी शिकायतकर्ता के पति द्वारा की जा रही है जो राज्य के गृह मंत्री भी हैं।

महाराष्ट्र सरकार के महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने इन आरोपों का खंडन किया और कहा कि पुलिस ने सभी प्रक्रियाओं का ठीक से पालन किया है और जयसिंघानी को रिमांड पर लेने लिए कोर्ट के समक्ष पेश करने में कोई देरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने 19 मार्च को जयसिंघानी को अपने कब्जे में ले लिया था और वे उसे मुंबई में कोर्ट में पेश करना चाहते थे। सराफ ने बताया कि गिरफ्तारी ज्ञापन के अनुसार जयसिंघानी को 20 मार्च को शाम पांच बजे गिरफ्तार किया गया और 5 मार्च को सत्र अदालत में पेश किया गया।

अमेरिका से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में हंगामा, पति ने पत्नी का गला दबाया

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के नेवार्क से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल एक यात्री को सफर के दौरान पैनिक अटैक आ गया, जिसके बाद उसने जमकर हंगामा किया। इस दौरान यात्री ने अपनी पत्नी का गला दबाने का भी प्रयास किया। हालांकि क्रू सदस्यों ने किसी तरह यात्री को काबू किया। जिसके बाद फ्लाइट तय समय पर सुरक्षित मुंबई एयरपोर्ट पर उतर सकी। खबर के अनुसार, बिजनेस क्लास में सफर कर रहे एक मुंबई बिजनेसमैन ने नेवार्क से प्लेन के उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हंगामा ही शुरू कर दिया। इस दौरान यात्री चिल्लाया और फ्लाइट को उतारने की मांग करने लगा। जब क्रू के सदस्यों और उसकी पत्नी ने व्यक्ति को समझाने की कोशिश की तो उसने अपनी पत्नी का ही गला दबाने की कोशिश की। इस पर क्रू के सदस्यों ने फ्लाइट में मौजूद डॉक्टर की मदद से यात्री को काबू किया और इंजेक्शन लगाकर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद विमान ने तय समय पर मुंबई एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। जिस व्यक्ति ने हंगामा किया, उसकी पत्नी ने बताया कि उसके पति को पैनिक अटैक आते हैं और बीते कुछ दिनों से वह अपनी दवाएं भी नहीं ले रहे। फ्लाइट में सफर कर रहे एक यात्री प्रवीण तोनेस्कर ने ट्वीट कर घटना के बारे में जानकारी दी। प्रवीण ने बताया कि विमान के क्रू मेंबर्स ने शानदार काम किया और बड़ी मुश्किल से विमान में मौजूद डॉक्टर की मदद से उसे काबू किया। प्रवीण ने कहा कि क्रू के सदस्यों ने बहुत धैर्य का परिचय दिया और घटना के बाद उन्होंने बिना थके बाकी सदस्यों का भी पूरा ध्यान रखा। एयर इंडिया ने भी प्रवीण के ट्वीट पर रिप्लाई किया है और उनके क्रू के सदस्यों की तारीफ के लिए प्रवीण को धन्यवाद दिया है।

कोलकाता में गंगा आरती के बाद अब श्रद्धालुओं को मिलेगा प्रसाद, ममता सरकार का फैसला

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वाराणसी की तरह राज्य भर के विभिन्न गंगा घाटों पर गंगा आरती की पहल की है। इस साल दो मार्च से कोलकाता में गंगा आरती देखने के लिए काफी संख्या में पर्यटक उमड़ रहे हैं। दर्शनार्थियों को गंगा आरती मुफ्त में देखने का मौका मिल रहा है और इस बार कोलकाता नगर निगम गंगा आरती देखने आने वालों के लिए खिचड़ी प्रसाद की व्यवस्था की है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार सप्ताह में एक दिन शनिवार को आरती के बाद भोग की व्यवस्था की गयी है। आरती के साथ-साथ कोलकाता नगर पालिका भी इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। आरती दर्शन के बाद दर्शनार्थी खिचड़ी का लुत्फ उठा रहे हैं। गंगा आरती देखने के बाद आगंतुकों इस विशेष खिचड़ी भोग दिया जा रहा है। नगर निगम सूत्रों के अनुसार इस गंगा आरती को देखने के लिए हर शाम करीब एक हजार श्रद्धालु बड़े कदमतला घाट पर आते हैं। सप्ताह के आखिरी दिन शनिवार को भीड़ कुछ ज्यादा ही रहती है। इसलिए इसी दिन भोग की व्यवस्था की गई है। खिचड़ी का भोग लगभग 100 किलो चावल,

50 किलो दाल, 3 से 5 किलो घी, काजू, किशमिश और विभिन्न सब्जियों और मसालों से तैयार किया जाता है।

प्रत्येक शनिवार को दर्शनार्थियों को दिया जाता है खिचड़ी का प्रसाद

खिचड़ी के प्रसाद को शालपत्र के कटोरों में आगंतुकों के बीच वितरित किया जाता है। वर्तमान में प्रसाद शनिवार की शाम के लिए यह व्यवस्था की गई है, लेकिन निकट भविष्य में इस दिन को बढ़ाने की योजना है। यह भोग शनिवार को गंगा देवी के मंदिर में आरती के साथ लगाया जाता है। उसके बाद आरती के अंत में भोगप्रसाद का वितरण किया जाता है। कलकत्ता नगर निगम ने भोग के आयोजन के लिए एक स्वैच्छिक संगठन को सौंपा है। कोलकाता में घूमने के स्थानों की सूची में एक नया जोड़ गंगा घाट आरती है। राज्य सरकार इस बदहाल कदमतला घाट को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटन केंद्र बनाना चाहती है। गंगा के सौंदर्यीकरण से सुखद वातावरण का निर्माण होता है। हर शाम गंगा पूजा के साथ गंगा आरती दर्शन भी होते हैं।

ममता बनर्जी की पहल पर शुरु हुई कोलकाता में गंगा आरती

ममता बनर्जी वाराणसी गंगा घाट पर आरती से प्रभावित हुईं थीं। मुख्यमंत्री ने कोलकाता घाट पर इस तरह की आरती करने की इच्छा जताई थी और इसकी जिम्मेदारी कोलकाता नगर निगम को दी थी। इस आरती के शुरू होने से पहले घाट पर मां गंगा का मंदिर बनाई गयी है। यहां मां गंगा की मूर्ति स्थापित की गई है। शनिवार को मंदिर के सामने से दर्शनार्थियों को खिचड़ी भोग शालपत्र की कटोरी में बांटी जाती हैं। हालांकि, कोलकाता नगर पालिका ने भविष्य में इस भोग दिवस को बढ़ाने की योजना बनाई है। कोलकाता नगर निगम ने इस उत्सव के आयोजन की जिम्मेदारी एक स्वयंसेवी संस्था को दी है।

डेराबस्सी में गैस रिसाव: फैक्टरी में फटा केमिकल का ड्रम, लोगों को सांस लेने में हुई दिक्कत

डेराबस्सी, 19 मई (एजेंसियां)। डेराबस्सी-बरवाला मार्ग पर स्थित सौरव केमिकल फैक्टरी में शुक्रवार सुबह जाइलिन नामक केमिकल का ड्रम फट गया। इस कारण इलाके में इस गैस की बदबू फैल गई। जिससे लोगों को सांस लेने और आंखों में जलन की शिकायत देखने में आई। गैस रिसाव के बाद पास में स्थित जीबीपी होम्स और अन्य सोसाइटियों के लोग घरों से बाहर आ गए। उन्होंने मौके पर ही इस बारे में पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित किया। इसके बाद स्थानीय थाने के प्रभारी और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां वहां पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने केमिकल का असर कम करने के लिए उस पर पानी की बौछारें मारी लेकिन विभाग के कर्मी जितना पानी डाल रहे थे गैस के ड्रम से उतनी ही तेजी से धुआं निकलने लगा। इस कारण हवा के बहाव की ओर गैस की फ्यूम फैलने लगीं। थाना प्रभारी जेएस सेखों ने कहा कि फैक्टरी प्रबंधन से पूछने पर पता चला कि फैक्टरी में रात करीब 11 बजे जाइलिन नामक केमिकल का ड्रम फट गया।

उद्धव गुट की इस नेता पर पार्टी पदाधिकारी से पैसे मांगने और थप्पड़ मारने का आरोप

उपाध्यक्ष सुषमा अंधारे

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की बीड जिला इकाई के अध्यक्ष अप्पासाहेब जाधव ने उपाध्यक्ष सुषमा अंधारे पर अपने कार्यालय में एयर कंडीशनर लगवाने और उसके लिए फर्नीचर खरीदने के वास्ते पार्टी कार्यकर्ताओं से पैसे मांगने का आरोप लगाया है। हालांकि, अंधारे ने जाधव के सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। जाधव ने यह भी दावा किया कि उन्होंने इस मुद्दे पर हुए विवाद के बाद अंधारे को दो बार थप्पड़ मारा। हालांकि, अंधारे ने ऐसा कोई भी घटनाक्रम होने से भी साफ इनकार किया है।

कब का है मामला?

जाधव ने कहा कि यह घटना रात को बीड शहर में हुई, जहां शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की एक रैली प्रस्तावित है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "हम पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन सुषमा अंधारे हमारे कार्यकर्ताओं से अपने कार्यालय में एसी लगवाने और फर्नीचर खरीदने के लिए पैसे मांग रही हैं। वह मेरे पार्टी पद को भी बेचने की कोशिश कर रही हैं। इसलिए, मेरा अंधारे से झगड़ा हुआ और मैंने उन्हें दो थप्पड़ भी मारे।"

सुषमा अंधारे ने क्या कहा?

वहीं, अंधारे ने संवाददाताओं से कहा, "(जाधव द्वारा लगाए गए) आरोप हास्यास्पद हैं। लेकिन, मैं यहां एकनाथ शिंदे गुट के पटकथा लेखक की तारीफ करना चाहूंगी।" उन्होंने दावा किया, "बीड में लंबे समय के बाद शिवसेना (यूबीटी) की एक रैली होनी है और ये आरोप आगामी आयोजन को बदनाम करने की साजिश हैं। रैली स्थल पर जाधव और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। मैं विवाद सुलझाने के लिए पार्टी के स्थानीय नेताओं के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन जाधव वहां से भाग गए।" बीड जिला इकाई के दूसरे अध्यक्ष अनिल जगताप ने फेसबुक पर जारी एक लाइव वीडियो में कहा, "सुषमा अंधारे के नेतृत्व वाली महाप्रबोधन यात्रा यहां समाप्त होने वाली है और कई लोग इससे खुश नहीं हैं। जाधव द्वारा बताया गया कथित घटनाक्रम पूरी तरह से झूठा है।"

गोविंदघाट से पंच प्यारों की अगुवाई में पहला जत्था हुआ रवाना

जोशीमठ, 19 मई (एजेंसियां)। हेमकुंड साहिब व लक्ष्मण मंदिर के कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शुक्रवार को गोविंद घाट गुरुद्वारे से जो बोले सो निहाल के जयकारों के साथ पंज प्यारे, निशान साहिब के साथ यात्री घांघरिया के लिए रवाना हुए। पहले जत्थे में सात सौ से अधिक यात्री शामिल हैं। हेमकुंड साहिब लक्ष्मण मंदिर के कपाट 20 मई को विधि विधान के साथ सुबह 10 बजे खोल दिए जाएंगे। गोविंद घाट गुरूद्वारा में शुक्रवार सुबह गुरुवाणी अरदास, सुखमणी पाठ, शब्द-कीर्तन किया गया । इसके बाद गोविंदघाट गुरुद्वारे से पंच प्यारों की अगुवाई में तीर्थयात्रियों का पहला जत्था घांघरिया के लिए रवाना हो गया है। हेमकुंड साहिब की तीर्थ यात्रा को लेकर तीर्थयात्रियों में उत्साह बना हुआ है। सुबह आठ बजे गुरूद्वारा श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने तीर्थ यात्रियों को सरोपा भेंटकर घांघरिया के लिए रवाना किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: बुरा वक़्त सबका आता है लेकिन जो इस वक़्त में सम्भला रहता है वही खुद को बेहतर मुकाम तक पंहुचा पाता है।

मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को नकली बीज बेचने वालों पर लगाम कसने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गृह मंत्री मोहम्मद अली ने पुलिस अधिकारियों को नकली बीज बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मंत्री महमूद अली ने शुक्रवार को यहां सचिवालय से जिला पुलिस अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और बाजार में नकली बीजों के खतरे को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की। गृह सचिव जितेन्द्र, डीजीपी अंजनी कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में जल्द ही नया कृषि सीजन शुरू होने वाला है, कुछ अपराधी किसानों को नकली बीज बेचने की कोशिश करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जो लोग नकली बीजों के उत्पादन, वितरण और बिक्री में शामिल हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और कहा कि पीडी एक्ट के तहत मामले दर्ज किए जाएं। अधिकारियों को अन्य राज्यों से नकली बीजों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए तेलंगाना सीमा क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रखने का भी निर्देश दिया गया।

भाकपा नेताओं ने आंदोलनरत पहलवानों को समर्थन का संकल्प लिया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा दिल्ली राज्य परिषद के प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व में भाकपा के राष्ट्रीय सचिव और भाकपा दिल्ली जिले के प्रभारी के. नारायण, प्रो. दिनेश वार्ष्णेय, सचिव, भाकपा दिल्ली राज्य परिषद और शंकरलाल, भाकपा के सचिवालय सदस्य और दोनों भाकपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों ने जंतर-मंतर पर साक्षी मलिक ओलम्पिक पदक विजेता पहलवान व अन्य पहलवानों से मुलाकात की और उनके आंदोलन व मांगों को भाकपा का पूरा समर्थन दिया. नारायण ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह, जो कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष हैं, के साथ अपमानजनक व्यवहार की अनुमति नहीं दी जा सकती है। उन्हें सभी पदों से हटा देना चाहिए।

हैदराबाद चिलचिलाती धूप जारी

खैरताबाद में सर्वाधिक 42.5 डिग्री सेल्सियस तापमान

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को शहर के 31 इलाकों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चढ़ने के साथ हैदराबाद में चिलचिलाती गर्मी जारी है। शहर के बीचों-बीच स्थित खैरताबाद भीषण गर्मी की मार झेल रहा है। पिछले 10 दिनों से शहर में सबसे गर्म स्थान के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखते हुए, खैरताबाद ने 42.5 डिग्री सेल्सियस का चौंका देने वाला अधिकतम तापमान दर्ज किया। कापरा में पारा 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उप्पल, सेरिलिंगमपल्ली, सरूरनगर, बंदलागुडा, साकेत और हयातनगर जैसे अन्य इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। तापमान के असहनीय स्तर तक पहुंचने के साथ, डेनिजन्स लगातार गर्मी से निपटने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं।

कुछ लोग चलते समय चिलचिलाती धूप से खुद को बचाने के लिए किसी भी उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए अस्थायी ढाल और छतरियों का सहारा लेते हैं। दूसरों ने ऐसे कपड़ों का विकल्प चुना जो ब्लिस्टरिंग किरणों के न्यूनतम जोखिम को सुनिश्चित करते हुए अधिकतम कवरेज प्रदान करते हैं। पेड़ों की छांव में शरण लेते हुए, कुछ लोगों ने नारियल पानी और अन्य ताज़ा पेय पदार्थों को ठंडा करने और अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए आराम पाया।

स्थिति केवल हैदराबाद तक ही सीमित नहीं है, राज्य के अन्य जिले भी भीषण गर्मी की चपेट में हैं। शुक्रवार को करीमनगर में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद नालगोंडा और निर्मल दोनों का तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक चेतावनी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि शनिवार को उच्च तापमान और नम हवा के कारण तेलंगाना के कुछ हिस्सों में असहज मौसम का अनुभव होता रहेगा। पूर्वानुमान आगे भविष्यवाणी करता है कि अगले छह दिनों तक हीटवेव बनी रहेगी। उम्मीद की एक किरण के रूप में मौसम विभाग ने अगले सप्ताह शहर में बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई है। हालाँकि, इन वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति अपेक्षाकृत कम होने की उम्मीद है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in के माध्यम से)

PUB/0525

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद व्दारा निम्न विवरित कार्यों के लिए, निविदा की एकल पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

एनआयटी नं. : सी/इ.29/टीआरडी/एससी/05/2023-24, कार्य विवरणः निविदा सं. सी/इ.29/टीआरडी/एससी/05/2023-24 दि.18,05.2023, बल्लारशाह -काजीपेट सेक्शन के आसीफाबाद रोड स्टेशन पर मौजूदा ओएचइ का परिवर्तन सहित इंजीन एक्सेप लाइन की ओएचइ का प्रावधान । अनुमानित लागतः रु.1,29,04,502/- पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 09.06.2023, समय 15.00 बजे

1)बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें ।

2) निविदाकर्ता केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही तत्संबंधित में भाग ले सकते हैं एवं मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।

3) सभी संभावित निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि, निविदा प्रपत्र मूल्य तथा पूधरा का भुगतान केवल आनलाईन पेमेंट्स के माध्यम से ही करें।

4) रेल प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए, किसी भी निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रहेगा।

5) सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन आयडेंटिफिकेशन नंबर प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर्स के साथ प्रस्तुत करें।

6) निविदाकर्ता. किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाईन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति की अवधि की प्रारंभ की तिथि तक ही अवलोकन करें।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

निविदा सूचना
सं.जी/इ.29/टीआर./निविदा सूचना सं./03/2023-24, दि. 18.05.2023

PUB/0526

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, ट्रैक्शन-गुंटकल व्दारा निम्न विवरित कार्यों के लिए, ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1. निविदा सं. : जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-06-2023-24, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन- 2.5 मी. से कम / लीनींग मास्ट का आरोपण या इम्प्लैंटेशन सहित मास्ट्स का प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्यः रु.1,33,14,717/- पूधराः रु.2,16.600/-

2. निविदा सं. : जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-0%-2023-24, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-टीएसएस पर पोषाहार व्यवस्था या फीडींग आरेंजमेंट्स में वृध्दि करना।

अनुमानित मूल्यः रु.1,37,21,059/- पूधराः रु.2,18,600/- बंद करने की तिथि व समयः 09.06.2023, 11.00 बजे

टिप्पणीः 1. निविदाकर्ता, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क तौर पर वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते है । टेंडर बिड्डिंग अथवा निविदा बोली लगाने एवं अन्य जानकारी हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, ट्रैक्शन,गुंटकल

A0741

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया वेबसाइट्स https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

विश्व मंगल गौशाला में अमावस्या पर सभी गौभक्तों ने सहयोग किया। इस अवसर पर सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें विशनाराम सुथार, अंबर नाथ और शेरूदास ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर प्रेमराज प्रजापत (मेढ़चल एसोसिएशन अध्यक्ष), राजूराम, हरीश प्रजापत, दीपक सीरवी, पेमाराम मोतीलाल सीरवी, नारायण राम, विक्रम, रामचंद्र सुथार, जामताराम चौधरी, खेताराम गेनाराम मुलेवा, प्रभुराम सुथार, धर्माराम सुथार, दलपतसिह नरसिंगा राम सुथार और समस्त विश्नोई समाज की ओर से कुट्टी की व्यवस्था की गई। टीवी सुरेश और शांतिलाल सुथार ने सबका धन्यवाद प्रकट किया।

सत्यम्-शिवम्-सुंदरम गौनिवास, गगन पहाड में अमावस्या पर गोसेवा करते हुए श्रद्धालु।

यात्रियों की सुविधा लिए समर स्पेशल ट्रेनें का 6369 विशेष फेरा

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के दिनों में यात्रियों की सुविधा के लिए कुल 380 विशेष ट्रेनें 80 हजार से अधिक कोचों के साथ 6369 फेरे लगा रही हैं। भारतीय रेलवे 2022 में चलाई गई कुल समर स्पेशल ट्रेनों (348 ट्रेनों के 4599 फेरे) की तुलना में इस साल 1770 फेरे अधिक चला रही है। दमरे के अनुसार इस वर्ष गर्मी के मौसमके दौरानरेल यात्रियों की सुविधा के लिए और यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए, भारतीय रेलवे 380 विशेष ट्रेनों के 6369 फेरे चला रहा है। 2022 में चलाई गई कुल समर स्पेशल ट्रेनों (348 ट्रेनों के 4599 फेरे) की तुलना में भारतीय रेलवे इस साल 1770 मोर ट्रिप चला रहा है। चालू वर्ष जुड़े हुए प्रमुख गंतव्य पटना-सिकंदराबाद, पटना-यशवंतपुर, बरौनी-मुजफ्फरपुर, दिल्ली-पटना, नई दिल्ली-कटरा, चंडीगढ़-गोरखपुर, आनंद विहार-पटना, विशाखापत्तनम-पुरी-हावड़ा, मुंबई-पटना, मुंबई-गोरखपुर हैं। कुल मिलाकर, 6369 फेरों वाली इन 380 विशेष ट्रेनों में 25%94 सामान्य डिब्बे और 55243 शयनयान डिब्बे हैं। सामान्य कोच में 100 यात्रियों की क्षमता होती है जबकि स्लीपर कोच में आईसीएफ में 72 और एलएचबी में 78 यात्रियों की क्षमता होती है। गर्मियों की भीड़ को पूरा करने के लिए देश भर में फैले सभी जोनल रेलवे ने विशेष फेरे चलाने की तैयारी कर ली है। इन विशेष ट्रेनों के माध्यम से कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली जैसे विभिन्न राज्यों से कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा रही है। मुख्य रूप से कर्नाटक क्षेत्र के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे पिछले साल 779 फेरे की तुलना में इस गर्मी के मौसम में अधिकतम 1790 फेरे चला रहा है, जबकि पश्चिम रेलवे मुख्य रूप से गुजरात राज्य के लिए कैटरिंग कर रहा है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा 784 फेरे चलाए जा रहे हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में 80 फेरे अधिक हैं। देश के उत्तरी हिस्से में भारी भीड़ से निपटने के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे 400 फेरे, पूर्व मध्य रेलवे 380 फेरे चला रहा है। उत्तर रेलवे ने भी इस साल 324 फेरे चलाने की योजना बनाई है। हालांकि, न तो ट्रेनों की संख्या और न ही विशिष्ट विशेष ट्रेनों द्वारा चलाई जाने वाली यात्राओं की संख्या पूरे सीजन के लिए स्थिर है।

पूर्व पति द्वारा सार्वजनिक रूप से महिला की हत्या

मनचेरियल, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जमीन के एक टुकड़े को लेकर हुए विवाद के बारे में माना जा रहा है कि शुक्रवार को यहां नगर पालिका कार्यालय के पास एक व्यक्ति ने सार्वजनिक रूप से अपनी पूर्व पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस को शक है कि वेलपुला मधुकर और उसके दो साथी वेलपुला स्वप्ना (26) की जघन्य हत्या में शामिल थे। वह राजीवनगर की रहने वाली थी। दोपहर करीब 1 बजे स्वप्ना नगर पालिका कार्यालय के पास खून से लथपथ मृत पाई गई। उसकी गर्दन के पास घातक चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हमलावर मोटरसाइकिल पर मौके से भाग गए और माना जाता है कि हत्या के बाद जब वे कोटापल्लीकी ओर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया, जिससे कस्बे में खलबली मच गई। जिंदगी के लिए जूझ रही स्वप्ना के वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गए थे। पुलिस का मानना है कि उसके पहले पति वेलपुला मधुकर और उसके दो दोस्तों ने जमीन विवाद को लेकर उस पर हमला किया था। स्वप्ना की शादी 2016 में मधुकर से हुई थी और वह किसी और से शादी करने के लिए अलग हो गई थी।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद -500 062, तेलंगाना

ईसीआईएल के साथ उज्ज्वल भविष्य के लिए जुड़ें

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन भारत सरकार का उपक्रम **वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक [मानव संसाधन], उप महाप्रबंधक [कॉरपोरेट क्रय], उप महाप्रबंधक [कॉरपोरेट संचार], उप महाप्रबंधक [मानव संसाधन], वरिष्ठ प्रबंधक [वित्त], वरिष्ठ प्रबंधक [विधि], प्रबंधक – मानव संसाधन प्रभाग, उप प्रबंधक - कंपनी सचिवालय, उप प्रबंधक – वित्त तथा उप प्रबंधक – विधि** के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि 20.05.2023 (1400 बजे) एवं अंतिम तिथि 10.06.2023 (1400 बजे) तक है।

संपूर्ण विवरण (योग्यताओं, अनुभव, आयु इत्यादि) एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए कृपया कंपनी की वेबसाइट http://careers.ecil.co.in या www.ecil.co.in देखें।

विज्ञापन सं. 05/2023

उप महाप्रबंधक-मानव संसाधन (भर्ती)

CBC 48138/12/0002/2324

दक्षिण तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश के मध्य बेहतर कनेक्टिविटी की ओर एक और कदम

"भारतीय रेल को सुरक्षित, सुविधाजनक तथा आधुनिक बनाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

गाड़ी सं. 12862 महबूबनगर – विशाखपट्टणम एक्सप्रेस
(महबूबनगर तक विस्तारित गाड़ी सं. 12862/12861 काचीगुडा – विशाखपट्टणम – काचीगुडा एक्सप्रेस) को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

लाभ
- महबूबनगर, जडचर्ला और शादनगर जैसे नए स्थानों की आंध्र के तटीय क्षेत्र से कनेक्टिविटी
- यात्रियों को अत्याधुनिक एलएचबी कोचों के साथ बेहतर सुविधाएं
- परिवहन का सुरक्षित और किफायती साधन
- छात्रों, किसानों, व्यापारियों आदि के लिए लाभदायक
- सुविधाजनक और आरामदायक रात्रि यात्रा सुविधा

जी. किशन रेड्डी
संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
भारत सरकार
द्वारा

दिनांक: 20 मई, 2023 समय: दोपहर 03:15 बजे
स्थान: महबूबनगर रेलवे स्टेशन

PUB0529 A0747

सभी सादर आमंत्रित हैं

दक्षिण मध्य रेलवे

www.scr.indianrailways.gov.in South Central Railway-S.C.R @SCRailwayIndia scrailwayindia @scrailwayindia SouthCentralRailway

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यु बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 05/2023

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ एसआरएफ (आई टी) -01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, ZOHA JAMEEL W/O MOHAMMED MUJEEB UDDIN, R/O H NO. 10-4-771/353, N.G.Nagar, Madam Tank, Hyd-28, Need to add Surname,as "JAMEEL" and Given name as "ZOHA"

FLATS FOR SALE

New Apartments, 3BHK Super Deluxe Flats, Ready to Occupy, GHMC & RERA Approved Project, Good Vastu, OC Received Bank Loan available, @ Pragati Colony, Near Aram Ghar X Roads, Before Shamshabad International Airport. Contact: 9100015559, 9100015558.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले

मोनिका बहराइच की डीएम बनीं

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। शासन और फील्ड में तैनात कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के शुक्रवार सुबह तबादले कर दिए गए। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा सुधीर एम. बोबडे अपर मुख्य सचिव राज्यपाल, देवीपाटन मंडल के कमिश्नर महेंद्र प्रसाद अग्रवाल प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा बने। योगेश्वर राम मिश्रा बस्ती से देवीपाटन मंडल के कमिश्नर बने। कमिश्नर सहारनपुर लोकेश एम बस्ती कमिश्नर बने। बहराइच के डीएम दिनेश चंद्र डीएम सहारनपुर बनाये गए। मोनिका डीएम बहराइच बनीं। कल्पना अवस्थी अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा बनीं।

ट्रक को ओवरटेक करने में डिवाइडर से टकराई कार

चार की मौत, तीन घायल

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। लखनऊ-हरदोई हाइवे पर स्थित जिंदौर गांव के पास देर रात एक बजे सड़क हादसे में चार की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हो गये। हादसा ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान हुआ। कार सवार हरदोई के संडीला स्थित अनवरी मोहल्ला के रहने वाले थे। लखनऊ एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस जा रहे थे।

प्रभारी निरीक्षक रहीमाबाद अख्तियार अंसारी के मुताबिक बृहस्पतिवार देर रात जिंदौर गांव के पास एक बजे लखनऊ से हरदोई की तरफ जा रही कार ने ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान चालक कार से नियंत्रण खो दिया। जिसके कारण कार डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में संडीला के अनवरी मोहल्ला निवासी समीना (30), बेटी आशिया (2), अब्दुल रहमान (7) और फातिमा की मौत हो गई। वहीं कार सवार फहद, अमान सहित तीन गंभीर रुप से घायल हो गये।

कार का शीशा तोड़कर निकाला गया पुलिस के मुताबिक हादसा होने की सूचना मिलने पर टीम पहुंची। अंदर चीखपुकार मची थी। दरवाजा लॉक हो गया था। पुलिस ने कार के पिछले हिस्से का शीशा तोड़ा। इसके बाद एक-एक कर सभी को बाहर निकाला। घायलों को एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए परिजन लेकर गये हैं। वहीं मृतकों के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना किया। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर पंचनामा भरकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। परिजन शव लेकर हरदोई चले गये।

व्हाट्सएप चैट आई सामने, बढ़ सकती हैं वाराणसी के कमिश्नर मुथा अशोक जैन की मुश्किलें

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के छापे में गिरफ्तार मशहूर फिल्म अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में शाहरुख खान से 25 करोड़ रुपये मांगने के आरोपी एनसीबी के तत्कालीन जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के खिलाफ सीबीआई ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच की जद में वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन भी आ रहे हैं, जो उस दौरान एनसीबी में उप महानिदेशक के पद पर तैनात थे। दरअसल, इस प्रकरण को लेकर अदालत में दाखिल एक याचिका में समीर वानखेड़े और मुथा अशोक जैन के बीच हुई व्हाट्सएप पर बातचीत का ब्योरा भी दिया गया है।

बिहार के 17 जिलों में बारिश का अलर्ट

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। बिहार के कई जिलों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो रही है तो कुछ जिलों में मौसम सामान्य बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के उत्तरी हिस्से में तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं, दक्षिणी हिस्से में मौसम सामान्य रहेगा।

21 मई को पूरे बिहार में बारिश होने की संभावना हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ जम्मू कश्मीर से दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में एक्टिव है।

वहीं, दूसरा विक्षोभ बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है। इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के 17 जिलों में मध्यम दर्जे की बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने बिहार के 17 जिलों में तेज हवा, बारिश और आकाशीय बिजली को लेकर अलर्ट जारी किया है।

सीएम नीतीश बोले- जातीय गणना पर चर्चा के समय भाजपा साथ में थी

पर कानून बनाने नहीं बोली

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। जातीय जन-गणना को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। दरभंगा में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कुछ नहीं बोलेंगे लेकिन सभी दलों की सहमति लेकर जनगणना शुरू की गई थी। उस समय भाजपा भी साथ में ही थी।

कानून बनाकर गणना कराने की बात उस समय क्यों नहीं की। उस समय बोलते लेकिन तभी कुछ बोले नहीं। अब अल-बल सब बोल रहे हैं। जो भी हो रहा यह सरकार की तरफ से नहीं हो रहा बल्कि जो सभी दलों द्वारा दिए राय के अनुसार जो तय किया गया था उसी के हिसाब से सब हो रहा है। अब कह रहे हैं कि कानून बनाना चाहिए। नीतीश कुमार ने कहा कि जातीय गणना पर एक्सपर्ट से सुझाव लेकर आगे काम करेंगे। यह पहली बार नहीं हो रहा है, इससे पहले भी हो रहा था।

बुलावे पर कर्नाटक जा रहे

वहीं कर्नाटक जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की जबरदस्त जीत दर्ज की है। वह शपथ ग्रहण में कल कर्नाटक जाएंगे। सीएम ने कांग्रेस की जीत को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बुलावे पर शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने कर्नाटक जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातिगत जनगणना सभी दलों की सहमति से कराया जा रहा है। sजब सबो से राय ली जा रही थी उसी समय कानून बनाने के लिये बोलता लोग उस समय कुछ नही बोलै अब अल बल बोल रहा सब। जो भी हो रहा है सरकार की तरफ से नही हो रहा है बल्कि सबो की राय से जो तय उसी के हिसाब से चल रहा है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के

सीएम नीतीश बोले- मंत्री संजय झा की पहल पर तटबंध का कार्य कराया जा रहा

इससे पहले दरभंगा के गौड़ा बौराम के कोठराम में कमला बलान नदी पर बने बांध का सीएम नीतीश कुमार ने निरीक्षण किया। इसके बाद दरभंगा हवाई अड्डा के सुरक्षा बांध पर बने पीसीसी और मिथिला पेंटिंग से सुसज्जित एयरपोर्ट परिसर में किया लोकार्पण किया। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री तटबंध का उच्चीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं पक्कीकरण कार्य (फेज-II) का शुभारंभ किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जलसंसाधन मंत्री संजय झा की पहल पर तटबंध का कार्य कराया जा रहा है। इससे इस इलाके लाखो लोगो को इसकी सुविधा मिल सके। उन्होंने मंच से विभाग के इंजीनियर ओर अभियंता प्रमुख को भी आग्रह किया बरसात पूर्व इस कार्य को करा दीजिये। इससे बाढ़ और बरसात के मौसम लोगो को इसका लाभ मिले। तटबंध बन जाने से इस इलाके के लोगो को काफी सुविधा मिलेगी।

मुख्तार अंसारी के शूटर को बड़ा झटका

अंगद राय की जमानत याचिका खारिज

गाजीपुर, 19 मई (एजेंसियां)। मुख्तार अंसारी के करीबी अंगद राय को बड़ा झटका लगा है। अंगद राय की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। अंगद के ऊपर सदर कोतवाली में रंगदारी और धमकी देने के प्रकरण में गैंगेस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

जानकारी के अनुसार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शरद कुमार चौधरी की अदालत में शुक्रवार को रंगदारी मांगने के मामले में भांवरकोल थाना के अंतर्गत आने वाले शेरपुर खुर्द का रहने वाला अंगद राय को बिहार पुलिस ने पेश किया था।

3 मार्च 2023 को सदर कोतवाली थाना डिलिया के रहने वाले प्रमोद गिरी उर्फ पप्पू गिरी ने आरोप लगाया था कि अंगद के कहने पर अमित राय और विश्वनाथ राय, गिरी के घर मोटसाइकिल से आये। दोनों ने अंगद पर गिरि की ओर से दर्ज कराए गए एससी/एसटी कोर्ट में विचाराधीन मामले में गवाही करने से मना किया।

दोनों ने गिरी से कहा कि अगर वह अपना और अपने परिवार का भलाई चाहता है, तो उसे गवाही से दूर रहना होगा। इसके साथ ही गिरी से 5 लाख रुपए रंगदारी भी मांगी गई। इस मामले में गिरी ने अंगद के खिलाफ सदर कोतवाली में तहरीर दी थी। विश्वनाथ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

इस प्रकरण में अमित राय को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल चुकी है। और शराब तस्करी मामले में अंगद राय बिहार की भाभुआ जेल में निरुद्ध है। हालांकि अंगद, अमित और विश्वनाथ पर गाजीपुर पुलिस ने 50 हजार के इनाम की घोषणा की थी। अंगद राय के अधिवक्ता राजकुमार जायसवाल ने अंगद राय को न्यायालय में तलब करने का आवेदन दिया था। इस पर न्यायालय ने अंगद राय को तलब किया था।

शुक्रवार को अंगद राय के अधिवक्ता ने जमानत याचिका दी। इस पर वरिष्ठ अभियोज अधिकारी भैया प्रेमचंद ने विरोध किया। इस पर न्यायालय ने सुनवाई के बाद अंगद राय की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

प्रभात गुप्ता हत्याकांड मामले में मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने किया बरी

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रभात गुप्ता हत्याकांड मामले में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया है। इसी के साथ

न्यायालय ने सत्र अदालत द्वारा अजय मिश्रा टेनी को बरी किए जाने के फैसले को भी बरकरार रखा है।

सीपीआई विधायक की गाड़ी ने किशोर को मारी टक्कर, हालत गंभीर

बिना रुके चले गए, विरोध हुआ तो देखने आए

बेगूसराय, 19 मई (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में शुक्रवार को तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राम रतन सिंह की गाड़ी की चपेट में आने से एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने उसे एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना गरहारा थाना क्षेत्र के राजबाड़ा रेलवे गुमटी के पास की है। घायल किशोर की पहचान

तेयाय थाना क्षेत्र के नवादा निवासी मनीष कुमार के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक, मनीष कुमार अपने पिता के साथ दिल्ली में रहता था और शुक्रवार को ही वह वापस अपने घर आया था। लेकिन घर जाने से पहले वह पिता के साथ गरहारा थाना क्षेत्र में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार के यहां जा रहा था। उसी वक्त विधायक राम रतन सिंह की कार तेज गति से आ रही थी। सड़क पार करने के दौरान ही किशोर विधायक की गाड़ी की चपेट में आ गया। लोगों ने स्थानीय विधायक पर संवेदनहीनता का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि घायल किशोर को देखने के बजाय पहले राम रतन सिंह ने एक कार्यक्रम में शरीक होना जरूरी समझा। बाद में गुस्साए लोगों ने स्थानीय विधायक राम रतन सिंह का घेराव किया, तब जाकर विधायक ने घायल किशोर से मुलाकात की और उसके इलाज का भरोसा भी दिलाया।

दरअसल, न्यू बरौनी स्टेशन पर राज्यरानी एक्सप्रेस का ठहराव आज शुक्रवार से दिया गया था। इसी कार्यक्रम में शरीक होने के लिए राम रतन सिंह न्यू बरौनी स्टेशन जा रहे थे।

उक्त कार्यक्रम में स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा भी शरीक हुए।

छात्र को दौड़ाकर सीने में मारी गोली

अलीगढ़ में प्रेम संबंधों में 12वीं के स्टूडेंट की हत्या, 25 हजार रुपए में ली मर्डर की सुपारी

अलीगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। अलीगढ़ में शुक्रवार को दो बदमाशों ने 12वीं के एक छात्र को गोली मार दी। आरोपियों ने स्कूल के बाहर ही छात्र को दौड़ाकर सीने में गोली मारी। छात्र की तुरंत मौत हो गई। घटना के बाद वहां मौजूद अन्य छात्रों ने दोनों आरोपी युवकों को दौड़ाकर पकड़ लिया और पीट-पीट कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस की पूछताछ में हत्यारोपियों ने बताया कि प्रेम संबंधों में दिल्ली के छात्र ने उसे 25 हजार रुपए की सुपारी दी थी। मर्डर से पहले 10 हजार रुपए भी ले लिए थे।

सीने में तमंचा सटाकर बदमाशों ने मारी गोली

टप्पल थाना क्षेत्र के गांव कमालपुर का रहने वाला प्रिंस जट्टारी स्थित आरपीएस ग्लोबल स्कूल में पढ़ता था। वह 12वीं का छात्र था। शुक्रवार को पढ़ने के लिए गया। इसी दौरान आफताब और कुनाल वहां आ गए और मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद छात्र प्रिंस को अनहोनी की आशंका हुई तो वह भागने लगा। इतने में आरोपियों ने दौड़ाकर प्रिंस के सीने में गोली मार दी।

प्रिंस एक लड़की से बात करता था, इसलिए हत्या की साजिश

हत्या की सुपारी देने वाला छात्र जिस लड़की को पसंद करता था, प्रिंस भी उससे बातचीत करता था। दोनों के बीच संबंध थे। इसके कारण हत्या की साजिश रची। सुपारी देने वाले छात्र को पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगाई गई है। पुलिस की एक टीम दिल्ली के लिए रवाना की जा रही है।

25 हजार में हत्या का सौदा, 10 हजार एडवांस लिए

पुलिस ने दोनों आरोपियों आफताब और कुनाल को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में यह सामने आया है कि दोनों ने रुपए लेकर 12वीं के छात्र प्रिंस को गोली मारी है। जट्टारी का ही एक युवक दिल्ली में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता है। उसने प्रिंस की हत्या के लिए 25 हजार रुपए की सुपारी दी थी। 10 हजार रुपए एडवांस भी दिए थे। हत्यारोपी और हत्या की सुपारी देने वाले तीनों जट्टारी के ही रहने वाले हैं।

हत्यारोपी आफताब और कुनाल ने छात्र को गोली मारने के बाद बाइक से भागने का प्रयास किया। इसके बाद स्कूल के अन्य छात्रों ने आरोपियों को पकड़ने के लिए इन्हें दौड़ा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों आरोपी बाइक से भाग रहे थे। इनके पीछे स्कूल के अन्य छात्र ईको कार से दौड़े और टप्पल के जरतौली मोड़ के पास छात्रों ने इनकी बाइक पर टक्कर मारकर इन्हें गिरा दिया। इसके बाद छात्रों ने इन्हें पकड़ लिया और पीटना शुरू कर दिया। सीने में गोली लगने के बाद छात्र प्रिंस को नोएडा के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद छात्रों ने नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया।

हंगामा शुरू कर दिया। घटना की जानकारी होने पर एसएसपी कलानिधि नैथानी समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। साथी की मौत के कारण छात्रों में आक्रोश है। पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को समझाना शुरू किया और आश्वासन दिया कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। काफी देर की मशक्कत के बाद छात्र माने और उन्होंने जाम हटाया।

काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन करने पहुंचे कुमार विश्वास

बोले- परम आनंद का दिन, काशी के कोतवाल के दर्शन से लेकर पप्पू की अड़ी पर चाय तक

वाराणसी, 19 मई (एजेंसियां)। काशी विश्वनाथ धाम में कवि कुमार विश्वास ने दर्शन-पूजन किया। गर्भगृह में रुद्राभिषेक किया। बता दें कि कुमार विश्वास 3 दिन के वाराणसी दौरे पर हैं। पूजन की तस्वीरें कुमार विश्वास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किए हैं।

दर्शन के बाद कॉरीडोर निहारा

कवि कुमार विश्वास ने गुरुवार शाम बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन के बाद कॉरिडोर का भ्रमण किया। कहा कि बाबा विश्वेश्वर की नगरी प्राचीनता को समेटे हुए नए कलेवर में संवर रही है। बाबा विश्वनाथ के धाम की भव्यता तो अद्भुत है। मंदिर के स्वर्ण शिखर को प्रणाम किया और धाम की भव्यता भी निहारी। धाम में भ्रमण के बाद संकटमोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र के आवास पर पहुंचे और समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

वीआईपी प्रोटोकॉल जारी न होना चर्चा में

गुरुवार को कवि कुमार विश्वास तीन दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे हैं। बिना किसी लिखित प्रोटोकॉल के उन्हें काशी में पुलिस प्रशासन की ओर से वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है।

गुरुवार शाम को उन्हें मंदिर दर्शन करने के लिए जाना था। कार में सवार कुमार विश्वास के साथ कारों का काफिला भी विश्वनाथ मंदिर की ओर निकला तो हर चौराहे पर वीआईपी ट्रीटमेंट दिया गया। मंदिर के सीईओ सुनील वर्मा ने इस बारे में पूछे गए सवालों के जवाब नहीं दिए। पीआरओ ने अधिकृत नहीं होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया।

बिना प्रोटोकॉल ट्रैफिक रोकने पर डीसीपी ट्रैफिक ने गोलमोल जवाब दिया। उनका कहना था कि कुमार विश्वास को लेकर किसी तरह का कोई प्रोटोकॉल नहीं आया था। चौराहों पर ट्रैफिक रोककर उन्हें पास कराने की जानकारी नहीं है।

नशा करने के लिए बहू को बेरहमी से पीटा

बेगूसराय, 19 मई (एजेंसियां)। बेगूसराय में नशा करने से मना करने पर ससुर ने बहू को लाठी-डंडे बुरी तरह पीटा। बीच-बचाव में आए बेटे को भी सनकी नशेड़ी ने नहीं छोड़ा। इस दौरान महिला जख्मी हो गई। दौलतपुर पंचायच के वार्ड-11 निवासी अरविंद साह की पत्नी सुशीला देवी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोदावन्दपुर में कराया गया। पीड़िता ने खओदावंदपुर पुलिस को मामले की सूचना दी है।

राममंदिर के ग्राउंड फ्लोर की छत 50% तैयार

परिक्रमा पथ के बाद अब गुह्य मंडप की छत बनेगी, खंभों पर देवविग्रहों को उकारा जा रहा

अयोध्या, 19 मई (एजेंसियां)। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के ग्राउंड फ्लोर की छत का करीब 50 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। राम मंदिर ट्रस्ट का लक्ष्य जून तक छत निर्माण के काम को पूरा करने का है। इस बीच मंदिर के खंभों सहित अन्य स्थानों पर लगाए जाने के लिए शास्त्रों में वर्णन किए गए प्रसंगों पर आधारित मूर्तियों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है।

प्रवेश द्वार पर बनेंगे हाथी

श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्र के अनुसार राम मंदिर के गाउंड फ्लोर की छत का काम पूरा होने के बाद अब गुह्य मंडप की छत बनाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि अभी तो काम

की गति है, उसके अनुसार ग्राउंड फ्लोर की छत का काम जून में पूरा होने के आसार हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर के प्रवेश द्वार के पास हाथी की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इस बीच ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंदिर के 2 वीडियो जारी किए हैं। इनमें पहला राम मंदिर निर्माण कार्य की प्रगति से जुड़ा है, जोकि 1 मिनट 46 सेकेंड का है। इसमें सम्पूर्ण निर्माण कार्य और भूतल के खभों पर मूर्तियों के उकेरने को दिखाया गया है। इसमें गर्भगृह के दीवारों की भव्य नक्काशी को दिखाया गया है। दूसरा वीडियो कुल 25 सेकेंड का है। उसमें पत्थर तराशी के कलाकार से बातचीत को दिखाया गया है।

इसमें दिखाया गया है कुछ खंभों पर नक्काशी अभी बाकी है। इस दोनों वीडियो को देख रामभक्त आनंदित हो रहे हैं। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय दो दिन पहले मंदिर के गर्भगृह की दीवार का चित्र जारी कर चुके हैं। इसमें दो मोर और फूल के साथ पत्तियों की आकर्षक नक्काशी की गई है।

बागेश्वर बाबा की एमपी वाली गाड़ी पर एक हजार जुर्माना

मनोज तिवारी थे ड्राइवर, गिरिराज भी थे

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। बागेश्वर वाले बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जिस गाड़ी से पटना एयरपोर्ट से होटल तक आए थे, उसपर जुर्माना लगा है। बाबा के साथ भाजपा सांसद गिरिराज सिंह और मनोज तिवारी भी थी। मनोज तिवारी बाबा की गाड़ी ड्राइव कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पीछे वाली सीट पर बैठे थे। ट्रैफिक पुलिस को शिकायत मिली थी कि पटना एयरपोर्ट से होटल जाने के दौरान तीनों में से किसी ने भी सीट बेल्ट नहीं लगाया था। शिकायत के बाद पटना ट्रैफिक पुलिस ने मामले की जांच की। जांच में शिकायत की पुष्टि हुई। इसके बाद जुर्माना लगाया। नए नियमों के तहत गाड़ी में आगे के साथ ही पीछे की सीट पर भी बेल्ट लगाना भी अनिवार्य है, लेकिन मध्य प्रदेश नंबर की बाबा की कार

में किसी ने बेल्ट नहीं लगाई थी। ट्रैफिक एसपी पूरण झा ने फाइन की पुष्टि करते हुए बताया कि हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। पटना ट्रैफिक पुलिस को शिकायत मिली कि आगे बैठै बाबा धीरेंद्र शास्त्री, ड्राइव कर रहे सांसद मनोज तिवारी और पीछे बैठे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी। यह गाड़ी एमपी 16सी 5005 मध्य प्रदेश के छतरपुर एआरटीओ में निबंधित बताई जा रही है। ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार, 25 अप्रैल 2015 को इंद्र विक्रम सिंह बुंदेला के नाम पर निबंधित इस आलीशान कार के नियंत्रित प्रदूषण का प्रमाणपत्र 28 सितंबर 2020 को खत्म बताया जा रहा है। पटना ट्रैफिक पुलिस ने 13 मई को बगैर बेल्ट या बगैर पीयूसी की इस गाड़ी को नहीं पकड़ा। बाद में शिकायत आई अब हजार रुपये फाइन लगाया गया है। प्रदूषण का नियम तोड़ने वाला जुर्माना नहीं लगा। पटना के ट्रैफिक एसपी पूरण झा ने बताया कि शिकायत मिली है कि जिस दिन बागेश्वर वाले बाबा पटना आए थे, उस दिन एयरपोर्ट से होटल के लिए निकलते समय गाड़ी में बैठे किसी भी व्यक्ति ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी। एयरपोर्ट से निकलने के बाद और होटल पहुंचने के दरम्यान का सीसीटीवी फुटेज निकालकर देखा गया कि गाड़ी में बैठे लोगों ने बेल्ट लगाई थी या नहीं। इसमें पाया गया कि बाबा ने बेल्ट नहीं लगाया था।

जी-20 मीटिंग से पहले जम्मू-कश्मीर में हाई सिक्योरिटी

बोट से मार्कोस कमांडो की निगरानी, सेना ने एंटी ड्रोन डिवाइस भी तैनात की

श्रीनगर, 19 मई (एजेंसियां)। श्रीनगर में 22 से 24 मई को होने वाली जी-20 मीटिंग के लिए हाई सिक्योरिटी तैनात की गई है। जमीन से लेकर हवा तक सेना के जवान पहरा दे रहे हैं। वहीं मार्कोस कमांडो ने बोट के जरिए डल झील में निगरानी शुरु कर दी है। जी-20 की यह बैठक शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में आयोजित होगी। जिसमें करीब 100 डेलीगेट्स हिस्सा लेंगे। सभी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सेना ने एंटी ड्रोन डिवाइस भी तैनात की हैं। यही नहीं श्रीनगर के कुछ स्कूलों को 25 मई तक बंद कर दिया गया।

एंटी ड्रोन डिवाइस तैनात किए जा रहे

जम्मू-कश्मीर के एडीजीपी विजय कुमार सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। उनका कहना है, हमने तीन लेवल की सुरक्षा व्यवस्था की है। एनएस जी और सेना की मदद से एंटी ड्रोन डिवाइस तैनात किए जा रहे हैं। डल झील की सुरक्षा के लिए पुलिस के अलावा मार्कोस तैनात किए गए हैं। बैठक के दौरान किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए भारतीय सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और जम्मू-कश्मीर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। गुरुवार को एनएसजी ने लाल चौक पर छापेमारी भी की।

मेडल की कीमत तो 15 रुपए, नकद पुरस्कार लौटाओ

खिलाड़ियों के मेडल वापिसी की धमकी पर बोले बृजभूषण

पानीपत, 19 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर बैठे पहलवानों के धरने का आज 27वां दिन है। खापों द्वारा महापंचायत कर सरकार को दिए गए अल्टीमेटम के अब सिर्फ दो ही दिन बचे हैं। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। ऐसे में 21 मई के बाद इस धरने व आंदोलन को बड़ा रूप दिया जा सकता है। अगर वापस करना ही है तो करोड़ों रुपए का नकद पुरस्कार करें- बृजभूषण शरण सिंह बता दें कि एक यू-ट्यूबर को दिए इंटरव्यू में बृजभूषण ने खिलाड़ियों को लेकर कई तरह की बातें कही हैं। बृजभूषण ने खिलाड़ियों के मेडल लौटाए जाने की बात पर कड़ी टिप्पणी की ही है। उन्होंने कहा है कि मेडल की कीमत तो 15 रुपए हैं। अगर

वापस करना ही है तो करोड़ों रुपए का नकद पुरस्कार करें। उन्होंने कहा कि जो पैसा फेडरेशन, सरकार, जनता ने उन्हें दिया है। गांव-गांव में मान-सम्मान हुआ है। जिसकी कीमत कई करोड़ रुपए है। ये वापस करें, तब मेडल वापस माने जाएंगे। इस खेल के बदौलत नौकरी मिल गई है, मेडल लौटा भी देंगे तो क्या होगा। सारा पैसा ब्याज सहित वापस लौटाए।

बजरंग पूनिया ने दिया ये जवाब

वहीं बजरंग पूनिया ने कहा कि ये मेडल सालों की मेहनत और करोड़ों देशवासियों की दुआओं की वजह से आया है। जब हम मैदान में उतरते हैं तो देशवासी काम छोड़कर हमारे लिए प्रार्थना करते हैं। हमारे गले में मेडल डलता है तो हर देशवासी का सीना चौड़ा होता है। ये मेरे भारत देश का मेडल है, इसकी कीमत कोई क्या लगाएगा भाई।

साक्षी ने ट्वीट कर दिया ये जवाब

पहलवानों के मेडल को 15 रुपए का बताने पर इस पर साक्षी मलिक ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि गुड्डे-गुड़िया से खेलने की उम्र से अखाड़े की मिट्टी को दोस्त बनाया। जिस मेडल को 15 रुपए का बताया, उसके लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। शर्म की बात है हमारे देश में चैम्पियंस का ये हाल हो रहा है। मैंने ये मेडल देश के लिए जीता है, कोई इसकी कीमत नहीं लगा सकता।

जानिए धरने में अब तक क्या हुआ-

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 जनवरी 2023 को विनेश फोगाट, साक्षी मलिक के साथ बजरंग पूनिया ने धरना देना शुरू कर दिया था। आरोप लगाया कि कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कई महिला पहलवानों का यौन शोषण किया है।

विनेश ने आरोप लगाया कि बृजभूषण होटल के उसी फ्लोर पर रुकते थे, जहां महिला पहलवान ठहरती थीं। विवाद बढ़ने के बाद खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से पहलवानों की मुलाकात हुई और 21 जनवरी को धरना खत्म हो गया। भरोसा मिला कि चार हफ्ते के अंदर कमेटी की जांच रिपोर्ट आएगी, तब तक बृजभूषण सिंह के अधिकार छीने जाते हैं। जांच की मियाद को दो हफ्ते बढ़ाया गया। लेकिन यह रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है। इसके बाद पहलवान एक बार फिर 23 अप्रैल को जंतर-मंतर पर धरना देने पहुंच गए। उन्होंने कहा कि हमें इंसाफ नहीं मिला है और जब तक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं होती है धरना जारी रहेगा।

भाजपा महिला मोर्चा नेता की संदिग्ध मौत, तीन माह पहले पति ने भी किया था आत्महत्या का प्रयास

ऋषिकेश, 19 मई (एजेंसियां)। भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व मंडल उपाध्यक्ष सिमरन गाबा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार देर रात वह बालकनी से गिर गई थी। कुछ समय पहले ही उन्हें संगठन ने पदमुक्त किया था। परिजन उन्हें उपचार के लिए एसपीएस राजकीय अस्पताल लाए थे। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक सिमरन के पति मुकेश गाबा ने भी करीब तीन माह पूर्व कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। मुकेश गाबा व्यवसायी हैं। पति पत्नी में किसी बात को लेकर अनबन की खबरें भी सामने आई हैं। मई माह के शुरुआती सप्ताह में सिमरन के पति मुकेश गाबा ने फेसबुक पर लाइव आकर सिमरन पर आरोप लगाए थे।

कूनो में चीतों की मौतों पर कोर्ट ने जताई चिंता

कहा- राजस्थान और महाराष्ट्र भेजने पर हो विचार

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में तीन चीतों की मौत पर गुरुवार को चिंता जताई है, बता दें ये कि चिता दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा दो महीने से भी कम समय में तीन चीतों की मौतें गंभीर चिंता का विषय है। केंद्र सरकार इस विषय पर राजनीति नहीं करना चाहिए। साथ ही कोर्ट ने केंद्र से कहा कि सरकार को चीतों को राजस्थान स्थानांतरित करने पर विचार करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा केंद्र सरकार राजस्थान में उपयुक्त जगह की तलाश क्यों नहीं करते? इसलिए क्योंकि वहां पर विपक्ष का शासन है। कोर्ट ने कहा कि विशेषज्ञों की रिपोर्ट और लेखों से ऐसा प्रतीत होता है कि इतनी बड़ी संख्या में चीतों के लिए केएनपी पर्याप्त नहीं है ।विशेषज्ञों की राय और मीडिया के लेखों का जिक्र करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कूनो इतने सारे चीतों के लिए पर्याप्त नहीं है।

वहीं इस मामले पर केंद्र सरकार ने कहा कि चीतों को अन्य अभयारण्यों में स्थानांतरित करने सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है।केंद्र सरकार ने कहा कि टास्क फोर्स के सदस्यों सहित किसी भी अधिकारी के पास चीता प्रबंधन का कोई अनुभव नहीं है,क्योंकि चीता 1947-48 में देश से विलुप्त हो गया था। केंद्र और राज्य सरकारों ने अफ्रीकी देशों के साथ विनिमय यात्राओं, अध्ययन पर्यटन, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में वन अधिकारियों और पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया है। ऐसे में उनके पास चीतों सहित अफ्रीकी वन्यजीव प्रजातियों के साथ काम करने का अनुभव है।

पानीपत में नहर में डूबने से युवक की मौत

पानीपत, 19 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में रहने वाला 19 वर्षीय युवक संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि युवक एक दिन पहले से लापता था। क्षेत्र के सीसीटीवी खंगाले तो वह कॉलोनी के ही दो दोस्तों के साथ जाता हुआ दिखाई दिया। जिसके बाद उनसे पूछताछ की तो उन्होंने नहर में नहाते वक्त उसके डूबे जाने का खुलासा किया। इसके बाद परिजन उसे नहर किनारे तलाशते हुए गांव महराणा के नजदीक पहुंचे, जहां से उसका नहर से शव बरामद हुआ। शव को सिविल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस परिजनों के बयानों के आधार पर आगामी कार्रवाई कर रही है।

माउंट एवरेस्ट बेस कैम्प में भारतीय महिला की मौत

पेसमेकर लगा था, 250 मीटर चढ़ने में लगे थे 12 घंटे; 3 दिन में चौथी मौत

काठमांडू, 19 मई (एजेंसियां)। माउंट एवरेस्ट फतह करने की जिद ने एक भारतीय महिला की जान ले ली। महाराष्ट्र की रहने वाली 59 साल की सुजैन लियोपोल्डिना जीसस को पेसमेकर लगा था। लेकिन वह इसी फिजिकल कंडीशन के साथ एवरेस्ट पर चढ़ाई का रिकॉर्ड बनाना चाहती थी। बेस कैम्प से महज 250 मीटर की चढ़ाई करने में उसे 12 घंटे का समय लगा। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। 18 मई को लुकला के हॉस्पिटल में उसने दम तोड़ दिया। पिछले 3 दिनों में यह चौथी घटना है। मार्च से शुरू हुए मौजूदा सीजन के दौरान अब तक माउंट एवरेस्ट पर 8 चीनी और भारतीय पर्वतारोहियों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक

फिलहाल 175 पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट पर चढ़ रहे हैं।

जहां 15 मिनट में चढ़ते हैं लोग, वहां घंटों में चढ़ पाई थीं सुजैन

ग्लेशियर हिमालय हाइकिंग कंपनी के टेंडी शेरपा ने बताया कि माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने से पहले प्रैक्टिस सेशन होता है। सुजैन को उसमें ही दिक्कत होना शुरू हो गई थी। उन्हें मना किया गया लेकिन वे जिद पर अड़ी रहीं। बेस कैंप से केवल 250 मीटर ऊपर बने क्रॉम्पटन प्वाइंट तक पहुंचने में सुजैन को पहली कोशिश में 5 घंटे, दूसरी कोशिश में 6 घंटे और तीसरी कोशिश में 12 घंटे लगे गए थे। सामान्य और स्वस्थ्य पर्वतारोहियों को यहां पहुंचने में 15-20 मिनट लगते हैं।

हर कीमत पर फतह करना चाहती थी एवरेस्ट

सुजैन की हालत बिगड़ने पर उन्हें बेस कैंप छोड़ने से मना किया गया। लेकिन वे नहीं मानीं। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी कीमत पर माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना है। बाद में सुजैन को जबरदस्ती लुकला ले जाया गया। जहां 6 दिन एडमिट रहने के बाद गुरुवार को उनकी मौत हो गई। उनका परिवार शुक्रवार को काठमांडू पहुंचेगा। गौरतलब है कि दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से आठ नेपाल में हैं। नेपाल सरकार ने इस साल एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए 478 परमिट जारी किए हैं। एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए बेस्ट टाइम मार्च में शुरू होता है और मई में खत्म होता है। इसके बाद यहां मौसम बिगड़ जाता है, जिससे यहां रहना खतरनाक हो जाता है। सीजन की शुरुआत में ही तीन शेरपाओं की मौत के बाद इस साल देरी हुई। ये तीनों शेरपा बेस कैंप के ऊपर बने खतरनाक खुम्बू आइस फॉल एरिया में बर्फ के एक गहरे छेद में गिर गए थे। जहां बचावकर्ता उन्हें ढूंढ नहीं पाए। इस साल 17 मई को कामी रीता शेरपा ने 27वीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। कामी शेरपा पहली बार 1994 में 8,849 मीटर ऊंचे एवरेस्ट पर चढ़े थे और तब से लगभग हर साल यात्रा कर रहे हैं।

लड्डू में जहर मिलाकर खिलाया

तड़प-तड़प पर 20 से ज्यादा आवारा कुत्तों ने तोड़ा दम

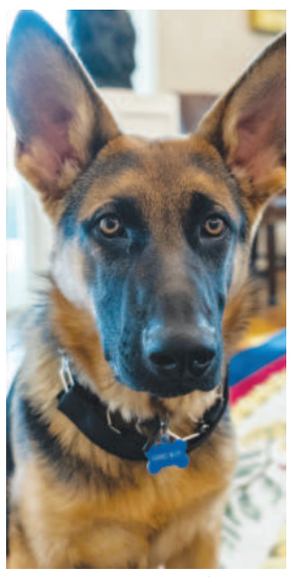

लुधियाना, 19 मई (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना जिले के खन्ना शहर में शरारती तत्वों द्वारा 20 कुत्तों को मारने का मामला सामने आया है। खन्ना शहर के केहर सिंह कॉलोनी में कुछ शरारती तत्वों ने आवारा कुत्तों को लड्डू में जहर मिलाकर खिला दिया। जिससे 20 कुत्तों की मौत हो गई। कॉलोनी में कुत्तों की मौत की खबर फैलते ही हडकंप मच गया। कॉलोनीवासियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने कुत्तों के शव बरामद कर लिए है।

5 कुत्तों के शव बरामद

केहर सिंह कॉलोनी में रहने वाले अशोक कुमार, कर्मपाल, धीर सिंह, काला, जोगिंदर सिंह, बब्बू और लखवर सिंह समेत कई महिलाओं का कहना है कि उनकी कॉलोनी में करीब 20 से 25 कुत्ते घूमते थे, लेकिन अचानक सारे कुत्ते गायब हो गए। अभी तक 5 कुत्तों के शव बरामद किए गए है। लोगों का कहना है कई कुत्तों के शवों को दफना दिया गया होगा। शरारती तत्वों ने आवारा कुत्तों को खाने में देकर मारा है।

कॉलोनिवासियों ने की शिकायत

कॉलोनीवासियों का कहना है कि उन्होंने आज सुबह कई कुत्तों को उल्टियां करते हुए देखा, अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई और मौत हो गई। कॉलोनीवासियों ने कुत्तों को जहर देकर मारने के मामले में शिकायत दर्ज कराई है। जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। नगर कौंसिल के ईओ हरपाल सिंह भी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए।

सीसीटीवी कैमरों को खंगाला

डीएसपी ट्रेनी एडीशनल एसएचओ मंदीप कौर ने मौके पर जाकर जांच की। उन्होंने कहा कि 5 कुत्तों के शव मिले हैं, जिनको पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मरने वाले कुत्तों की संख्या के बारे में जांच की जा रही है, जिसके बाद ही कुछ कहां जा सकेगा। उन्होंने कहा कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि कौन है जो कुत्तों को जहर देकर मार रहा है।

गोवंश तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

यूपी पासिंग वाहन का कर रहे थे इस्तेमाल

नागपुर, 19 मई (एजेंसियां)। गोवंश की तस्करी करने वाले एक गैंग को नागपुर पुलिस ने धर दबोचा है। यह गैंग मध्य प्रदेश का रहने वाला है। नागपुर के कामठी पुलिस को यह सूचना मिली थी कि एक कंटेनर ट्रक में गोवंश को कत्ल करने के लिए नागपुर लाया जा रहा है। पुलिस ने जाल बिछाकर कंटेनर पकड़ा और तस्करी करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं पकड़े गए आरोपी उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। बता दें कि को सूचना मिली थी कि यूपी70 जीटी 2423 नंबर का कंटेनर ट्रक सिवनी से गोवंश लेकर नागपुर की ओर आ रहा है। जानकारी के आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी कर दी और ट्रक को रोककर जांच करने पर उसमें 30 गोवंश मिले। पुलिस के मुताबिक गोवंशों को बड़ी ही क्रूरता के साथ कंटेनर में ठूसा गया था। इसमें दो गोवंश अधमरी अवस्था में मिले हैं। पूछताछ में पता चला कि पुलिस की निगरानी करने के लिए ट्रक के आगे चार पहिया वाहन भी चल रहा था। खबर मिलते ही पुलिस ने एमपी 22 जेड 0579 नंबर की गाड़ी को पकड़ा। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गौ तस्करों का सरगना कोई और है। मध्यप्रदेश के गोतस्करी गैंग होने के कारण पुलिस एमपी पासिंग वाहनों की जांच करती है। इस कारण आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए यूपी पासिंग का कंटेनर ट्रक उपयोग किया। पुलिस ने कंटेनर में मिले मवेशियों को वाहन से बाहर निकाला और उन्हें भंडारा की गौशाला में भेज दिया। इस दौरान पुलिस ने 6 गोवंश तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक गोवंश तस्करी का मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश कनेक्शन सामने आ रहा है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार गोवंश तस्करी पर शिकंजा कसने के लिए व्यापक तैयारी कर चुके हैं। इससे पहले कार्रवाई में ढील देने वाले कई पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को निलंबित किया गया था।

दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में महिला वकील से मारपीट पुरुष वकील पर आरोप

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की रोहिणी अदालत के परिसर के अंदर दो वकीलों, जिनमें से एक महिला है, के बीच लड़ाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। महिला वकील नेहा गुप्ता ने पुरुष वकील के खिलाफ पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) के पास एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुरुष वकील विष्णु कुमार शर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोपों में उत्पीड़न, शारीरिक हिंसा और डराने-धमकाने के आरोप शामिल हैं। महिला वकील ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 18 मई को जब वह रोहिणी कोर्ट नंबर-113 के सामने खड़ी थी तो विष्णु कुमार शर्मा आया और उसके साथ मारपीट करने लगा। महिला वकील ने कहा, उसने मुझे कस कर पकड़ लिया और मैं खुद को छुड़ाने की कोशिश करने लगी। शर्मा ने मुझे लगातार पीटा, जिसके चलते मेरे चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में कई चोटें आईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्हें वह शिकायत मिल गई है और मामले में आगे की जांच जारी है।

भाजपा विधायक रंजना साहू की कार पलटी

गाड़ी के उड़े परखच्चे, अस्पताल में भर्ती

गरियाबंद, 19 मई (एजेंसियां)। धमतरी से भाजपा विधायक रंजना साहू सड़क हादसे का शिकार हो गई हैं। सड़क हादसे में रंजना साहू बाल बाल बची हैं। नेशनल हाइवे 130 सी में झरिया बहारा के पास हादसा हुआ है। साइड देते समय वाहन अनियंत्रित हो गया। जिसकी वजह से गाड़ी पलट गई। मामूली चोटें आई हैं। मैनपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। बिंद्रानवागढ़ विधायक डमरुधर पुजारी के यहां वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रही थी। बताया जा रहा है कि भाजपा विधायक रंजना साहू की कार पलट गई। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती किया गया।

इन 4 राज्यों में तेजी से फैल रहा लंपी वायरस

चपेट में आए 10 हजार मवेशी, केंद्र का वैक्सीनेशन बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। पशुओं में लंपी वायरस एक बार फिर तेजी के साथ बढ़ने लगा है। मई माह में ही यानी दो सप्ताह के भीतर ही इसके करीब 10 हजार मामले रिकॉर्ड किए गए हैं। यह सभी मामले खासकर महाराष्ट्र, उत्तराखंड, कर्नाटक और सिक्किम राज्यों से सामने आए हैं। इन मामलों को लेकर केंद्र सरकार भी पूरी तरह से अलर्ट है। हाल में सामने आए ताजा मामलों को लेकर केंद्रीय पशुपालन मंत्रालय ने राज्यों के साथ रिव्यू मीटिंग भी की है और पाया कि दो सप्ताह के दौरान लंपी स्किन बीमारी के मामले तेजी से बढ़े हैं। बावजूद इसके स्थिति नियंत्रण में है। मंत्रालय ने सलाह दी है कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। इसके लिए वैक्सीनेशन बढ़ाने का आग्रह किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्यों के साथ मीटिंग करने के बाद पशुपालन मंत्रालय के अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने कहा कि संक्रमण उतना संक्रामक नहीं है जितना पिछले साल था। पशुपालन आयुक्त अभिजीत मित्रा ने बताया कि पिछले साल वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया था। इसका बड़ा असर देखने को मिल रहा है। पिछले साल के मुकाबले वैक्सीनेशन के जरिए दी गई सुरक्षा से मामले कम रिकॉर्ड किए गए हैं। उत्तराखंड में करीब-करीब सभी मामले नए हैं, लेकिन कर्नाटक और महाराष्ट्र में कुछ मामले मई से पहले सामने आए थे। मंत्रालय ने मीटिंग के दौरान राज्यों से वैक्सीनेशन ड्राइव को तेज करने को सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। अब तक लगभग 9 करोड़ मवेशियों का टीकाकरण किया जा चुका है और ठीक होने की दर 94% से ऊपर है। केंद्र ने मार्च में सर्कुलर जारी कर मानसून से पहले टीकाकरण तेज करने को कहा था। डॉ। मित्रा ने कहा कि टीकों ने जानवरों को इस बीमारी की चपेट में आने से सुरक्षित किया है। मंत्रालय का कहना है कि वैक्सीनेशन के बिना संक्रमण के बहुत अधिक तेजी के साथ फैलने और ज्यादा संक्रामक होने की प्रबल आशंका रहती।

प्रभावित राज्यों के पास टीकों का पर्याप्त भंडार

क्षेत्रीय पशुपालन निदेशक विजय तेवतिया ने बताया कि करीब 3 सप्ताह पहले शुरू हुई महामारी की इस लहर में करीब 10 हजार से ज्यादा मवेशी संक्रमित हो चुके हैं। लेकिन कोई बड़ी समस्या नहीं है। यह सभी मामले उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र और सिक्किम राज्यों से दर्ज किए गए हैं। अभी तक राजस्थान से किसी मामले की पुष्टि नहीं हुई है। सभी राज्यों में टीकाकरण अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यों के पास टीकों का पर्याप्त भंडार है।

केंद्रीय टीम कर रही राज्यों का दौरा

उन्होंने कहा कि संक्रमण की गंभीरता पिछले साल की तुलना में कम थी क्योंकि मवेशियों में अब कठोर प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो गई है। राज्य भी उपचार और निगरानी पर केंद्रीय दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों को किए जाने वाले उपायों के बारे में सूचित भी कर दिया गया है। एक केंद्रीय टीम ने महाराष्ट्र का दौरा भी किया है और दूसरी टीम स्थिति की निगरानी के लिए जल्द ही उत्तराखंड और कर्नाटक का दौरा करेगी।

मॉनसून में वेक्टर रोग ज्यादा फैलते हैं, सावधानी की जरूरत

डॉ.तेवतिया ने कहा कि केंद्र ने राज्यों से भी सावधानी बरतने को कहा है क्योंकि मॉनसून के दौरान वेक्टर रोग फैलते हैं। टीकाकरण के अलावा, केंद्र ने राज्यों को बीमारियों के प्रसार से बचने के लिए जोखिम वाले क्षेत्रों में फॉगिंग और कीटाणुशोधन अभियान चलाने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सब कुछ नियंत्रण में है।

'पैगंबर मुहम्मद ने कहा था', बहुविवाह पर हिमंत सरमा बोले- किसी से भी बहस के लिए तैयार

गुवाहाटी, 19 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मुस्लिमों के बीच प्रचलित बहुविवाह की परंपरा को लेकर एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि मुस्लिम धर्मावलंबियों के मुताबिक बहुविवाह (पॉलीगेमी) का साधारण सा उद्देश्य है कि मुस्लिम मां-बहनों के साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों की तरह व्यवहार न हो। उन्होंने कहा कि बहुविवाह फिलहाल मुस्लिमों के बीच कानूनी है। अगर कोई हिंदू बहुविवाह करता है तो यह गलत है। इस दौरान उन्होंने ये भी इशारा किया कि अगस्त या सितंबर तक असम सरकार बहुविवाह के खिलाफ कोई कानून ला सकती है। हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि अगर कोई हिंदू महिला या हिंदू पुरुष एक ही शादी करेगा तो मुस्लिम युवक का तीन-तीन चार-चार शादी करना क्यों जरुरी है? उन्होंने कहा कि ये धार्मिक विश्वास की बात नहीं है।

बागेश्वर बाबा को सूरत के हीरा व्यापारी की चुनौती

कहा- पैकेट में रखे हीरे की संख्या बता पाएंगे ?

सूरत, 19 मई (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री कुछ ही दिनों में गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और राजकोट में दिव्य दरबार लगाने जा रहे हैं। उनके इसी दौरे के चलते दिव्य दरबार का विरोध देखा जा रहा है। इसको देखते हुए सूरत के हीरा कारोबारी ने बाबा को चुनौती भी दे डाली है। हीरा व्यापारी ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर मुझे उनके दिव्य दरबार में आमंत्रित किया जाए तो मैं पॉलिश किए हुए हीरों का एक पैकेट ले जाऊंगा और अगर वह मुझे बताएंगे कि इसमें कितने पॉलिश किए हुए हीरे हैं, तो मैं हीरों का वह पैकेट उनके चरणों में अर्पित करूंगा और उनकी दैवीय शक्ति को स्वीकार करूंगा।

बागेश्वर सरकार के दरबार का करेंगे विरोध

व्यापारी ने कहा कि 22 तारीख से वे गुजरात में धीरेंद्र शास्त्री के दिव्य दरबार का विरोध करने जा रहे हैं। बागेश्वर सरकार उर्फ धीरेंद्र शास्त्री का दिव्य दरबार 26 व 27 मई को सूरत में होने वाला है। व्यापारी ने कहा कि इस दरबार में चमत्कार, अंधविश्वास और उनकी दैवीय शक्ति के बारे में बताया जाता है, जिसका वो खुलकर विरोध करेंगे। व्यापारी ने कहा कि इतने लोग उनके दिव्य दरबार में आ रहे हैं तो सरकार भी उन्हें प्रोत्साहित कर रही है, लेकिन हम सरकार को पत्र लिखने जा रहे हैं। व्यापारी ने कहा कि हम प्रत्येक जिले में कलेक्टर को आवेदन देकर सूरत, अहमदाबाद और राजकोट में दिव्य दरबार की स्वीकृति को रद्द करने का आवेदन देंगे।

लोग नहीं करेंगे स्वीकार

उन्होंने आगे कहा कि गुजरात के लोगों ने ऐसे अंधविश्वासों और दैवीय चमत्कारों को न कभी स्वीकार किया है और न कभी मानेंगे। ऐसे कई बाबा गुजरात आए। पहले धबूड़ी मां के नाम की भी चर्चा होती थी, लेकिन आज गुजरात की जनता ने उनकी निंदा की है। हीरा व्यापारी ने कहा कि गुजरात के लोग जलाराम और बापा सीताराम जैसे संतों को आदर्श संत मानते हैं, क्योंकि उन्हें ऐसे दिव्य दरबार और ऐसे चमत्कार की कभी जरूरत नहीं पड़ी।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 20 मई- 2023

जानलेवा है कृत्रिम मिठास

बीते कुछ सालों में लोगों की जीवनशैली में जो बदलाव आया है उससे उनका शरीर रोगों का बसेरा बनता जा रहा है। इसी वजह से सेहत के जुडे सवालों को लेकर अनेक प्रकार के अध्ययन होते आ रहे हैं। जब शरीर रोगी काया में बदल जाए तो उसके इलाज में सिर्फ रोग से बचाव और परहेज की ही सलाह दी जाती है, फिर चाहे वह कोई भी चिकित्सा पद्धति हो। ऐसे रोगी को खानपान में बदलाव का भी ज्ञान दिया जाता है। खासकर जब किसी को डायबिटीज यानी मधुमेह या आम बोलचाल की भाषा में शुगर हो जाए तो ऐसे में लालची कंपनियां अपने उत्पादों को विज्ञापनों के जरिए लोकप्रिय कर दावे करते हैं कि उनकी दवा के उपयोग से इस पर कैसे जल्द से जल्द काबू पाया जा सकता है। आजकल सोशल मीडिया ऐसे विज्ञापनों से भरा पडा है। जिसे देखो वही शुगर की दवा परोसने में लगा है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्या खाने-पीने को लेकर तरह-तरह के दावे करते हुए बाजार में उपलब्ध उत्पाद किसी बीमारी को दूर करने में सचमुच कारगर होते हैं? या फिर वे शरीर में कई और जटिलताएं पैदा कर देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ ने मंगलवार को शुगर फ्री जैसे उत्पाद को लेकर जो चेतावनी जारी की है, उससे लोगों को सावधान हो जाने की जरूरत है। मधुमेह के रोगी शुगर फ्री के भ्रम में ऐसी कृत्रिम मिठास का सेवन धडल्ले से करने लगते हैं कि उससे मीठे की जरूरत भी पूरी कर ली और चीनी के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान से भी बच गए। जीवनशैली से जुड़े सेहत के सवालों को लेकर मधुमेह और हृदय रोगों को लेकर विशेष चिंता जताई जाती रही है। इसमें भी सबसे ज्यादा जोर खानपान में परहेज और संतुलन पर दिया जाता रहा है। इसी क्रम में मधुमेह के जोखिम के बीच कृत्रिम मिठास का विकल्प बेहद लोकप्रिय हुआ था क्योंकि कुछ फिल्म अभिनेता भी इस तरह के मिठास का विज्ञापन करने लगे थे। अब डब्लूएचओ ने वजन को नियंत्रित करने या फिर बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आम लोगों तक के इस्तेमाल में आ चुके शुगर फ्री को लेकर चेतावनी जारी की है। डब्लूएचओ के मुताबिक इस नकली मिठास के सेवन से हो रहे नुकसान को लेकर नया सुझाव उपलब्ध सबूतों की समीक्षा के बाद लिया गया है। अध्ययन से पता चला है कि इसके इस्तेमाल से शरीर का वजन कम करने में लंबे समय के दौरान कोई फायदा नहीं मिलता। उल्टे ज्यादा वक्त तक इसके इस्तेमाल से घातक परिणाम आ सकते हैं। मसलन, टाइप-2 मधुमेह, दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है और इसकी वजह से वयस्कों के बीच मृत्यु-दर भी बढ़ सकती है। जाहिर है, जिस चीज का इस्तेमाल करके लोग खुद को सुरक्षित महसूस कर गौरवान्वित हो रहे हैं, वही उनकी सेहत का सत्यानाश करने में लगी है। विडंबना यह है कि एक समय किसी खास वस्तु को जहां सेहत के लिए या किसी रोग से बचाव के मकसद से उपयोगी बताया जाता है, कुछ दिनों बाद उसी को जोखिम से भरा घोषित कर दिया जाता है। ऐसे में एक आम इंसान दुविधा में पड कर सोचता है कि आखिर वह करे तो क्या करे? वह तो बीमारी की हालत में डाक्टरों व उसके सलाहों पर ही निर्भर रहता है। निश्चित रूप से अगर कोई प्रशिक्षित चिकित्सक सभी प्रकार की जांच करके किसी चीज के सेवन या उससे बचने की सलाह देता है तो इसका कोई तो आधार होता ही होगा। अगर किसी उत्पाद को लोकप्रिय प्रचार के जरिए खानपान में कोई चीज शामिल की जाती है, जिसका कोई लाभ नहीं हो, तो संभव है कि उसके दुष्परिणाम से कोई नई बीमारी जकड़ ले। ऐसे में लोगों को फल या अन्य प्राकृतिक रूप से मिठास वाले पदार्थों का विकल्प चुनना चाहिए, जो वास्तव में उसे लाभ पहुंचा सकते हैं। डब्लूएचओ की ओर से गैर-चीनी मिठास के बारे में जारी चेतावनी इस बात का इशारा करती है कि लोग लोकप्रिय प्रचारों के प्रभाव में न आएं, ताकि उनकी सेहत से कोई खिलवाड न कर सके। अपने खानपान के लिए अपने डाक्टर से उचित सलाह लेकर ही उस पर अमल करें तो सेहत में सुधार होता रहेगा।

किरण रिजिजू अपनी ही राजनीति का शिकार तो नहीं?

ऋतुपर्ण दवे

क्या केन्द्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू को उनके बड़बोले पन के चलते हटाया गया? क्या किरण रिजिजू को रिटायर्ड जजों पर उस टिप्पणी के चलते हटाया गया जो एक निजी चैनल के कॉनक्लेव के दौरान कहे थे? क्या रिजिजू यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू को देश भर में लागू कराने में असफल रहे? क्या रिजिजू के बयानों से कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका के बीच नई जंग तो नहीं शुरू होने लगी? ये वो सवाल हैं जो देश के कानून मंत्री रहते हुए किरण रिजिजू को घेरते जा रहे थे। इसकी शुरुआत उस बयान से हुई जो उन्होंने एक निजी चैनल के कॉनक्लेव में कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीश पर उठाते हुए कहा था कि रिटायर्ड जज और एक्टिविस्ट भारत विरोधी गिरोह का हिस्सा बनकर कोशिश कर रहे हैं कि भारतीय न्यायपालिका विपक्ष की भूमिका निभाए। इतना ही नहीं उन्होंने न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित कॉलेजियम प्रणाली की भी जमकर आलोचना की थी और कहा था कि यह कांग्रेस पार्टी के दुस्साहस का परिणाम है। जजों की नियुक्ति में इस प्रणाली को अपारदर्शी बताया तो कभी संविधान से अलग वो प्रणाली बताई जो दुनिया में अकेली है और जजों को अपने चहेतों को नियुक्त करने का मौका देती है। मामला उस समय और सुर्खियों में आ गया जब इसी कॉनक्लेव में भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कॉलेजियम प्रणाली का न केवल बचाव किया बल्कि यहां तक कह दिया कि हर प्रणाली दोष से मुक्त नहीं है। लेकिन कॉलेजियम सबसे अच्छी प्रणाली है जिसे हमने ही विकसित किया है। जिसका उद्देश्य न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा करना है जो एक बुनियादी मूल्य भी है।उनके बयानों को लेकर देश में काफी हो हल्ला मचा था। समर्थन और विरोध में खेमेबाजी भी हुई। कई वकीलों और संगठनों ने कहा कि एक मंत्री का ऐसे बयान देना जो कानून मंत्री भी हो शोभा नहीं देता। एक ओर रिजिजू अपने समर्थन में किए गए

ऐसा लगता है कि किरण रिजिजू अपनी ही राजनीति का शिकार हो गए। भला भारत जैसे देश में कोई सरकार क्यों चाहेगी कि वो बेवजह निशाना बने। सरकार नहीं चाहती थी कि न्यायपालिका के साथ टकराव सार्वजनिक रूप से दिखे।

ट्वीट को रिट्वीट करते रहे जबकि देश के 90 पूर्व नौकरशाहों ने खुली चिट्ठी लिखकर यह तर्क दिया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखने खातिर कोई समझौता नहीं हो सकता। उनके बयानों को संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन बताकर काफी बहस भी हुई। कहा गया कि सरकार की आलोचना न तो राष्ट्र के खिलाफ है और न ही कोई देशद्रोही गतिविधि है। नाराज वकीलों ने सार्वजनिक रूप से अपनी टिप्पणी वापस लेने और आगे ऐसी टिप्पणियों से बचने की सलाह भी दी। वहीं किरण रिजिजू ने यह भी कहा कि देश के बाहर और भीतर भारत विरोधी ताकतें एक ही भाषा का इस्तेमाल करती हैं कि लोकतंत्र खतरे में है। भारत में मानव अधिकारों का अस्तित्व नहीं है। भारत विरोधी समूह जो कहता है वैसी ही भाषा विपक्षी भी बोलते हैं। ये भारत की अच्छी छवि का विरोध है। इसके बाद उन्हें वकीलों ने याद दिलाया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा है कि सरकार से कठिन सवाल पूछे जाने चाहिए और आलोचनाएं भी होनी चाहिए जिससे सरकार सतर्क और उत्तरदायी बनी रहे। यकीनन कानून मंत्री कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक कड़ी होते हैं और उन्हें पद, प्रतिष्ठा का ध्यान रख ऐसी कोई भी सार्वजनिक बात नहीं कहनी चाहिए जिससे लोकतंत्र और सरकार पर उंगली उठे। हालांकि उन्होंने माना कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच कोई टकराव जैसी बात नहीं हैं। लेकिन वहीं न्यायाधीशों की न्यायिक आदेशों के जरिए नियुक्ति को भी गलत ठहराया। रिजिजू इस बात की वकालत करते रहे कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की जिम्मेदारी सरकार के पास होनी चाहिए। एक मौके पर यहां तक कह दिया था कि जब कोई जज बनता है तो उसे चुनाव का सामना नहीं करना पड़ता है। जजों की कोई सार्वजनिक जांच भी नहीं होती। न्यायपालिका में आरक्षण का मुद्दा भी उठाया और सभी जजों और उसमें भी खासकर कॉलेजियम के सदस्यों को याद दिलाया कि पिछड़े समुदायों, महिलाओं और दूसरी श्रेणियों के सदस्यों को प्रतिनिधित्व देने के लिए नामों की सिफारिश करते समय इन्हें भी ध्यान में रखें क्योंकि न्यायपालिका में ऐसे तबके का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। ये सही है कि भारत में जब भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट की बातें होती है तो यह भरोसा रहता है कि अदालत जो कहती है सरकार सुनती ही है। लेकिन जब अदालतों पर ही पलटवार जैसी स्थिति बने तो हैरानी होती है। रिजिजू की मुखरता से तय माना जा रहा था कि सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी हो रहीं हैं। स्थिति उस समय थोड़ी और चर्चित तथा परेशानी वाली हो गई जब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कॉलेजियम प्रणाली के खिलाफ की गई टिप्पणी पर कार्रवाई की मांग की गई जिसमें उपराष्ट्रपति धनखड़ भी चर्चाओं में आए। बीते सोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दायर एक याचिका यह कहते हुए खारिज की कि उसके पास इससे निपटने के लिए व्यापक दृष्टिकोण है। किरण रिजिजू न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को अस्पष्ट और पारदर्शी बताते रहे जबकि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने 1973 के केशवानंद भारती के ऐतिहासिक फैसले पर सवाल उठाए थे जिसने बुनियादी ढांचे का सिद्धांत दिया था। वह बुरी मिसाल कायम की जिससे यह कहना मुश्किल होगा कि हम एक लोकतांत्रिक देश हैं। उनका इशारा किसी प्राधिकरण द्वारा संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति पर सवाल उठाने को लेकर भी था। इसी पर सुप्रीम अदालत ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए न्यायपालिका और कॉलेजियम प्रणाली पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू की टिप्पणी पर राहत देते हुए दोनों के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय में बॉम्बे हाई कोर्ट के 9 फरवरी के उस आदेश को चुनौती खातिर एक याचिका दायर की थी जिसमें याचिका को इसलिए खारिज कर दिया गया था कि यह रिट लागू करने के लिए उपयुक्त मामला नहीं है। माना जा रहा है कि कई कारणों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किरण रिजिजू से नाराज थे। खासकर पूरे देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने पर प्रधानमंत्री की गंभीरता से वे बेफिक्र थे जबकि भाजपा शासित राज्यों में लागू हो रहा था। वहीं एक बड़ा कारण न्यायपालिका और कानून मंत्री के बीच का वो चर्चित सार्वजनिक टकराव भी रहा जिससे उनके न्यायपालिका पर दिए बयानों से सरकार नाराज थी। ऐसा लगता है कि किरण रिजिजू अपनी ही राजनीति का शिकार हो गए। भला भारत जैसे देश में कोई सरकार क्यों चाहेगी कि वो बेवजह निशाना बने। सरकार नहीं चाहती थी कि न्यायपालिका के साथ टकराव सार्वजनिक रूप से दिखे। कर्नाटक चुनाव के चलते रिजिजू को थोड़ा जीवन दान जरूर मिला था जो कि चुनाव निपटते असर कर गया। अब उन्हें भू-विज्ञान मंत्रालय मिला है। जबकि कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी स्वतंत्र प्रभार के रूप में अर्जुन राम मेघवाल को सौंपी गई है। यह राजस्थान विधानसभा चुनाव के चलते भी अहम है। शायद इसे ही कहते हैं एक तीर से दो निशाने!

सिद्धारमैया मोबाइल नहीं रखते

75 साल के सिद्धारमैया कर्नाटक में नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं। वे पहले भी 2013 से 2018 के बीच राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। सिद्धारमैया के यहां तक पहुंचने की कहानी संघर्ष भरी और रोचक है। किसान परिवार में जन्मे सिद्धारमैया ने मैसूर विश्वविद्यालय से बीएससी और वकालत की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों से ही बोलने की शैली के लिए प्रसिद्ध होने लगे थे। उनकी यही प्रतिभा देखकर वरिष्ठ वकील ननजुडा स्वामी ने उन्हें मैसूर तालुका से चुनाव लड़ने की सलाह दी और वे जीत गए। साल 1983 में भारतीय लोक दल पार्टी से पहला विधानसभा चुनाव लड़ा और विधायक बने। इस जीत ने सभी को चौंका दिया, क्योंकि उनकी कोई खास राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी और वे तब सिर्फ 36 साल के थे। 1985 में यानी सिर्फ 38 साल की उम्र में ही उन्हें मंत्री पद भी मिल गया। लेकिन 1989 में वे विधानसभा चुनाव हार गए। तेजी से वापसी करते हुए 1996 में जनता दल में रहते हुए उप मुख्यमंत्री बने। इसके बाद 2004 में जेडीएस और कांग्रेस की सरकार में फिर उपमुख्यमंत्री रहे। बाद में जेडीएस प्रमुख एचडी देवगौड़ा से मतभेद हो गया तो उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। उन्होंने खुद की पार्टी बनाने के बारे में विचार किया, लेकिन 2008 में कांग्रेस में शामिल हो गए। 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहे। सिद्धारमैया ने राजनीतिक करिअर में विधानसभा के 12 चुनाव लड़े हैं, जिसमें से उनको 9 में जीत हासिल हुई है। कई साल सिद्धारमैया ने एक जूनियर वकील के रूप में भी काम किया। छात्र जीवन में सिद्धारमैया डॉ. राम मनोहर लोहिया के समाजवाद से प्रभावित थे। राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें नास्तिक भी कहा। जिस पर उन्हें खुद सफाई देनी पड़ी। उन्होंने कहा मैं नास्तिक नहीं हूं। मैं धार्मिक परंपराओं और अनुष्ठानों के पालन में भरोसा करता हूं। मैं तिरुपति और माले महादेश्वर बेट्टा भी गया हूं। लेकिन मैं भगवान की तलाश में हिमालय नहीं जाता। मैं हर चीज को वैज्ञानिक और धार्मिक नजरिए से देखता हूं। कुछ लोग मुझे धर्म-विरोधी के रूप में पेश करते हैं। हमेशा पाप कर्मों में लिप्त रहने और त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाने से आपके पाप नहीं धुलेंगे। सिद्धारमैया किसान परिवार से आते हैं। उनके गांव की परंपरा है कि जो परिवार सिद्धरामेश्वर या शिव मंदिर के लिए जमीन की जुताई करता है उसे अपने एक बेटे को मंदिर के वीरा मक्कलू यानी बहादुर बच्चों के रूप में समर्पित करना पड़ता है। इसलिए पिता ने सिद्धारमैया को मंदिर को सौंप दिया था। इसी वजह से सिद्धारमैया दस साल की उम्र तक स्कूल नहीं जा सके। हालांकि, उन्होंने मंदिर में रहकर दो साल तक लोककला सीखी। स्कूल में दाखिला पांचवीं कक्षा में हुआ। उनकी पत्नी का नाम पर्वथी सिद्धारमैया है। राकेश उनके बड़े बेटे थे, जिनकी मृत्यु 39 साल की उम्र में बेल्जियम में मल्टिपल ऑर्गन फेलियर के कारण हो गई थी। छोटे बेटे यतींद्र राजनीति में हैं। विवादों के चलते भी सिद्धारमैया खबरों में आ जाते हैं। उनकी सरकार ने 2018 के विधानसभा चुनावों से पहले लिंगायतों और वीरशैवों को धार्मिक अल्पसंख्यक का दर्जा देने की सिफारिश करने का विवादास्पद निर्णय लिया था। बाद में उनके इस कदम को ही उनकी पार्टी की विधानसभा चुनाव मे हार के कारणों में से एक माना गया। वहीं भाजपा मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई के खिलाफ बयान ने विवाद खड़ा कर दिया था। उनका कहना था कुछ लिंगायत मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के चलते राज्य को हमेशा बर्बाद कर दिया है।

कर्नाटक में मप्र ,राजस्थान जैसा डर कायम रहेगा

अशोक भाटिया

कांग्रेस ने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री का नाम फाइनल कर ही लिया है। सिद्धारमैया ही कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री होंगे। डीके शिवकुमार को डिप्टी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। लोकसभा चुनाव तक शिवकुमार कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष भी बने रहेंगे। 20 मई को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

थोडा सा हम 6 दिनों से चल रहा घटनाक्रम पर ध्यान दे तो 13 मई को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे आए। कांग्रेस ने 135 सीटों पर जीत हासिल की। 14 मई को कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। इसमें पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से भेजे गए तीन पर्यवेक्षक भी मौजूद थे। बताया जाता है कि बड़ी संख्या में विधायकों ने इसी बैठक में सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपना समर्थन दे दिया था। हालांकि, बैठक में एक लाइन में प्रस्ताव पास कराया गया कि मुख्यमंत्री पर फैसला मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे। 15 मई को तीनों पर्यवेक्षक दिल्ली पहुंचे और उन्होंने अपनी रिपोर्ट खरगे को दी। पार्टी ने उसी दिन डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया। सिद्धारमैया दोपहर तक पहुंच गए, लेकिन डीके शिवकुमार जन्मदिन होने की वजह से दिल्ली नहीं पहुंचे। अगले दिन यानी 16 मई को डीके शिवकुमार भी दिल्ली पहुंचे। इसी दिन खरगे के आवास पर कांग्रेस के बड़े नेताओं की बैठक हुई। राहुल गांधी भी इसमें शामिल हुए। इसके बाद खरगे और राहुल ने अलग-अलग शिवकुमार और सिद्धारमैया से बात की, लेकिन कुछ बात नहीं बनी।

17 मई का दिन सबके लिए काफी अहम रहा। इस दिन कई राउंड की बैठकें हुईं। राहुल गांधी ने अपने आवास पर केंद्रीय पर्यवेक्षक भंवर जितेंद्र सिंह, केसी वेणुगोपाल, सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। वहीं, कर्नाटक कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और बाद में केंद्रीय पर्यवेक्षक सुशील शिंदे के साथ मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक की। खरगे ने फोन पर सोनिया गांधी से बात की। बाद में सोनिया ने डीके शिवकुमार को खरगे और राहुल से मिलने के लिए कहा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राहुल ने सोनिया गांधी से बात भी कराई। इसके बाद डीके शिवकुमार उप-मुख्यमंत्री पद के लिए मान गए। साथ में उन्हें अध्यक्ष पद पर बने रहने को भी कहा गया। 18 मई की दोपहर 12:30 बजे कांग्रेस ने सिद्धारमैया को सीएम, डीके शिवकुमार को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाने का आधिकारिक एलान कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया को अभी दो साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। इसके बाद कर्नाटक की कमान डीके शिवकुमार को दे दी जाएगी। लेकिन इस बीच पावर क्लैश होना आम होगा। सिद्धारमैया नहीं चाहेंगे कि उनपर डीके शिवकुमार किसी भी तरह से भारी पड़ें और शिवकुमार सिद्धारमैया को खुद से आगे जाने नहीं देना चाहेंगे। ऐसे में इन दो साल के अंदर खुलकर जंग हो सकती है। इसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। अगर ये जंग अभी से शुरू हो गई तो आने वाले लोकसभा चुनाव पर इसका भारी असर पड़ सकता है।

कर्नाटक में जिस तरह से मुख्यमंत्री पद को लेकर लंबी माथापच्ची के बाद सिद्धारमैया पर मुहर लगी, उसे लेकर कई तरह की चर्चा शुरू हो गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि पार्टी ने डीके शिवकुमार को कर्नाटक कांग्रेस की जिम्मेदारी थी। उन्हें कई मौकों पर पार्टी के 'संकटमोचक' के तौर पाया गया। फिर जब कर्नाटक पीसीसी चीफ की जिम्मेदारी मिली तो उन्होंने इसे भी बखूबी निभाया। पार्टी ने उनके नेतृत्व में शानदार जीत दर्ज की। इसके बाद ये माना जा रहा था कि आलाकमान उन्हें ही मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी देगा। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ।

कांग्रेस में सिर्फ मुख्यमंत्री और डिप्टी मुख्यमंत्री के लिए नहीं, बल्कि मंत्रिपद के लिए भी जोर आजमाइश होगी। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ही गुट के विधायक खुद को मंत्री पद पर देखना चाहेंगे। उधर, दिग्गज नेता और पूर्व डिप्टी मुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने भी अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है। उन्होंने सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और शिवकुमार को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद कहा कि इससे दलित समुदाय आहत हुआ है। कर्नाटक में दलित मुख्यमंत्री की डिमांड ज्यादा थी। मैं भी सरकार चला सकता था। अगर मुख्यमंत्री नहीं तो कम से कम मुझे डिप्टी मुख्यमंत्री ही बना देते।

कई दौर की बैठक के बाद सिद्धारमैया ने बाजी मार ली। बुधवार को राहुल गांधी के साथ सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की मुलाकात हुई। इसके बाद देर रात सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाने का ऐलान हुआ। इस सियासी घटनाक्रम के बाद गुरुवार शाम बेगलुरु में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। जिसमें आगे की रणनीति पर फैसला होगा। वहीं नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण 20 मई को बेंगलुरु में होगा। जिसके लिए पार्टी ने तैयारी तेज कर दी है। डीके शिवकुमार खेमे का इस फैसले के बाद क्या रुख होगा? इन सभी चुनौतियों पर आने वाले दिनों में कांग्रेस नेतृत्व को नजर रखनी होगी।

आगे क्या होगा इसे समझने के लिए हमने कुछ राजनीतिक विश्लेषको से बात की। उन्होंने कहा, 'अगर समय रहते पार्टी के अंदर का विवाद सुलझ जाता है तो ठीक है, नहीं तो इसका असर आने वाले लोकसभा चुनाव पर जरूर पड़ेगा। समय-समय पर दोनों के बीच विवाद होना लाजिम है। इसका सीधा फायदा भाजपा उठाने की कोशिश करेगी। दो साल बाद अगर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की लड़ाई बढ़ जाती है तो पार्टी में फूट भी पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में भी कांग्रेस को नुकसान होगा।'

हालांकि, कांग्रेस आलाकमान के इस फैसले ने 2018 राजस्थान चुनाव नतीजों के बाद की कहानी याद दिला दी। जब पार्टी आलाकमान ने सचिन पायलट के नेतृत्व में विधानसभा का चुनाव जीता। उस समय पायलट ही राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष थे। हालांकि, जब मुख्यमंत्री बनाने पर चर्चा हुई तो पार्टी नेतृत्व ने अशोक गहलोत को ये जिम्मेदारी सौंप दी। जिसके बाद से लगातार राजस्थान कांग्रेस में घमासान देखने को मिला।दरअसल उस समय सचिन पायलट ने राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी की शानदार वापसी कराई थी। लगभग सभी को लग रहा था कि पायलट ही मुख्यमंत्री बनेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि गहलोत उस समय पार्टी संगठन से जुड़े हुए थे और दिल्ली में मोर्चा संभाल रखा था। हालांकि, चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस आलाकमान ने कई दौर की चर्चा के बाद अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला लिया। सचिन पायलट को डिप्टी मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई।

कुछ तो कीजिए

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कन्वर्टर मतलब बदलने वाला। बदलना भी दो तरीकों से होता है। पहला या तो छोटी रेखा के आगे बड़ी रेखा खींच दो। या फिर बड़ी रेखा को इतना मिटा दो कि वह छोटी रेखा से भी छोटी दिखने लगे। पहले वाले तरीके में सृजन करना पड़ाता है जो कि बड़ी मेहनत का काम है। दूसरे तरीके में मिटाना पड़ता है। जो कि बड़ा आसान है। पहले हमारे साधु जन अपने गेरुवाई चोले में अपनी गुरुवाई रखते थे। आज के साधु ऊपर से गेरुवाई और अंदर से अलग-अलग दल बदलने के गेयर रखते हैं, कब जाने कौनसा गेयर बदलना पड़ जाए। पहले के गुरु कन्वर्टर का काम करते थे। शैतान को इंसान बनाने में जीवन खपा देते थे। आज के गुरु इन्वर्टर की तरह है। शैतान बन चुके समाज कहीं इंसान न घुस आए इसके लिए आए दिन कुछ न कुछ अजीबोगरीब प्रवाच का उवाच अबाध रूप से उंडेलते रहते हैं। चंचलता मन का लक्षण है। इसलिए मन की बात चंचलता की पराकाष्ठा होती है। आज के युग में यंत्रों का इस्तेमाल अधिक हो रहा है, चूंकि इसमें मन नहीं होता इसलिए यह मन की बात छोड़ सभी काम करता है। या यूँ कहें कि यह सिर्फ और सिर्फ काम करता है। इसे कहते हैं बदलाव। इसी तरह का एक बदलाव हमारे गोबर गणेश ने कर दिखाया। उनके पेट में गजब की गैस भरी रहती है। जब चाहा जैसे चाहा फलां को सुंघा दी। यदि कोई उनसे उनके गैस रिसाव के बारे में कुछ कह देता तो वे झाड़ने लगते – पेट में गैस रहने और रखने में बड़ा फर्क है। रहना मजबूरी है, जबकि रखना व्यापार। एक आदमी कितनी गैस बना पाएगा ये इस बात पर डिपेंड करता है कि उसे किस बात पर कितनी गैस बनती है। आम आदमी खुद इतना हल्का होता है कि उसमें और गैस में कोई फर्क ही नहीं रहता। एक फुर्सतिया जिसकी न्यूज़ चैनलों पर धार्मिक डिबेट देखकर गैस बनती है उसका सिलेंडर एक घंटे में भर जाता है। जिनको क्रिकेट मैच देखकर सट्टा लगाने से गैस बनती है उनका सिलेंडर भी मैच वाले दिन ही भर जाता है। और जो लोग इनमें से कोई काम नहीं करते उनके पेट में गैस बनाने के लिए हम उन्हें सस्ते रेट पर मूली के परांठे और छोले भटूरे खिलाएंगे। आखिर में गोबर गणेश ने अपने वाट्सप यूनिवर्सिटी ऑफ लल्लनगंज की रिसर्च का हवाला देते हुए बताया कि आंकड़े बताते हैं कि मूली के दो परांठे खाने के बाद आम आदमी रसोई गैस के तीन सिलेंडर भर सकता है। सिलेंडर भरने के बाद वो उस पर भी मूली के परांठे बनाकर खा ले, तो दस और लोगो को सिलेंडर भरके दे सकता है।

शिक्षा के पावन स्थलों पर दरिंदगी!

मनोज कुमार अग्रवाल

दरिंदों ने शिक्षा के पावन स्थलों को भी नहीं बख्शा यहां भी मासूम छात्राओं के साथ दरिंदगी कर शिक्षा महकमे की इज्जत को तार तार कर दिया। इस से भी शर्मनाक बात यह है कि ये बेहद शर्मसार करने वाले मामले उस उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों से सामने निकल कर आ रहे हैं जिस उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार के लाख दावे पेश किए जाते हैं जहां सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देती है यदि स्कूलों की चारदीवारी में खुद अध्यापक मासूम नाबालिग बच्चियों की अस्मत से खिलवाड़ करेंगे तो कौन अभिभावक अपनी बेटियों को स्कूल भेजने की हिम्मत जुटाएगा? यूपी में शाहजहांपुर और आगरा जनपद के दो अलग अलग सरकारी जूनियर स्कूल से ऐसे ही सनसनीखेज मामला सामने आया है। शाहजहांपुर के स्कूल में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर पर 15 छात्राओं के साथ यौन शोषण करने का आरोप लगा है। यह तथ्य भी सामने आया है कि स्कूल की ही एक महिला टीचर इस घिनौने हरकत में उसका साथ देती थी। इन दोनों आरोपियों की पहचान मोहम्मद अली और साजिया के रूप में हुई है। मामला सामने आने से शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

दरअसल ये मामला शाहजहांपुर जिले के तिलहर थाना क्षेत्र के एक पूर्व माध्यमिक विद्यालय का है यहां बच्चों ने अपने शिक्षकों को बताया कि स्कूल में पढ़ाने वाला अनुदेशक मोहम्मद अली कई बच्चों के साथ अश्लील हरकतें और यौन शोषण कर चुका है. इसके बाद एक जागरूक शिक्षिका ने इस मामले को गंभीरता से लिया और हिम्मत कर इसकी सूचना ग्रामीणों और पुलिस को दी। मिली जानकारी के मुताबिक दरअसल स्कूल में पढ़ाने वाली एक सहायक अध्यापिका को दो-तीन दिनों से कुछ बच्चियों के व्यवहार में बदलाव दिखा। वह उदास और डरी-सहमी थीं। अध्यापिका ने शुक्रवार को उन्हें प्यार से बुलाकर पूछा तो उन्होंने रोते हुए कंप्यूटर टीचर की सारी करतूत बताई। बच्चियों ने सबसे पहले अपनी अध्यापिका से यौन शोषण के बारे में बताया। इसके बाद अध्यापिका ने जब कंप्यूटर टीचर पर नजर रखी तो उन्होंने भी उसे बैड टच करते पाया। अध्यापिका ने बच्चियों के पैरेंट्स को मामले की सूचना दी। इसके बाद बच्चियों ने भी अपने माता-पिता को बताया। अध्यापिका ने शनिवार को परिजनों को स्कूल बुलाकर आरोपी टीचर मोहम्मद अली को पकड़वाया। सहायक अध्यापिका ने आरोप लगाया कि कंप्यूटर टीचर आए दिन बच्चियों के साथ ऐसी हरकत करता था। शाहजहांपुर से यौन शोषण का ये मामला शनिवार को सामने आया है। जूनियर हाई स्कूल में एक कंप्यूटर टीचर मोहम्मद अली यहां की 15 छात्राओं के साथ बैड टच करता था। उनसे अश्लील हरकतें करता था। ये टीचर स्कूल में 3 साल से तैनात है। मोहम्मद अली का ऐसा ही एक मामला 2021 में भी सामने आया था, लेकिन तब मामले को शांत करा दिया गया था। टीचर बच्चियों के साथ ये काम कब से कर रहा था, इसकी जानकारी अभी नहीं है। पुलिस ने कहा कि तीनों आरोपियों पर एससी-एसटी एक्ट और पोक्सो अधिनियम के तहत धाराएं लगाई गई हैं। तीनों आरोपियों की पहचान कंप्यूटर शिक्षक मोहम्मद अली, सहायक शिक्षिक साजिया और स्कूल प्रिंसिपल अनिल पाठक के रूप में हुई है। शाहजहांपुर के एसएशपी एस आनंद ने बताया कि जिले के तिलहर थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में 18 नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया। एसएसपी ने कहा कि सभी छात्राओं का मेडिकल कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही साथ बाल कल्याण समिति को भी सूचित कर दिया गया है। तिलहर के सीओ प्रियांक जैन ने बताया कि मोहम्मद अली एक कंप्यूटर प्रशिक्षक है, जो क्लास के दौरान नाबालिग लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करता था। जबकि प्रिंसिपल अनिल पाठक और एक अन्य शिक्षिका साजिया उसका समर्थन करते थे। उन्होंने बताया कि ग्राम प्रधान लालता प्रसाद ने सभी आरोपियों के खिलाफ तिलहर थाने में तहरीर दी थी। वहीं लड़कियों में से एक ने अपने माता-पिता को कंप्यूटर शिक्षक की हरकतों के बारे में बताया था। कहा था कि शिक्षक गंदे तरीके से हमें छूता है। इसके बाद पुलिस ने छापा मारा तो स्कूल के शौचालय से यूज्ड कंडोम जैसे आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुए हैं। मामला खुलने और पुलिस की जांच शुरू होने के साथ ही शिक्षा विभाग ने तीनों को निलंबित कर दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कुमार गौरव ने कहा कि कंप्यूटर शिक्षक के खिलाफ विभागीय जांच के लिए प्रक्रिया शुरू की गई है, जो जल्द ही पूरी कर ली जाएगी।

बीच नदी में चट्टान पर बना है गर्जिया देवी का मंदिर

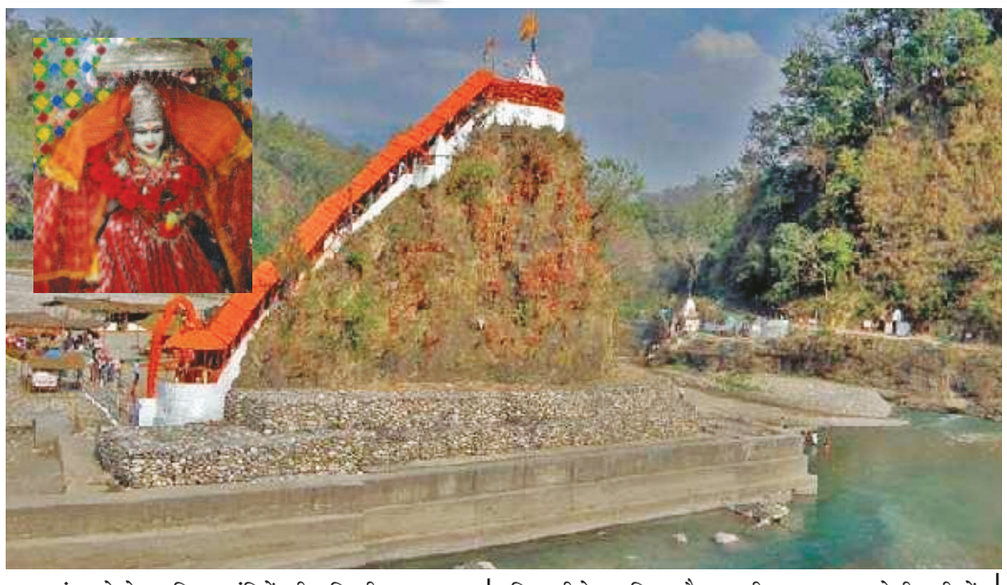

उत्तराखंड को देव भूमि या मंदिरों की भूमि भी कहा जाता है। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में कई मंदिर हैं, जिन पर स्थानीय लोगों की काफी आस्था रही है। एक शक्तिस्थल नैनिताल जिले में भी है। माता गर्जिया देवी या गिरिजा देवी के मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इस मंदिर की परिक्रमा करते हुए खुंखार शेरों के झुंड को भी देखा गया है। आइए आपको गर्जिया देवी मंदिर के बारे में विस्तार से बताते हैं : गिरिराज हिमालय की पुत्री गिरिजा यह मंदिर माता पार्वती यानी गिरिराज हिमालय की पुत्री गिरिजा अथवा गर्जिया को समर्पित है। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में रामनगर से 10 किमी की दूरी पर स्थित यह मंदिर कोसी नदी के बीच में 100 फीट ऊंची चट्टान पर टीले पर अवस्थित है। कहा जाता है कि इस मंदिर का संबंध महाभारत काल से है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार गर्जिया देवी का मंदिर जिस टीले पर स्थित है, वह टीला एक बार कोसी नदी में आयी बाढ़ में बहने लगा था। तब भैरव देव ने टीले को आवाज लगायी और कहा, 'ठहरो बहन ठहरो। हम सबके साथ यहां निवास करो।' इसके बाद गर्जिया देवी कोसी नदी के बीच में ही रुक गयी और वहीं उनका मंदिर बनवाया गया। दर्शन मात्र से होती है मनोकामना पूर्ति गर्जिया देवी हिमालय की पुत्री यानी माता पार्वती का ही एक स्वरूप है। इसी वजह से इस स्थान को शक्तिस्थल कहा जाता है।

मान्यता है कि गर्जिया देवी के दर्शन मात्र से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती है। जो भी भक्त सच्चे मन से यहां आकर गर्जिया देवी से मन्नत मांगता है, उसकी सभी इच्छाएं जरूर पूरी होती हैं। लेकिन स्थानीय मान्यता के अनुसार मन्नत पूरी होने के बाद भक्त का फिर से गर्जिया देवी के धाम में आकर माथा टेकना अनिवार्य है, अन्यथा वह भक्त दंड का भागी बनता है। शेर करते थे परिक्रमा यह मंदिर जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से महज 7-8 किमी की दूरी पर ही स्थित है। कहा जाता है कि एक बार वन विभाग के अधिकारियों ने कई शेरों के एक साथ दहाड़ने की आवाज सुनी थी। जब करीब जाकर देखा गया तो पाया गया कि कई खुंखार शेर एक साथ इस मंदिर की परिक्रमा कर रहे थे। उसके बाद से ही इस स्थान का महत्व काफी ज्यादा बढ़ गया।

गांव के लोगों ने इसके बाद ही मंदिर का निर्माण करवाया। गर्जिया देवी का मंदिर काफी खतरनाक स्थान पर स्थित होने के बावजूद इस मंदिर में भक्तों की कमी नहीं होती है। पूजा करने की परंपरा इस मंदिर का व्यवस्थित तरीके से निर्माण 1970 में करवाया गया था। गर्जिया देवी के मंदिर में पूजा करने आने वाले लोग पहले कोसी नदी में स्नान करते हैं।

इसके बाद 90 सीढ़ियां चढ़कर मंदिर के गर्भगृह तक जाना होता है, जो रास्ता नदी से होकर ही जाता है। इस मंदिर में माता पार्वती के साथ-साथ भगवान गणेश, लक्ष्मी-नारायण और माता सरस्वती के भी दर्शन होते हैं। मंदिर में पूजा करने के बाद भैरव देव जी की पूजा की जाती है। भैरव देव को चावल और उड़द की दाल चढ़ाई जाती है। भैरव देव जी की पूजा के बाद ही गर्जिया माता की पूजा संपन्न मानी जाती है।

कैसे पहुंचे गर्जिया देवी मंदिर गर्जिया देवी का मंदिर नैनीताल से 73 किमी की दूरी पर स्थित है। यह मंदिर रामनगर से 10-13 किमी दूर स्थित है। सड़कमार्ग से गर्जिया देवी का मंदिर रामनगर और नैनीताल दोनों जगहों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। अगर आप ट्रेन से आना चाहते हैं तो गर्जिया देवी मंदिर का नजदीकी रेलवे स्टेशन रामनगर है। गिरिजा देवी के मंदिर में कितनी सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है? गिरिजा देवी या गर्जिया देवी का मंदिर कोसी नदी के बीच में स्थित है। यह मंदिर एक विशालकाय चट्टान पर बना हुआ है। मंदिर में पहुंचने के लिए कुल 90 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है।

मीराबाई ने राजशाही छोड़ अपनाया वैराग्य कैसी थी उनकी कुंडली?

भगवान कृष्ण की अनन्य भक्त मीराबाई के बारे में कौन नहीं जानता।उनकी भक्ति के चर्चे सनातन धर्म में रुचि रखने वाले हर एक व्यक्ति को पता है।मीराबाई के जन्म को लेकर अलग-अलग मत है परंतु सबसे ज्यादा 1504 ईसवी में हुए जन्म के तथ्य को समर्थन प्राप्त है।

मीराबाई का जन्म मेडतिया शाखा के प्रवर्तक रावदूदाजी के बेटे रतन सिंह के घर में हुआ था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, मीराबाई के पिता रतन सिंह धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।वे अपनी बेटी मीराबाई से पूजनीय और जरूरतमंद दोनों तरह के व्यक्तियों को दान करवाते थे, जिसकी वजह से उनके मन में दीन हीन व्यक्तियों के लिए दया का भाव उत्पन्न हो गया था। उनकी माता, भाई और अन्य परिजन भक्ति भाव में लीन रहते थे।

मीराबाई की कुंडली के उस योग के बारे में की वजह से वह राजशाही छोड़ भक्ति भाव में लीन हो गई थीं.

मीराबाई की कुंडली में राजयोग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मीराबाई की कुंडली कर्क लग्न की है, जिसमें लग्नेश चंद्रमा सप्तमेश और अष्टमेश शनि के नक्षत्र में वह राहु के उप नक्षत्र में विराजमान हैं। उनकी कुंडली में चंद्रमा लग्नस्थ हैं, इसके अलावा द्वितीयेश सूर्य, षष्ठेश और भाग्येश बृहस्पति, सप्तमेश व अष्टमेश शनि भी बैठे हैं। धनेश सूर्य लग्न में लग्नेश से युत हैं। धनेश और लग्नेश के साथ भाग्येश में बृहस्पति की युति राजयोग का निर्मित कर रहा है।कर्क राशि में देव गुरु बृहस्पति उच्च के होते हैं। जो लग्न में बैठकर पंचम, सप्तम और भाग्य घर पर पूरी तरह से दृष्टि डाल रहे हैं । चंद्रमा और देव गुरु बृहस्पति की युति से गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। कुंडली में मौजूद ऐसे राजयोग की वजह से मीराबाई का जन्म राजघराने में हुआ इसके अलावा उनका विवाह भी उदयपुर के महाराणा सांगा के पुत्र कुंवर भोजराज के साथ संपन्न हुआ था।

ऐसे मिला वैराग्य- ज्योतिष शास्त्र के जानकार के अनुसार, मीराबाई की कुंडली में बन रहे कई राज योग के बाद भी उनकी कुंडली में चंद्रमा और शनि की युति ने उन्हें वैराग्य दिया था।जिनकी कुंडली कर्क लग्न की होती है, उनमें चंद्रमा लग्नेश और शनि अष्टमेश के होते हैं। अष्टम भाव को गहराई का भाव माना गया है। इसे अनुसंधान का भाव भी कहा जाता है। अष्टम भाव को आयु का घर भी माना जाता है। जब शनि अष्टम भाव के स्वामी होकर लग्नेश के साथ युति बनाते हैं तो व्यक्ति को सत्य का दर्शन करा देते हैं।इसी तरह मीराबाई की कुंडली में चंद्रमा लग्नेश, सूर्य धनेश और देव गुरु बृहस्पति भाग्येश और अष्टमेश शनि का चतुर्ग्रही योग स्वयं शनि जो कि अष्टमेश व मार्केश के नक्षत्र में निर्मित हुआ।ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मीराबाई की कुंडली में सबसे अधिक शनि ग्रह का प्रभाव देखने को मिला।शनिदेव को वैराग्य का कारक माना जाता है, जिन्होंने धर्म के कारक भाग्येश देव गुरु बृहस्पति के साथ मिलकर लग्नेश चंद्रमा को पूरी तरह से अपने प्रभाव में ले लिया। एक बार मीराबाई ने बचपन में एक बारात देख कर अपनी मां से पूछा कि मेरा दूल्हा कहां है? इसके जवाब में उन्होंने भगवान कृष्ण की तरफ इशारा किया और कहा कि वे तुम्हारे दूल्हे हैं। तभी से मीरा के बाल मन में उनकी छवि बन गई और उन्होंने भगवान कृष्ण को अपना पति मान कर उनकी सेवा करना शुरु कर दिया। शनि देव सप्तमेश में अपने ही नक्षत्र और व्ययेश बुध के उप नक्षत्र में विराजमान हैं। शनि लग्न में लग्नेश चंद्र से युत है। जिसके कारण मीराबाई ने कभी भोजराज को अपना पति स्वीकार नहीं किया, लेकिन दोनों के मन में एक दूसरे के प्रति आदर सम्मान और मित्रता थी। लग्नेश चंद्र शनि के नक्षत्र में और अष्टमस्थ राहु के उपनक्षत्र में बैठे होने की वजह से मीराबाई को भौतिक सुख सुविधा ना मिलते हुए वैराग्य की प्राप्ति हुई.

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन जातक की कुंडली कर्क लग्न की हो और अष्टमेश शनि सप्तम में या लग्न में हो तो इसे वैधव्य सूचक माना जाता है।यही कारण था कि विवाह के कुछ समय बाद ही भोजराज की युद्ध में घायल होने मृत्यु हो गई। जब मीराबाई से परंपरानुसार सती होने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा कि जगत को जीवनदान करने वाले मेरे पति गिरधारी की मृत्यु असंभव है। जब भोजराज की मृत्यु हुई तो मीराबाई को साधना करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिसके कारण उन्होंने राजमहल छोड़ दिया। उनकी कुंडली में धनेश सूर्य अपने से द्वादश भाव में लग्न में विराजमान हैं।इसके अलावा सुख देने वाले शुक्र ग्रह जो कि लाभेश भी हैं बारहवें भाव में अष्टम भाव में स्थित राहु के नक्षत्र में और अपने ही उपनक्षत्र में विराजमान है।

मीराबाई के ज्यादातर ग्रह सप्तमेश शनि के नक्षत्र में या नक्षत्र में विराजमान उन ग्रहों के उपनक्षत्र बैठे हैं।अष्टम भाव छिद्र भाव भी कहलाता हैं और अष्टम भाव नवम का द्वादश अर्थात व्यय भाव भी माना जाता है। इन्हीं ग्रह नक्षत्रों के कारण मीराबाई ने राजसी वैभव और संपन्नता त्याद दी थी।पंचम भाव ज्ञान, बुद्धि और मन का घर माना जाता है। मंगल पंचमेश षडबल में सबसे अधिक शक्तिशाली है और सूर्य के नक्षत्र में, चंद्रमा के उपनक्षत्र में है। मंगल की दृष्टि दूसरे भाव से पांचवें भाव, आठवें भाव और नवें भाव पर पूरी तरह से बनी है। मंगल ही कर्मेश भी हैं। सूर्य पृथकतावादी ग्रह है। शनि, देव गुरु बृहस्पति और चंद्र सूर्य के प्रभाव से अस्त हैं। मंगल के बाद सूर्य षड्बल में शक्तिशाली है। सूर्य के पृथकतावादी स्वभाव के कारण भी मीरा बाई को भौतिक संसार का मोह नहीं था।

दक्षिण दिशा में भूलकर भी न करें यह काम, होता है आर्थिक नुकसान

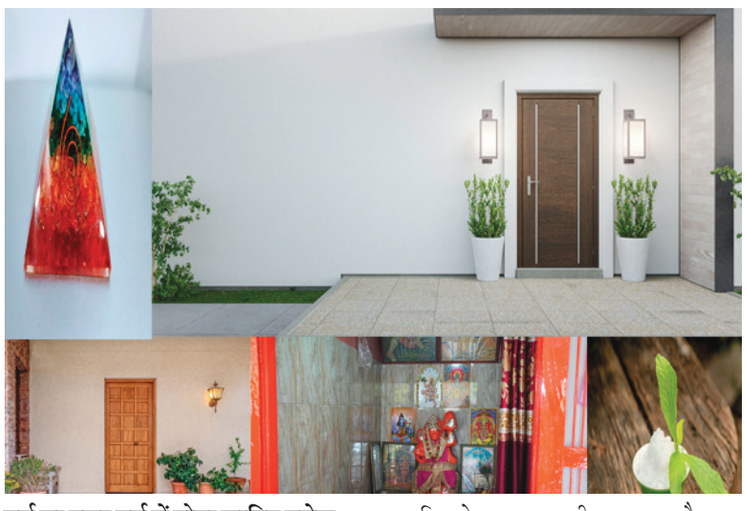

पूर्व या उत्तर पूर्व में होना चाहिए प्रवेश द्वार- आपके घर का प्रवेश द्वार हमेशा उत्तर पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए। इसे दक्षिण पूर्व में रखना आखिरी चीज है जो आप चाहते हैं। लेकिन अगर आपके पास ऐसा है तो प्रवेश द्वार पर तीन वास्तु पिरामिड बनाने से अशुभ प्रभाव कम होता है। आपके घर का गलत चेहरा आपके परिवार के सदस्यों के दुर्भाग्य और अस्वस्थता का एक प्रमुख कारण है। अपने घर के मुख्य द्वार पर ॐ, त्रिशूल और स्वास्तिक को एक साथ मिलाकर लगाएं। यह त्रिमूर्ति कुछ हद तक बुरी ऊर्जा को आपके घर में प्रवेश करने से रोकेगी।

मृत पूर्वजों की दिशा मानी जाती है- घर और परिवार में सुख शांति और आध्यात्मिक वातावरण रहे इसके लिए हर घर में एक पूजा घर बनाया जाता है। वास्तु शास्त्रियों का कहना है कि घर का पूजा घर भूलकर भी कभी दक्षिण दिशा में नहीं बनाया जाना चाहिए, क्योंकि यह दिशा मृत पूर्वजों की दिशा होती है। घर का मंदिर दक्षिण दिशा में होने से आर्थिक स्थिति खराब रहती है।

पितरों का होता है अपमान- जिस तरह से हर घर में एक पूजा घर होता है उसी तरह से हर घर में एक कमरा ऐसा होता है जहाँ हम वस्तुओं का संग्रह करते हैं, जिसे हम स्टोर रूम कहते हैं। वास्तु शास्त्रियों का कहना है कि घर के दक्षिण दिशा में कभी भी स्टोर रूम नहीं होना चाहिए। इस दिशा में स्टोर रूम होने से पितरों का अपमान होता है, जिससे घर का वातावरण हमेशा तनाव व कलेश भरा रहता है। घर का हर सदस्य परेशानियों से घिरा नजर आता है।

बैडरूम- बैडरूम घर का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग होता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार घर का मुख्य बैडरूम हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। दक्षिण दिशा में घर का बैडरूम होने से नींद में व्यवधान होता है, जिसके चलते व्यक्ति की नींद पूरी नहीं हो पाती है और व्यक्ति बीमारियों का शिकार होता है। इसके अतिरिक्त यह पितृ दोष का कारण भी बन सकता है।

शू रैक- वास्तुशास्त्रियों के अनुसार घर की दक्षिण दिशा में जूते-चप्पल नहीं रखने चाहिए। इस दिशा में जूते-चप्पल रखने से जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है और घर के विनाश का कारण बनती हैं। जूते-चप्पलों के लिए हमेशा एक शू रैक बनवा कर उत्तर दिशा की ओर रखनी चाहिए।

सम्भव हो तो रसोई घर को पूर्व दिशा में बनाए- घर की दक्षिण दिशा में किचन या गैस स्टोव या चूल्हा नहीं होना चाहिए। इस दिशा में किचन होने से जीवन में परेशानियाँ आती हैं। विशेष रूप से घर के सदस्यों को स्वास्थ्य समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। वास्तुशास्त्रियों का कहना है कि इस दिशा में किचन होने से जिन्दगी भर हमें इस परेशानी से गुजरना पड़ता है।

बाथरूम- दिशाओं के जानकारों के अनुसार दक्षिण दिशा में अग्नि तत्व होता है। इसी के चलते घर के बाथरूम को कभी भी दक्षिण दिशा में नहीं बनवाना चाहिए। बाथरूम में पानी बहता है जो कि अग्नि तत्व को समाप्त करता है, इससे घर का विनाश होता है। वास्तु पिरामिड आपकी वास्तु संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए एक बहुत ही उपयोगी वस्तु है। यदि आपका बाथरूम आपके घर के दक्षिण-पूर्वी कोने पर है, तो यह आपके धन को खत्म कर देगा और सफलता को आपके जीवन में आने से रोक देगा। आपके बाथरूम में एक वास्तु पिरामिड आपके घर में ऊर्जा को संतुलित करने के लिए बहुत मददगार होगा।

वाशिंग मशीन इत्यादि- घर की दक्षिण दिशा को कभी भी कपड़े धोने का स्थान नहीं बनाना चाहिए। दक्षिण दिशा में वाशिंग मशीन, किसी भी प्रकार का मशीनरी सामान नहीं रखना चाहिए। दक्षिण दिशा में मशीनरी रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा का विनाश होता है और नकारात्मक ऊर्जा का वर्चस्व होने लगता है।

इन दिशाओं की ओर बैठकर न करें भोजन होती है दरिद्रता की प्राप्ति

दक्षिण दिशा की ओर मुँह करके नहीं करना चाहिए भोजन

भोजन के वक्त दिशा का जरूर ध्यान रखें नहीं तो इससे स्वास्थ बिगड़ सकता है। वास्तु नियम के अनुसार दक्षिण दिशा में मुंह करके भोजन नहीं करना चाहिए। दक्षिण दिशा को यम की दिशा माना जाता है। इस दिशा में भोजन करने से आयु घटती है। वहीं पश्चिमी दिशा में मुंह करके भोजन करने से गंभीर रोग घेर लेते हैं।

बिस्तर पर बैठकर न करें भोजन

कभी भी बिस्तर पर बैठकर खाना नहीं खाना चाहिए। इससे घर में लक्ष्मी का अभाव होता है। व्यक्ति पर खर्च और कर्ज बढ़ जाता है।

उत्तर व पूर्व दिशा में बैठकर करें भोजन

प्राङ्मुखोदङ्मुखो वापि व वसिष्ठ स्मृति में प्राङ्मुखन्नानि भुञ्जीत - इसका अर्थ है उत्तर और पूर्व दिशा में बैठकर भोजन करना अति उत्तम होता है। यह दोनों दिशाएँ देव दिशा मानी जाती हैं। इस दिशा की ओर मुंह करके भोजन करने से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है। व्यक्ति के तनाव खत्म होते हैं। पूर्व दिशा की ओर मुंह करके भोजन करने से पाचन शक्ति अच्छी रहती है। बीमारियों से छुटकारा मिलता है।

मिट्टी के बर्तनों का करें उपयोग

शास्त्रों में मिट्टी का बर्तन बहुत पवित्र माना गया है। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने और खाने से पूरे 100 प्रतिशत पोषक तत्व मिलते हैं। स्वास्थ के साथ सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

झूठन न छोड़ें- थाली में उतना ही खाना लेना चाहिए जितना खा सके। भोजन को झूठा छोडने पर अन्न का अपमान होता है। इससे धन और अन्न की कमी होने लगती है। व्यक्ति कंगाली की राह पर आ जाता है।

ऐसी कुर्सी के प्रयोग से प्रमोशन और बिजनेस में आ रही बाधाएं दूर होती हैं

सभी वस्तुओं पर किसी न किसी ग्रह का अधिपत्य होता है। इसी तरह से हर दिशा अलग-अलग ग्रह के अधीन होती है। भारतीय वास्तुशास्त्र के वास्तु पुरुष सिद्धांत के अनुसार व्यक्ति का कार्य क्षेत्र उसका ऑफिस तथा वह जहां बैठकर अपना रोजगार कमाता है, दक्षिण दिशा को संबंधित करते हैं। इन स्थानों पर मूलतः मंगल का निवास होता है। इस स्थान पर आने वाली बाधाएं व्यक्ति को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से धन के क्षेत्र को प्रभावित करती हैं। कुछ खास तरह की कुर्सी पर बैठकर कारोबार करने से या ऑफिस में बैठने से व्यक्ति का समय खराब हो सकता है तथा चलते काम में बाधाएं आ सकती हैं।

काले रंग के आसन लगी हुई काली कुर्सियों का इस्तेमाल करने से व्यक्ति के कार्यक्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण हादसे होते हैं। लोहे की कुर्सी पर बैठने से व्यक्ति का कारोबार मंदा पड़ता है।

एल्युमिनियम की कुर्सी पर बैठने से व्यक्ति को अचानक से हानि का सामना करना पड़ सकता है।

भूरे अथवा नीले रंग की कुर्सी पर बैठने से अत्यधिक हानि अथवा लाभ की संभावनाएं बन सकती हैं।

अपनाएं ये उपाय

अगर आपके भी बैठक की कुर्सी भूरी, काली, नीली या लोहे अथवा एल्युमिनियम की बनी है तो निम्न उपाय करके आप भी अपने रोजगार और धन के आगमन को बढ़ा सकते हैं :

लाल रंग का आसन अथवा कुशन प्रयोग करने से जल्दी प्रमोशन होता है और बिजनेस अच्छा चलता है।

हरे रंग की कुर्सी पर बैठकर कार्य या व्यापार करने से धन के आगमन की सम्भावनाएं बनती हैं। आप चाहें तो कुर्सी पर हरे रंग का आसन अथवा कुशन इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे कई तरह की बाधा दूर हो सकती है।

पीले रंग का कुशन इस्तेमाल करने से रोजगार से बाधाएं दूर होती हैं।

सफेद रंग का कुशन इस्तेमाल करने से कार्य स्थल से समस्याएं खत्म होती हैं।

केरल स्टोरी में 'निमाह मैथ्यूज का किरदार सबसे स्ट्रॉन्ग' : योगिता

उस लड़की के साथ रेप हुआ, अत्याचार हुए लेकिन उसने हार नहीं मानी

द केरला स्टोरी में 'निमाह मैथ्यूज' बनी हैं एक्ट्रेस योगिता बिहानी

द केरला स्टोरी में 'निमाह मैथ्यूज' का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस योगिता बिहानी चर्चा में हैं। फिल्म में निमाह अपने ग्रुप की इकलौती ऐसी एक्ट्रेस थीं, जो कट्टरपंथियों के बहकावे में नहीं आती हैं। उसने इसके खिलाफ स्टैंड भी लिया था। योगिता ने कहा है कि फिल्म बनाने के पीछे काफी मेहनत लगी है। फिल्म बनाते वक्त काफी सारे मोमेंट्स से गुजरना पड़ा है, ऐसे में जब कोई इस फिल्म को प्रोपेगेंडा कहता है, तो काफी बुरा लगता है।

किसी खास एजेंडा के तहत नहीं बनी फिल्म

योगिता ने एक समाचार पत्र के साथ बातचीत में कहा, 'फिल्म से जुड़ा हर एक्टर यही कह रहा है कि फिल्म को किसी खास एजेंडा के तहत नहीं बनाया गया है। हम सभी ने बहुत ईमानदारी के साथ ये फिल्म बनाई है। बहुत सारे लोगों को हमारी फिल्म अच्छी लगी। कुछ सेक्शन ऐसे हैं जिन्हें ये फिल्म प्रोपेगेंडा लग रही है। बहुत बुरा लगता है कि जब कोई हमारी मेहनत पर सवाल उठाता है। हालांकि सबकी अपनी-अपनी सोच है। हम किसी को फिल्म देखने के लिए जबरदस्ती तो नहीं कर सकते।'

'फिल्म में जो दिखाया गया, असलियत में लड़कियों के साथ ऐसा होता है'

योगिता से पूछा गया कि अगर उन्हें फिर से किसी वीमेन एम्पावरमेंट वाली फिल्म से जुड़ने का मौका मिले, तो क्या वो जुड़ना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में औरतों से जुड़े ऐसे कई सीन्स हैं जो असलियत में होते हैं। लड़कियों के साथ ऐसी घटनाएं होती हैं, वे डर के मारे इसके बारे में किसी से चर्चा भी नहीं कर पातीं।

कई बार लड़कियां इस डर की वजह से सुसाइड जैसा कदम भी उठा लेती हैं। ऐसे कंडीशन में उन्हें सपोर्ट की जरूरत होती है। हमें औरतों को स्ट्रॉन्ग बनाना होगा ताकि वो अपनी नई पीढ़ी को स्ट्रॉन्ग बनाएं। अगर आगे चलकर वीमेन एम्पावरमेंट से जुड़े और भी प्रोजेक्ट ऑफर हुए तो उससे जरूर जुड़ना चाहूंगी। योगिता ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, 'मेरा यकीन मानिए, स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद मुझे निमाह का किरदार सबसे पसंद आया था। मुझे यही भूमिका चाहिए थी। फिल्म में निमाह का किरदार सबसे स्ट्रॉन्ग था। वो अपने साथ होने वाले सभी हादसों से खुद को बचाती है। उसके साथ रेप हुआ, उसे परेशान किया गया लेकिन वो अपने दोस्तों के खातिर लड़ने के लिए फिर भी खड़ी हो गई।

इस किरदार को अपनाने के लिए मैंने मुख्तार माई और मलाला यूसुफजई के कई वीडियोज देखें। इससे मुझे काफी ताकत मिली। ये वे लोग हैं जिन्होंने जीवन में इतना कुछ सहा है लेकिन फिर भी लड़ते रहे हैं। इस तरह के किरदार के लिए खुद को मेंटली स्ट्रॉन्ग रखना बहुत जरूरी होता है। मेरे लिए ये जर्नी आसान नहीं रही। अब फिल्म को लेकर जिस तरह के कॉन्ट्रोवर्सी हो रही है। इसे फेस करना एक अलग चैलेंज है।'

प्रोजेक्ट से जुड़ने से पहले कई इंटरनेशनल फिल्में देखीं

फिल्म की कहानी रियल-लाइफ बेस्ड है, तो क्या योगिता ने फिल्म से जुड़ने से पहले किसी तरह का रिसर्च किया था। जवाब में एक्ट्रेस ने कहा- 'जब आप कोई प्रोजेक्ट जॉइन करते हो तो आप अपने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर पर पूरा विश्वास रखते हो। वे इस स्क्रिप्ट पर पिछले 5 साल से काम कर रहे थे, जितनी रिसर्च उन्होंने की है वो शायद मैं 15-20 दिनों में नहीं कर पाऊंगी। जब मुझे अप्रोच किया गया तब मैंने इस सब्जेक्ट से जुड़ी कुछ इंटरनेशनल फिल्में देखीं। ये कई देशों में हो रहा है। मैं इस कहानी से कनेक्ट कर गई और फिल्म से जुड़ गई।'

क्या अब बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाएंगीं कंगना रनौत !

फिल्म का एडिट देख निकल पड़े आंसू, फोटो शेयर कर बताई पूरी डिटेल

कंगना रनौत ने अपनी एक्टिंग से खूब जलवा बिखेरा है. अब कंगना रनौत जल्द ही अपने डायरेक्शन में बनी दूसरी फिल्म दर्शकों के लिए ला रही हैं. डायरेक्टोरल डेब्यू भी करने वाली हैं. कंगना रनौत के डायरेक्शन में बन रही फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग पूरी हो चुकी है. फिल्म का एडिट तेजी से चल रहा है. कंगना ने अपनी फिल्म का पहला एडिट देखकर भावुक हो गईं और उनकी आंखों में आंसू आ गए. कंगना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है.

इमरजेंसी के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त अभिनेत्री कंगना रनौत ने बताया कि 'आरआरआर के पटकथा लेखक के.वी. विजयेंद्र प्रसाद ने उनकी फिल्म का एडिट देखा है और फिल्म की सराहना की है'. अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पटकथा लेखक प्रसाद के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की. क्वीन की अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ कैप्शन दिया, पूरा संपादन हो जाने के बाद, इमरजेंसी देखने वाले पहले व्यक्ति.. विजेंद्र सर ने न केवल संपादन देखते हुए कई बार अपनी आंखें पोंछीं, बल्कि इसे देखने के बाद उन्होंने कहा.. मुझे तुम पर बहुत गर्व है मेरी बच्ची.

मेरी तो जिंदगी बन गई. उन्होंने यह भी खुलासा किया कि इमरजेंसी के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू हो गया है. अभिनेत्री ने लिखा, 'मेरे सभी गुरुओं और शुभचिंतकों के आशीर्वाद से फिल्म इमरजेंसी पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में जाने के लिए तैयार है. रिलीज की तारीख की घोषणा जल्द ही की जा रही है.' इमरजेंसी कंगना की दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म है. इससे पहले उन्होंने 2019 की पीरियड ड्रामा फिल्म मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी का निर्देशन किया था. इमरजेंसी में कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन और महिमा चौधरी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं.

फिल्म को लेकर चर्चा का बाजार है गर्म

अपने सनसनीखेज बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाली एक्ट्रेस कंगना रनौत अक्सर ही सुर्खियों में रहती हैं. राजनीतिक बयानबाजी से लेकर अपनी दमदार एक्टिंग को लेकर मीडिया में रहने वाली कंगना रनौत की फिल्म जल्द ही लोगों के सामने होगी. हालांकि कंगना रनौत की पहली डायरेक्टोरल फिल्म 'मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी. अब कंगना की दूसरी फिल्म इमरजेंसी को लेकर माहौल गर्म है. फिल्म का शूट पूरा हो गया है. अब पोस्ट प्रोडक्शन की तैयारी जोरों से चल रही है.

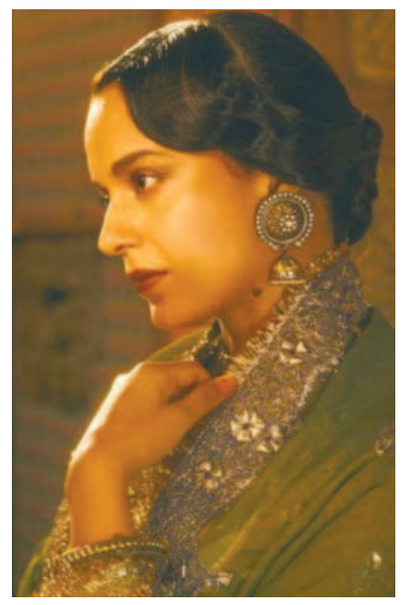

'पुष्पा' से टकराने के लिए तैयार 'भंवर सिंह शेखावत'

'पुष्पा नाम सुनकर फ्लावर समझे क्या?', 'झूकेगा नहीं साला..' इन दो डायलॉग ने साल 2021 में धूम मचा दी थी. फिल्म 'पुष्पाः दि राइज' के इन डायलॉग्स ने अल्लू अर्जुन को खासा हिट बना दिया था. इसके साथ ही फिल्म में यदि किसी ने अल्लू को टक्कर दी थी तो वह थे फहाद फासिल यानी की 'भंवर सिंह शेखावत'. अपने हरियाणी अंदाज से फहाद ने फिल्म मे जान डाल दी थी. इन दिनों फिल्म के दूसरे भाग 'पुष्पाः दि रूल' पर काम चल रहा है. फिल्म के दूसरे पार्ट में भी 'भंवर सिंह शेखावत' का अलग अंदाज देखने को मिलेगा और इसकी झलक हाली देखने को मिली. फिल्म के सेट से फहाद का नया लुक सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

फिल्म 'पुष्पाः दि रूल' को लेकर फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म का जब से टीजर रिलीज हुआ है, तब से इसे लेकर दर्शकों का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है. दूसरे भाग में अल्लू नए अंदाज में नजर आएंगे. वहीं, फिल्म के पहले भाग में विलेन के रूप में नजर आए फहाद फासिल के कैरेक्टर पर भी इस बार और काम किया गया है. इस बार 'भंवर सिंह शेखावत' और एग्रेसिव मोड में नजर आएगा. साथ ही क्लाइमैक्स में 'पुष्पा' ने जिस तरह उसे जलील किया था, अब वह उसका बदला लेगा.

लुक हो गया है और इटेंस

फिल्म 'पुष्पा' के हर किरदार का लुक बेहद अलग और खास रहा था. ऐसे में 'भंवर सिंह शेखावत' यानी फहाद का नया लुक मैत्री मूवीज ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है. इसमें फहाद और इटेंस लुक में नजर आ रहे हैं. वे कैमरे में अपने सीन को देखते हुए नजर आ रहे हैं. कान में बाली और मूछों के साथ वाला उनका यह लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है. इस फोटो के सामने आने के बाद से लोग 'पुष्पा' और 'भंवर सिंह शेखावत' का आमना सामना देखना चाहते हैं. 'पुष्पाः दि रूल' की शूटिंग काफी कुछ हो चुकी है. रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म दिसम्बर में या फिर 2024 की शुरुआत में रिलीज होगी.

तारक मेहता का उल्टा चश्मा छोड़ने के बाद तंगी से जूझ रहीं रोशन भाभी

बोलीं- मेकर्स ने नहीं लौटाया 3 महीने का पैसा, अकाउंट में मात्र 80 हजार रुपए हैं

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रोशन भाभी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस जेनिफर बंसीवाल इन दिनों बेहद सुर्खियों में हैं। प्रोड्यूसर असित मोदी के खिलाफ सेक्सुअल हैरेसमेंट के संगीन आरोप लगाने के बाद से ही एक्ट्रेस मुश्किल हालात से लड़ रही हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी आर्थिक तंगी के बारे में खुलकर बात की है।

यह बहुत दुख की बात है कि वो बोल नहीं रहे हैं- जेनिफर

एक समाचार पत्र से बातचीत के दौरान जेनिफर ने बताया कि वो इस बात से बेहद दुखी हैं कि उनकी महिला कलीग्स उन्हें सपोर्ट नहीं कर रही हैं। हालांकि, वो खुद भी मानती हैं कि अगर किसी एक्टर के साथ ऐसा होता तो शायद वो खुद भी नहीं बोलतीं। उन्होंने कहा- 'यह बहुत दुख की बात है कि वो बोल नहीं रहे हैं।'

मेरा 3.5 महीने का पैसा बकाया है, अकाउंट में 1 लाख रुपए भी नहीं हैं

बंसीवाल ने मार्च में सेट पर हुए विवाद के बाद शो छोड़ दिया था। 7 मार्च को सेट पर उनका आखिरी थी, उस दिन के बाद से एक्ट्रेस सेट पर कभी वापस नहीं गईं। इस बीच उन्हें अभी तक अपना बकाया पैसा नहीं मिल पाया है। जेनिफर ने कहा- 'जब मैंने शो छोड़ दिया, मुझे लगा कि मैं पैसे भी नहीं मांगूंगी। मेरा 3.5 महीने का पैसा बकाया है और यह एक बड़ी रकम है। मुझ पर यकीन करें मेरे खाते में 1 लाख रुपए भी नहीं है। मेरे मायके में सात लड़कियां हैं और मैं उन सभी का ख्याल रख रही हूं।'

भगवान ने मुंह दिया है, तो वो खाने को भी देंगे

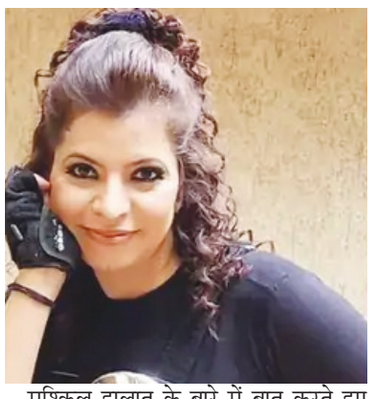

मुश्किल हालात के बारे में बात करते हुए जेनिफर ने बताया कि उन्हें पूरा यकीन है कि ऊपर वाला उनकी मदद जरूर करेगा। जेनिफर ने आगे कहा- 'मैं क्यों सोचूं कि मेरे अकाउंट में 80,000 हैं। मैं क्यों डरूं। भगवान ने मुह दिया है, तो वो खाना भी दे देंगे। भगवान ने मुझे हमेशा सब कुछ दिया है, इसलिए मैं डरती नहीं हूं।

शुरुआत में सेक्शुअल हैरेसमेंट को लेकर कंफ्यूज थीं जेनिफर

बातचीत के दौरान जेनिफर ने बताया कि वो वो सेक्शुअल हैरेसमेंट का मुकदमा करने को लेकर कंफ्यूज थीं। तब उन्हें उनके लॉयर ने इस बारे में समझाया।

सेक्शुअल हैरेसमेंट से जुड़ा ड्राफ्ट भेजने के बाद मैंने सोचा कि अब सब शांत बैठ जाएंगे। मेरा काम खत्म हो जाएगा। मैंने उन्हें डराने के लिए ड्राफ्ट भेजा था। इसके बाद उन्होंने मुझसे कहा कि मैं उनसे पैसे वसूल रही हूं। इसके बाद ही मैंने 8 अप्रैल को अधिकारियों से कंप्लेंट की और इस बारे में पोस्ट किया।

जब एमी जैक्सन को 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के 'फैजल' से हुआ प्यार

दिल की बात कहने पर शरमा गए थे नवाजुद्दीन

'नवाजुद्दीन सिद्दीकी' ये नाम लेते ही आपके दिमाग में एक ऐसे कलाकार की छवि उभर जाती होगी, जो हर किरदार में अपनी जान डाल देता है. परफेक्शन की हद तक जाने के लिए ये कलाकार कई दिनों तक किरदार में ढलने की कोशिश करता है. यही कारण है कि चाहे रोल छोटा हो या बड़ा हर फिल्म में नवाज इम्प्रेस करते हैं. बड़े कलाकारों से लेकर फेमस डायरेक्टर्स तक इनकी एक्टिंग का लोहा मानते हैं. इतना ही नहीं इनके साथ काम करने वाली अभिनेत्रियां इनकी कायल हैं. एक दफा एमी जैक्सन भी नवाज के लिए अपने प्यार का इजहार कर चुकी हैं.

नवाजुद्दीन सिद्दीकी का जन्म उत्तर प्रदेश के बुधाना में 19 मई 1974 को हुआ था. अपना 49वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे नवाज ने कैमिस्ट्री में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की है. एक्टिंग में आने से पहले उन्होंने कैमिस्ट के तौर पर वडोदरा में काम किया था. इसके बाद उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा जॉइन कर लिया था. साल 1999 में आई आमिर खान की फिल्म 'सरफरोश' के जरिए नवाज ने फिल्मों में कदम रखा था. इसके बाद 'ब्लैक फ्राईडे', 'कहानी', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'रमन राघव', 'रईस', 'मंटो', 'बजरंगी भाईजान' जैसी फिल्मों के जरिए खुद को स्थापित किया.

नवाज की एक्टिंग देखकर

नवाज ने फिल्मों अधिकांशतः संजीदा किरदार निभाए लेकिन सौहेल खान की फिल्म 'फ्रीकी अली' में उनका रोमांटिक अंदाज नजर आया था. फिल्म में नवाज ने पहली दफा एमी जैक्सन के साथ स्क्रीन शेयर की थी. 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में उनका काम देखने के बाद एमी नवाज से प्रभावित हो गई थीं. इसके बाद 'फ्रीकी अली' में एमी को करीब से नवाज की एक्टिंग देखने को मिली. फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर एमी ने नवाज के प्रति अपना प्यार जाहिर किया था. उनका कहना था, 'मैंने जब 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' देखी थी तो मैं नवाज के प्यार में पड़ गई थी. तब ही से मेरा उनके लिए प्यार शुरू हो गया था. मैं नवाज के साथ काम करने को लेकर काफी नर्वस थी. नवाज काफी प्रतिभाशाली एक्टर हैं.' एमी की ये बातें सुन पास खड़े नवाज शरमा गए थे.'फ्रीकी अली' बड़े पर्दे पर औसत रही थी लेकिन नवाज के काम के पसंद किया गया था. नवाज फिल्म 'जोगिरा सा रा रा' में नेहा शर्मा के साथ जल्द ही नजर आएंगे, फिल्म 26 मई को रिलीज होगी.

जब करीना कपूर ने कहा- 'मुझे खुशी है कि मैंने कहो ना प्यार छोड़ दी', डेविड धवन के साथ भी नहीं करना चाहती थीं काम

करीना कपूर खान बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित एक्ट्रेसेस में से एक हैं. करीना ने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में बॉलीवुड को दी हैं. आलम ये है कि हर फिल्ममेकर बेबो के साथ काम करना चाहता है. साल 2000 में बॉलीवुड में एंट्री लेने वालीं करीना एक दौर में काफी मुखर थीं और अपने गुस्से को जाहिर करने में देरी नहीं लगाती थीं. लेकिन अब करीना कपूर खान के स्वाभाव में काफी बदलाव आ गया हैं. संजय लीला भंसाली के साथ झगड़ा हो, बहन करिश्मा की फिल्मों से मिलती-जुलती फिल्मों से दूरी हो, सलमान खान के एक्टिंग में रुचि न होना हो या ऋतिक रोशन की सुपर ब्लॉकबस्टर की फिल्म से बाहर होने की खुशी.

करीना कपूर खान ने साल 2000 में फिल्मफेयर को इंटरव्यू दिया, जिसने उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की. करीना की अपनी डेब्यू फिल्म में अभिषेक बच्चन के साथ नजर आए थे, लेकिन क्या आप जानते हैं साल 2000 की शुरुआत में वह फिल्म 'कहो ना प्यार है' में नजर आने वाली थीं, लेकिन फिल्म से पूरी होने से पहले उन्होंने फिल्म को न कह दिया.

'कहो ना प्यार है' के लिए मां ने करीना को किया था मना

फिल्म 'रिफ्यूजी' से पहले करीना कपूर ऋतिक रोशन के साथ 'कहो ना प्यार है' में नजर आने वाली थीं, लेकिन, थोड़ी ही शूटिंग के बाद उनकी मां बबीता ने उन्हें ये फिल्म ना करने की राय दी और फिर उनकी जगह एक्ट्रेस अमीषा पटेल की फिल्म में एंट्री हुई. बेबो ने फिल्मफेयर से बातचीत के दौरान 'कहो ना प्यार है' को न करने का राजफाश किया.

ऋतिक के क्लोज-अप में 5 घंटे लगाते थे राकेश रोशन

करीना ने कहा, अगर वह फिल्म 'कहो ना प्यार है' को न नहीं कहतीं, तो निश्चित तौर पर स्टार बन जातीं, लेकिन उन्हें स्टार नहीं बल्कि अपनी पहचान एक एक्ट्रेस के रूप में बनानी थी. उन्होंने विस्तार से अपनी बात को आगे बढ़ाया और कहा, 'ये फिल्म ऋतिक के लिए बनाई गई थी. उनके पिता ने उनके हर फ्रेम और क्लोज-अप पर पांच घंटे खर्च किए, जबकि अमीषा पर पांच सेकंड भी खर्च नहीं किए गए. फिल्म में कुछ ऐसे हिस्से हैं, जहां उनके चेहरे पर पिंपल्स और अंडर आई बैग्स हैं. वह सिर्फ सुंदर नहीं दिखती, लेकिन उसका हर शॉट एक सपना था.

क्यों बेबो ने नहीं की फिल्म?

बेबो ने आगे कहा, 'अगर मैं फिल्म में होती तो निश्चित रूप से मुझे एक बेहतर डील मिलती, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि अटेंशन हम दोनों के बीच बंट जाती. इसलिए, मुझे खुशी है कि मैंने यह फिल्म नहीं की. मुझे खुशी है कि मेरे फिल्म छोड़ने के बाद भी ऋतिक और मेरे बीच कोई समस्या नहीं है. हम अभी भी एक दोस्त हैं. मैं उसकी सफलता के लिए बहुत खुश हूं.

डेविड धवन के साथ नहीं करना चाहती थीं करियर की शुरुआत

इसी इंटरव्यू में करीना ने यह भी कहा कि वह अपने करियर की शुरुआत में डेविड धवन जैसे निर्देशकों के साथ काम नहीं करना चाहेंगी, भले ही उनकी बहन को उनकी फिल्मों ने एक स्टार बना दिया. करीना ने कहा कि वह अपनी बहन की तरह बिल्कुल भी नहीं हैं. बेबो ने कहा था कि मेरी बहन ने उसके साथ अपना करियर बनाया होगा, लेकिन मैं नहीं चाहती. उन्होंने कहा था कि अगर अच्छा काम करने का मतलब कम काम करना है, तो मैं शायद कम काम करूंगी और मैं सिर्फ अच्छे मेकर्स के साथ काम करना चाहती हूं.

राकेश रोशन ने खोला था करीना का फिल्म ना करने का राज

हालांकि, राकेश रोशन ने करीना के फिल्म को ड्राप करने को लेकर 'द क्विंट' को एक इंटरव्यू में बताया था कि करीना की मां बबिता, जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूं, उन्होंने कहा था कि गाने से शुरुआत मत करो, वह तैयार नहीं है. डॉयलॉग से शुरू करों. फिल्ममेकर ने बताया कि बबीता इसे लेकर थोड़ी अडिग थीं. तो मैंने कहा, 'इस तरह मैं काम नहीं कर सकता, क्योंकि कल आप कह सकते हैं, यह मत करो, वह मत करो. मुझे लगता है कि बेहतर है कि हम अलग हो जाएं क्योंकि हम अच्छे दोस्त हैं.' इसलिए हम अलग हो गए'.

करीना और ऋतिक ने साथ में की हैं फिल्में

आपको बता दें कि करीना और ऋतिक ने भले 'कहो ना प्यार है' में साथ काम नहीं किया, लेकिन इसके बाद दोनों को फैंस ने 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'कभी खुशी कभी गम' और 'मुझसे दोस्ती करोगे' जैसी फिल्मों में साथ देखा और खूब प्यार भी दिया।

मोहम्मद सिराज के घर पहुंची आरसीबी की पूरी टीम
दीवार पर लगी एक तस्वीर पर अटकी निगाहें

हाल ही में विराट कोहली, फाफ डुप्लेसी और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाड़ी अपने साथी मोहम्मद सिराज के नए घर पहुंचे थे. सभी ने हैदराबाद में सिराज के नए घर में परिवार से भी मुलाकात की. इस बीच सिराज के घर की दीवार पर लगी एक खास तस्वीर पर सबकी निगाहें जा टिकी. इस तस्वीर का सिराज के करियर से गहरा कनेक्शन है.

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार विराट कोहली आरसीबी के अपने कई साथियों के साथ सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2023 के मैच से पहले हैदराबाद में मोहम्मद सिराज के नए घर पहुंचे. आरसीबी के नए खिलाड़ी केदार जाधव भी सिराज के घर पहुंचे थे. कप्तान फाफ डुप्लेसी और उनके हमवतन वेन पार्नेल भी मौजूद थे. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने अपने सोशल मीडिया से हैंडल से आरसीबी के खिलाड़ियों के सिराज के नए घर में जाने से जुड़ी कई तस्वीरें शेयर की हैं.

यूं तो रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सोशल मीडिया हैंडल से मोहम्मद सिराज के घर की कई तस्वीरें शेयर की गई हैं, लेकिन एक तस्वीर पर आकर सबकी निगाहें बार-बार टिक रही हैं. मोहम्मद सिराज के घर की दीवार पर लगी यह खास तस्वीर फैन्स का दिल भी खूब जीत रही है.

दरअसल, यह तस्वीर मोहम्मद सिराज और विराट कोहली की गले लगते हुए है, जिसे आरसीबी के स्टार पेसर ने फ्रेम करवाकर अपने नए घर की दीवार पर लगाया है. इस तस्वीर को नोटिस करने के बाद फैन्स अपने इमोशंस को रोक नहीं पा रहे है और सिराज की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं.

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सोशल मीडिया हैंडल से इन तस्वीरों को शेयर करते वक्त कैप्शन दिया गया है- 'हैदराबादी बिरयानी टाइम !' बता दें कि हाल ही में मोहम्मद सिराज ने 'ब्रेकफास्ट विद चैंपियन' शो के दौरान विराट कोहली और अपने घर से जुड़ी एक दिल छू लेने वाली कहानी भी बताई है.

मोहम्मद सिराज ने शो के दौरान बताया कि जब उन्होंने एक नया घर खरीदा और अपने आरसीबी टीम के साथियों को डिनर पार्टी के लिए आमंत्रित किया था तो वह इतने ज्यादा एक्साइटेड थे कि अपने आइडिल विराट कोहली को पर्सनल निमंत्रण देने से खुद को नहीं रोक पाए थे.

क्रिकेट के सभी फॉर्मेट्स में कोहली ने ठोकी सेंचुरी
वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए तैयार कोहली

कोहली ने कहा कि आईपीएल में शतक के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी खेलने के लिए तैयार है। उसे भी ध्यान में रखते हुए अपने शॉट सिलेक्शन पर फोकस कर रहा हूं। हवा में कंट्रोल्ड शॉट्स खेलने के साथ ग्राउंडेड शॉट्स और टाइमिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहा हूं, ताकि टेस्ट में दिक्कतें न आए।' 28 मई को आईपीएल फाइनल के 9 दिन बाद टीम इंडिया इंग्लैंड के द ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलेगी। कोहली भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी आईपीएल टीम आरसीबी भी प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। ऐसे में विराट आईपीएल के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट पर भी फोकस बनाए हुए हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली ने 4 साल 29 दिन बाद आईपीएल शतक लगाकर 8 महीने में क्रिकेट के हर फॉर्मेट और टूर्नामेंट में अपना कमबैक पूरा कर लिया। 2019 में 70वें इंटरनेशनल शतक के बाद सितंबर 2022 तक विराट के बैट से कोई सेंचुरी नहीं आई थी। विराट फिफ्टी का आंकड़ा तो पार कर पा रहे थे, लेकिन शतक नहीं लगा पा रहे थे। फिर कोहली ने 8 सितंबर 2022 को टी-20 एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ 122 रन की नॉटआउट पारी खेली। बस यहीं से इंटरनेशनल क्रिकेट के सबसे बड़े कमबैक की कहानी शुरू हो गई।

तब से अब तक टी-20, वनडे और टेस्ट में शतक के साथ उन्होंने आईपीएल में भी शतक का सूखा खत्म कर दिया। SRH के खिलाफ शतक में उन्होंने 4 ही छक्के लगाए, इस पर मैच के बाद उन्होंने कहा कि वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपयनशिप पर भी फोकस कर रहे हैं। इसी कारण वे टाइमिंग के साथ चौके मारने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। आगे स्टोरी में हम 8 महीनों में विराट कोहली के कमबैक की स्टोरी जानेंगे। साथ ही समझेंगे कि इस दौरान उन्होंने तीनों फॉर्मेट में कैसा परफॉर्म किया और अब आईपीएल में उनकी परफॉर्मेंस कैसी जा रही है।

8 महीने में विराट का कम बैक...

2019 से 2022: 72 इंटरनेशनल मैच में शतक नहीं लगा सके

विराट के कमबैक से पहले उनके स्ट्रगल के बारे में थोड़ा जानते हैं। 22 नवंबर 2019 को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में कोहली ने 194 बॉल पर 136 रन बनाए। ये उनके करियर की 70वीं इंटरनेशनल सेंचुरी थी। इस शतक के बाद उन्होंने 18 टेस्ट, 23 वनडे और 31 टी-20 मैच खेल लिए, लेकिन किसी भी फॉर्मेट में शतक नहीं लगा सके।

यहां तक कि आईपीएल के भी 3 सीजन में उनके बैट से सेंचुरी नहीं आई। कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने इसे विराट का सबसे खराब दौर बताया। लेकिन इस दौर के 72 इंटरनेशनल मैचों में भी उन्होंने 26 फिफ्टी के सहारे 2708 रन बना दिए थे। हालांकि, शतक नहीं होने से इसे कोहली का सबसे बड़ा स्ट्रगल करार दिया गया।

2022: आईपीएल के बाद 20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेले, ब्रेक लिया

इंटरनेशनल क्रिकेट में स्ट्रगल के बाद 2022 के आईपीएल में भी उनके बैट से रन नहीं निकले। उनकी टीम ने सीजन में प्लेऑफ समेत 16 मैच खेले, लेकिन विराट इनमें 22.73 के औसत और 115.99 के स्ट्राइक रेट से 341 रन ही बना सके। उनके बैट से 2 ही फिफ्टी आईं। ये 2010 के बाद से विराट का सबसे खराब आईपीएल भी रहा। 2021 के सीजन में भी वे 405 रन ही बना सके थे।

आईपीएल में औसत प्रदर्शन के बाद कई एक्स्पर्ट्स ने उन्हें टीम इंडिया से बाहर बैठाने की बातें कही। यहां तक कि 27 अगस्त 2022 से शुरू होने वाले टी-20 एशिया कप से पहले उन्होंने तीनों फॉर्मेट के 5 ही मैच खेले। इस दौरान टीम इंडिया ने कुल 25 मैच खेले, लेकिन 20 मैचों में विराट को आराम के नाम पर स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया।

अगस्त 2022: वापसी शुरू, एशिया कप में सेंचुरी

विराट को UAE में शुरू होने वाले एशिया कप टी-20 के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 35 रन बनाने के बाद 2 लगातार फिफ्टी लगा दीं। टीम इंडिया एशिया कप फाइनल में नहीं पहुंच सकी, लेकिन टीम का आखिरी मैच अफगानिस्तान के खिलाफ बाकी था। अफगानिस्तान के खिलाफ रोहित शर्मा ने रेस्ट किया। विराट ने केएल राहुल के साथ ओपनिंग की और 61 गेंदों में 122 रन की नॉटआउट पारी खेल डाली। इस पारी ने 1021 दिनों से चले आ रहे विराट के इंटरनेशनल शतकों के सूखे को खत्म कर दिया। शतक के बाद कोहली भी भावुक हो उठे। उन्होंने एशिया कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा (276) रन बनाए, लेकिन उनकी आंखों के सामने टी-20 वर्ल्ड कप था।

अक्टूबर 2022: टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन, PAK के खिलाफ यादगार पारी

अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में शुरू हुए टी-20 वर्ल्ड कप के पहले ही मैच में विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने करियर की बेस्ट पारियों में से एक खेल डाली। उन्होंने 53 गेंद पर नाबाद 82 रन बनाए और भारत को लगभग हारे हुए मैच में जीत दिला दी। कोहली ने टूर्नामेंट के 6 मैचों में 4 फिफ्टी के सहारे सबसे ज्यादा 296 रन बनाए।

भारत सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से हारा। ट्रॉफी नहीं जीत सका। लेकिन इस टूर्नामेंट ने टीम इंडिया को बड़े मैचों में कोहली की अहमियत समझा दी। अगस्त में शतक से कमबैक करने के बाद विराट भारत के लिए 16 टी-20 मैचों में 700 रन बना चुके हैं। इनमें 7 फिफ्टी और एक सेंचुरी शामिल हैं।

9 महीनों में कोहली के शतक

फॉर्मेट	स्कोर	खिलाफ	कब
IPL	100 (63)	SRH	19 मई 2023
टेस्ट	186 (364)	AUS	9 मार्च 2023
वनडे	166* (110)	SL	15 जनवरी 2023
वनडे	113 (87)	SL	10 जनवरी 2023
वनडे	113 (91)	BAN	10 दिसंबर 2022
T-20I	122* (61)	AFG	8 सितंबर 2022

आईपीएल में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक लगा कर करोड़पति बना गोल गप्पे बेचने वाला यशस्वी

राजस्थान रॉयल्स के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने कोलकाता नाइटराइजर्स के खिलाफ आईपीएल के 56वें मैच में बड़ा रिकॉर्ड बनाया। वह आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। यशस्वी ने इस मामले में लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यशस्वी ने 13 गेंद पर ही अर्धशतक लगा दिया। वहीं, राहुल ने इसके लिए 14 गेंदों का सामना किया था।

कोलकाता ने राजस्थान को 150 रन का लक्ष्य दिया। यशस्वी ने जोस बटलर के साथ राजस्थान की पारी की शुरुआत की। उन्होंने पहले ही ओवर में कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान नीतीश राणा की गेंदों पर 26 रन बनाए। इस दौरान यशस्वी ने तीन चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने तीसरे ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया। यशस्वी इस सीजन में एक शतक भी लगा चुके हैं।

यशस्वी ने आईपीएल के 1000वें मैच में जायसवाल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 124 रन की पारी खेली थी। यह राजस्थान के लिए खेलते हुए किसी भी बल्लेबाज का आईपीएल में सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले बटलर ने भी 124 रन की पारी खेली थी।

यशस्वी के मुंबई के आजाद मैदान के बाहर गोलगप्पे बेचने से लेकर आईपीएल में शतकवीर बनने तक का सफर रोमांचक रहा है। यशस्वी उत्तर प्रदेश के भदोही के रहने वाले हैं। उनका बचपन बेहद गरीबी में बिता है। 11 साल की उम्र में यशस्वी क्रिकेटर बनने के लिए मुंबई पहुंचे थे। वहां उनके लिए सबकुछ आसान नहीं था। मुंबई जैसे बड़े शहर में यशस्वी को अपना नाम बनाना था।

कई बार खाली पेट सोए यशस्वी

मुंबई में कमाने के लिए आजाद मैदान में राम लीला के दौरान गोलगप्पे और फल बेचते थे। उन्हें कई बार खाली पेट सोना पड़ता था। यशस्वी ने डेयरी में भी काम किया। वहां एक दिन उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। इस दौरान क्लब ने यशस्वी को मदद की पेशकश की, लेकिन उनके सामने यह शर्त रखी गई कि अच्छा खेलोगे तभी टेंट में रहने की जगह दी जाएगी। टेंट में यशस्वी रोटी बनाने का काम करते थे। वहां उन्हें दोपहर और रात में खाना मिल जाता था।

ज्वाला सिंह ने यशस्वी को निखारा

यशस्वी ने रूपये कमाने के लिए गेंद खोजने का भी काम किया। आजाद मैदान में अक्सर गेंद खो जाती थी। उसे खोजने पर यशस्वी को रूपये मिलते थे। एक दिन यशस्वी के ऊपर कोच ज्वाला सिंह की नजर पड़ी। यशस्वी की तरह ज्वाला भी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। उन्होंने इस बाएं हाथ के बल्लेबाज को निखारा। यशस्वी हमेशा ज्वाला सिंह की तारीफ करते हैं। उन्होंने एक बार कहा था, "मैं उनका गोद लिया हुआ बेटा हूं। मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने में उनका अहम योगदान है।"

अंडर-19 वर्ल्ड कप से चमके

यशस्वी ने घरेलू क्रिकेट में महज 17 साल की उम्र में यूथ वनडे में दोहरा शतक ठोककर तहलका मचा दिया था। 2020 में अंडर-19 वर्ल्ड कप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। यशस्वी ने एक शतक और चार अर्धशतक लगाए था। उन्होंने छह मैच की छह पारियों में 400 रन बनाए थे। उनका औसत 133.33 का रहा था। यशस्वी को अंडर-19 वर्ल्ड कप में मैन ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला था। उनकी चारों तरफ तारीफ हुई।

राजस्थान ने यशस्वी पर जताया भरोसा

यशस्वी को आईपीएल 2020 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 2.4 करोड़ रुपये में खरीद लिया। उन्होंने राजस्थान के लिए 2020 में तीन मैच में 40 रन बनाए थे। इसके बाद 2021 में 10 मैच में 249 रन बनाए। यशस्वी को 2022 की नीलामी से पहले राजस्थान ने रिटेन किया। उन्हें टीम से बाहर नहीं किया। यह किसी युवा खिलाड़ी के लिए बड़ी बात थी। फ्रेंचाइजी ने उन पर विश्वास जताया। उन्हें चार करोड़ रुपये में रिटेन किया गया। उन्होंने 2022 आईपीएल में 10 मैच में 258 रन बनाए।

इस सीजन वह शुरुआत से ही बेहतरीन लय में थे और घरेलू क्रिकेट में कमाल करने के बाद उन्होंने आईपीएल में भी शतक जड़ दिया है। उन्हें देश का भविष्य माना जा रहा है और आने वाले समय में उन्हें टीम इंडिया में भी शामिल किया जा सकता है।

400 रन की पारी खेलने वाला दुनिया का अकेला क्रिकेटर, अब है आईपीएल टीम के साथ

क्रिकेट में शतक लगाना किसी भी बल्लेबाज के लिए यादगार पल होता है. तकरीबन हर बैटर का ख्वाब होता है कि वह शतक लगाकर अपनी टीम को जिताए. ऐसा करके कोई भी खिलाड़ी अपनी टीम, देश और फैंस का हीरो बन जाता है. और अगर उसका शतक, दोहरे शतक में बदल जाए तो कहने ही क्या. तिहरा शतक लगाना तो कितना दुष्कर काम है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सचिन तेंदुलकर जैसा दिग्गज भी अपने करियर में 300 रन का आंकड़ा नहीं छू सका. लेकिन क्या आप जानते हैं कि सचिन तेंदुलकर को सबसे कड़ी टक्कर देने वाले बैटर ने एक बार 400 रन की पारी खेली थी. आजकल यह दिग्गज आईपीएल की एक टीम का मुख्य कोच है.

टेस्ट क्रिकेट में यूं तो अनगिनत रिकॉर्ड हैं. इनमें से एक रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है, जिसे तोड़ पाना लगभग असंभव है. वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा ने टेस्ट क्रिकेट में एक बार 400 रन की नाबाद पारी खेली थी. लारा ने यह कारनामा इंग्लैंड के खिलाफ 2004 में किया था. ना तो लारा से पहले और ना ही उनके बाद कोई क्रिकेटर यह कमाल कर सका. इस तरह टेस्ट क्रिकेट की एकमात्र क्वाड्रपल सेंचुरी ब्रायन लारा के नाम है.

अगर हम टेस्ट मैच के व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर की बात करें तो ब्रायन लारा का नाम टॉप-5 में दो बार आता है. ब्रायन लारा 400 रन की पारी खेलने से 10 साल पहले 375 रन भी बना चुके थे. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेंट जोंस के उसी मैदान पर 375 रन बनाए थे, जहां 2004 में 400 रन की पार खेली. ब्रायन लारा इन दिनों आईपीएल की टीम सनराइजर्स हैदराबाद के हेड कोच हैं.

ब्रायन लारा से एक साल पहले ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन भी एक बार 400 रन के करीब पहुंचे. उन्होंने 2003 में जिम्बाब्वे के खिलाफ पर्थ में 380 रन की पारी खेली थी. मैथ्यू हेडन ने जब ब्रायन लारा का 375 रन का रिकॉर्ड तोड़ा तो लगा कि वे 400 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन सकते हैं. लेकिन ट्रेवर ग्रिपर ने हेडन को आउट कर ऐसी उम्मीदों पर पानी फेर दिया था. वैसे, जब टेस्ट क्रिकेट के टॉप स्कोर की बात आती है तो सबसे पहला नाम वेस्टइंडीज के ही गैरी सोबर्स का याद आता है. गैरी सोबर्स ने 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ 365 रन की नाबाद पार खेली, जो उस वक्त टेस्ट क्रिकेट का हाईएस्ट स्कोर था. सोबर्स के नाम यह रिकॉर्ड 36 साल तक रहा.वनडे क्रिकेट की बात करें तो सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के स्टीफन नीरो के नाम है. ब्लाइंड क्रिकेटर स्टीफन नीरो ने 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पहला तिहरा शतक जड़ा था. ब्लाइंड क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज स्टीफन नीरो ने महज 140 गेंद में 309 रन की नाबाद पारी खेली थी.

आईपीएल-2023 हो रही 'रन वर्षा', अब तक लग चुके 8 शतक, टूट सकता है सैकड़ों का रिकॉर्ड

आईपीएल-2023 में जमकर 'रन वर्षा' हो रही है. गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के मैच में क्रिकेटप्रेमियों को दो शतक देखने को मिले. मैच में एसआरएच के हेनरिक क्लासेन के शतक का जवाब आरसीबी के विराट कोहली ने शतक से दिया. आरसीबी ने मैच में 187 रनों का टारगेट दो विकेट खोकर हासिल करते हुए प्लेऑफ की उम्मीदें कायम रखी हैं.

क्लासेन (104 रन) और विराट कोहली (100 रन) की शतकीय पारियों के बाद आईपीएल के मौजूदा सीजन में 65 मैचों के बाद शतकों की संख्या 8 पहुंच गई है. आईपीएल-2022 में भी आठ ही शतक लगे थे.

आईपीएल-2023 में अभी प्लेऑफ के चार सहित कुल 9 मैच खेले जाने हैं. ऐसे में इस बात की पूरी उम्मीद है कि एक सीजन में शतकों का 2022 का रिकॉर्ड टूट जाएगा. आईपीएल का पहला शतक केकेआर के ब्रेंडन मैक्कुलम ने 2008 के शुरुआती सीजन में ही बनाया था.

आईपीएल-2009 में बने थे सबसे कम दो शतक

शतकों के मामले में सबसे 'कंगाल' आईपीएल-2009 रहा था,इसमें केवल दो शतक लगे थे. इस सीजन में आरसीबी की ओर से मनीष पांडे ने नाबाद 114 और एबी डिविलियर्स ने डेक्कन चार्जर्स की ओर से चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 105 रन बनाए थे. भारत में आम चुनावों के चलते आईपीएल-2009 दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हुआ था.

सरकार को आरबीआई से बड़ी उम्मीद

राजस्व बढ़ाने के लिए जारी हो सकता है दोगुना डेविडेंड

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक बोर्ड की बैठक आज यानी 19 मई 2023 को होने वाली है।इस बैठक के दौरान कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।इसी में से एक फैसला आरबीआई की ओर से अपने लाभ और डॉलर की बिक्री होने वाले मुनाफे के कारण अधिकारिक अनुमानों से मोदी सरकार को डबल डेबिडेंड तक बढ़ा सकता है।यह वित्तीय घाटे को पाटने का काम करेगा।ब्लूमबर्ग के सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष के मार्च तिमाही के लिए इकोनॉमिस्ट 10.9 अरब डॉलर या 900 अरब रुपये सरप्लस ट्रांसफर का अनुमान लगाते हैं।यह सरकार के 6.2 बिलियन डॉलर के अनुमान से ज्यादा है।पिछले साल आरबीआई ने दशक में सबसे कम 303.1 अरब रुपये का

पेआउट अप्रूव किया था।

जीडीपी टारगेट को पूरा करने में करेगा मदद

आरबीआई बोर्ड की बैठक शुक्रवार यानी आज है।बैठक के दौरान उच्च ब्याज दर और ग्लोबल डिमांड में कमी को लेकर चर्चा हो सकती है।एक उच्च डेविडेंड पेआउट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार को राजकोषीय घाटे को कम करने में मदद करने के साथ ही सकल घरेलु उत्पाद के टारगेट 5.9 फीसदी को पूरा करने में मदद करेगा।इससे एक साल पहले ये 6.4 फीसदी था और 2024 के चुनाव से पहले बढ़ा देगा।

सरकार को काफी ज्यादा डेविडेंड की उम्मीद

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई काफी ज्यादा डेविडेंड जारी करेगी, ताकि सरकार की उधारी कम करने में काफी मदद होगी। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की अर्थशास्ती माधवी अरोड़ा ने कहा कि वित्त वर्ष 2022—23 में करीब रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा सेल से लाभ होगा।उनका कहना है कि डेविडेंड जीडीपी में 0.2 फीसदी के अतिरिक्त राजस्व में ला सकता है।यह कम निवेश और धीमी राजस्व की भरपाई कर सकता है।

आरबीआई का डेविडेंड भुगतान अनुमान

ब्लूमबर्ग सर्वे के मुताबिक, अनुमान है कि आरबीआई का डेविडेंड भुगतान 6.8 बिलियन डॉलर और 21.4 बिलियन डॉलर के बीच कहीं भी हो सकता है, जो कि 2018—19 में पिछले रिकॉर्ड सेट से ज्यादा है।इस साल फरवरी तक ग्यारह महीने की अवधि के दौरान 206 अरब डॉलर से ज्यादा की बिक्री है, जबकि वित्तीय वर्ष 2021—22 में यह 97 अरब डॉलर से कम था।

आधार नंबर के साथ सिर्फ एक जानकारी और बैंक खाता हो जाएगा साफ

ठगी के नए तरीके का खुलासा

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। ओटीपी और सीवीवी या फिर बैंक की अन्य डिटेल्स लेकर ठगी का मामला आपने कई बार सुना होगा, लेकिन अब एक नए तरीके से ठगी शुरू हो चुकी है।ओटीपी, सीवीवी नंबर और बैंक डिटेल्स के बिना भी आपका अकाउंट साफ हो सकता है।ठगी करने वालों ने एक नया तरीका निकाल लिया है।पिछले कुछ समय से ऐसे कई मामले आ चुके हैं।साइबर अपराधी सिलिकॉन के फिंगरप्रिंट बना रहे हैं और उनके आधार नंबर और उनके डुप्लीकेट फिंगरप्रिंट से बायोमेट्रिक मशीनें और एटीएम ऑपरेट किए जा रहे हैं।लोगों के अकाउंट से लाखों रुपये तक गायब हो चुके हैं।आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही मामले, जिनमें लाखों रुपये की ठगी कर ली गई। एक फेमस यूट्यूबर पुष्पेंद्र सिंह की मां के अकाउंट से पैसे निकाले गए थे।यूट्यूबर ने ट्विटर पर जानकारी देते हुए बताया कि उनकी मां के अकाउंट से बिना किसी टू-फैक्टर ऑथेंटिफ़िकेशन के पैसे निकाल लिए गए थे।उन्होंने कहा कि बैंक की ओर से मैसेज आदि का अलर्ट भी नहीं आया और जब पासबुक अपडेट करवाई तब जाकर ठगी का पता चला।यह ठगी आधार लिंक्ड फिंगरप्रिंट के जरिए हुआ।इसी साल जनवरी में हरियाणा के गुरुग्राम में एक ऐसा ही मामला दर्ज किया गया था।एक व्यक्ति के फिंगरप्रिंट्स की मदद से उसके अकाउंट से पैसे निकाल लिए गए।हालांकि ठगी का पता चलने पर आधार ऐप का इस्तेमाल करके बायोमैट्रिक को लॉक कर दिया।वहीं साल 2022 में एक ऐसा ही मामला सामने आया था।आधार इनेबल पेमेंट सर्विस एईपीएस की मदद से सिर्फ आधार कार्ड और फिंगप्रिंट से ग्रामीण इलाकों और कस्बों में ज्यादातर लोग पैसों की निकासी कर रहे हैं।

एक माह में चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस भरेंगी रफ्तार, बिहार और बंगाल को मिलने जा रहीं नई ट्रेनें

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में वंदे भारत ट्रेनें रफ्तार भरते हुए नजर आ रही हैं। इनमें से अधिकांश ट्रेनें अपनी पूरी क्षमता के साथ चल रही हैं। इसी कड़ी में आने वाले महज एक माह में रेलवे देश के अलग-अलग राज्यों से 4 नई वंदे भारत ट्रेनें शुरू करने जा रहा है। रेलवे मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, जून के आखिरी तक रेलवे कम से कम 4 नई वंदे भारत सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन लॉन्च करेगा। हाल ही में पीएम मोदी ने ओडिशा की पहली पुरी-हावड़ा के बीच वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी देकर रवाना किया। ओडिशा सरकार ने हावड़ा-पुरी मार्ग पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन के बाद भुवनेश्वर-हैदराबाद, पुरी-रायपुर और पुरी-हावड़ा मार्गों पर अधिक सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनें शुरू करने की मांग की है। भारतीय रेलवे के सूत्रों का कहना है कि पुरी-हावड़ा के बाद वंदे भारत ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी से गुवाहाटी के बीच चलेगी। इसके साथ ही पूर्वोत्तर को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिल जाएगी। पूर्वोत्तर की वंदे भारत ट्रेन गुवाहाटी से शुरू होगी। फिर पटना और रांची के बीच भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को चलाया जाएगा। साथ ही दिल्ली-देहरादून के बीच भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू होने वाली है। फिलहाल इस बात की जानकारी नहीं है कि दिल्ली से देहरादून के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन किन स्टेशनों पर रुकेगी। लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि मेरठ, मुजफ्फरनगर, रुड़की और हरिद्वार में इसका स्टॉप हो सकता है। लेकिन शेड्यूल अभी फाइनल नहीं हुआ है। इसके अलावा चौथी ट्रेन की तैयारी रेलवे पूरी कर ली है। लेकिन इसके रूट अभी तक तय नहीं किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, ओडिशा में दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पुरी-भुवनेश्वर-कटक-आंगुल-राउरकेला मार्ग पर चल सकती है। इसके अलावा अगले साल जनवरी-फरवरी में पुरी-भुवनेश्वर-कटक में वंदे मेट्रो चलाने की योजना है। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध करेंगे कि ओडिशा को एक और वंदे भारत और वंदे मेट्रो दी जाए। मुंबई-गोवा मार्ग में वंदे भारत का ट्रायल शुरू मंगलवार को मुंबई-गोवा मार्ग पर वंदे भारत एक्सप्रेस का परीक्षण परिचालन मंगलवार को शुरू हुआ।

गो फर्स्ट संकट पर पहली बार बोले नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय एविएशन सेक्टर पिछले कुछ समय से बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहा है।देश में सस्ती हवाई सेवा प्रदान करने वाली कंपनी गो फर्स्ट ने हाल ही में खुद को दिवालिया घोषित करने के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनलके पास आवेदन किया था। गो फर्स्ट संकट पर नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बात की है।उन्होंने कहा कि देश में सस्ती हवाई सेवा प्रदान करने वाली एयरलाइन गो फर्स्ट की दिवालिया प्रक्रिया घरेलू एविएशन क्षेत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। मीडिया से बात करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि गो फर्स्ट संकट देश के एविएशन क्षेत्र के लिए अच्छी बात नहीं है।

एलन मस्क, बोले- वर्क फ्रॉम होम नैतिकता के खिलाफ

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। ट्विटर के मालिक और टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने वर्क फ्रॉम होम के कल्चर को नैतिकता के खिलाफ बताया है।उनका कहना है कि ये ऑफिस के कल्चर के लिए सही नहीं है।एलन मस्क का मानना है कि कर्मचारियों को ऑफिस आकर काम करना चाहिए।घर से काम करने का कल्चर नहीं होना चाहिए। एलन मस्क ने ये भी कहा कि कोई जरूरी नहीं है कि हर वक्त ऑफिस से आकर काम करें, लेकिन हफ्ते में ज्यादातर दिन कर्मचारियों को ऑफिस से ही आकर काम करना चाहिए।एलन मस्क के इस बयान से साफ हो चुका है कि उनकी कंपनी टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर से वर्क फ्रॉम होम का कल्चर खत्म हो जाएगा।

'ऑफिस से बेहतर काम करते हैं कर्मचारी'

एलन मस्क ने शेयरहोल्डरों के साथ बैठक के बाद कहा कि मुझे लगता है कि कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम के मुकाबले ऑफिस आकर बेहतर काम करते हैं।उन्होंने नैतिक रूप से इसे गलत बताते हुए कहा कि आपको घर तक खाना देने वाला लेकर आता है, लेकिन वह अगर ये मेंटेन करने लगे तो क्या होगा? आपको खाना नहीं मिलेगा।ऐसे में ये वर्क फ्रॉम होम का कल्चर नैतिक रूप से सही नहीं है।

कोविड के दौरान शुरू हुआ था कल्चर

दुनिया में कोरोना महामारी के कारण कई कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम का कल्चर शुरू किया था।महामारी के दौरान और लॉकडाउन में घर से ही काम करने के लिए कहा गया था, लेकिन अब इसे धीरे—धीरे कंपनियों द्वारा यह कल्चर समाप्त किया जा रहा है।

इस्तीफे में तेजी

कंपनियों ने जैसे-जैसे कर्मचारियों को ऑफिस बुलाना फिर से शुरू किया है।इस्तीफे की संख्या बढ़ी है।भारत में पिछले साल अक्टूबर तक 70 फीसदी से ज्यादा कंपनियां हाइब्रिड मॉडल में चली गईं।इसका मतलब है कि सप्ताह में कम से कम कुछ बार कार्यालय आने की जरूरत है।

वट सावित्री पर सस्ता हुआ सोना, चांदी के भी गिरे भाव

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। वट सावित्री पर्व पर सोने व चांदी सस्ते हुए हैं।लगातार दूसरे दिन इनके दामों में गिरावट देखी जा रही है।ऐसे में खरीदारी करनेवालों के लिए अच्छी खबर है।लगन के मद्देनजर भी खरीदारी का अच्छा मौका है। झारखंड की राजधानी रांची के सर्राफा बाजार में आज 22 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत 57,450 रुपए व 24 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने के भाव 60,320 रुपए तय किए गए हैं।वहीं, चांदी प्रति किलो 78,100 रुपए के भाव से बेची जाएगी।सर्राफा व्यापारी व इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के सदस्य मनीष शर्मा ने को बताया कि सोना व चांदी के भाव में गिरावट देखी गई है।प्रति किलो चांदी की दर आज 100 रुपए गिरी है।आज चांदी प्रति किलो 78,100 रुपए के भाव से बेची जाएगी।जबकि कल (गुरुवार) शाम तक चांदी 78,200 रुपए की दर से बिक्री की गई थी। मनीष शर्मा ने बताया कि 22 कैरेट व 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम के भाव में करीब 200 रुपए की गिरावट देखी गई हैं।22 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम कल शाम 58,650 रुपए बिका।आज इसकी कीमत 57,450 रुपए तय की गई है।यानी दाम में 200 रुपए की गिरावट देखी गई।वहीं, गुरुवार को लोगों ने 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 60,530 रुपए के भाव से खरीदा था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	मेष--	03-44 बजे
चंद्र-	वृष में	वृष--	05-29 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	07-29 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	09-42 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	12-54 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	14-00 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	16-06 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	18-16 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	20-30 बजे
		मकर..	22-35 बजे
		कुंभ...	00-26 बजे
		मीन ..	02-04 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-**ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-47** सूर्य अस्त- **18-37**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **21 -31** तक उपरान्त द्वितीया
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , शनिवार **May 20**
नक्षत्र - कृत्तिका - **08- 02** - तक उपरान्त रोहिणी
योग - अतिगण्ड **-17 -17** - तक उप - सुकर्मा
करण- किंस्तुघन **-09 -23** - तक उप- बव
विशेष:- करवीर व्रत
व्रत -त्योहार - सर्वा.अमृत योग-**08 -03** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:58 से 10:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	05:46 - 07:21 अशुभ	लाभ	18:38 - 20:04 शुभ
शुभ	07:21 - 08:58 शुभ	उद्वेग	20:04 - 21:27 अशुभ
रोग	08:58 - 10:36 अशुभ	शुभ	21:27 - 22:50 शुभ
उत्पात	10:36 - 12:13 अशुभ	अमृत	22:50 - 00:13 शुभ
चंचल	12:13 - 13:50 शुभ	चंचल	00:13 - 01:35 शुभ
लाभ	13:50 - 15:27 शुभ	रोग	01:35 - 02:58 अशुभ
अमृत	15:27 - 17:04 शुभ	काल	02:58 - 04:21 अशुभ
काल	17:04 - 18:38 अशुभ	लाभ	04:21 - 05:46 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढ़ाव आ रहे हैं ।लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगे ।आपके कार्यस्थल पर बढ़ रहे तनाव से आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियां।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।आप स्वास्थ्य सम्बन्धी कई समस्याओं जैसे एसिडिटी ,अपच,शुष्क त्वचा तथा गिरते बालों से चिंतित रहेंगे ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योंकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे । चमकती हुई परियोजनाओं में निवेश न करे या ज्यादा उत्साह में न आए।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

आज का दिन काफी मुश्किलो से भरा रह सकता है और आपको सख्त नियमो का पालन करते हुए काफी कठिन परिश्रम करना पड़ेगा , लेकिन यह आपके भविष्य की योजनाओं के लिए एक ठोस आधार बनाने में मदद करेगा । आज का परिश्रम आपको भविष्य में फल देगा । हो सकता है की आप अपने सहयोगी की जिम्मेदारी भी ले ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे , इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बैंकिंग और आईटी स्टॉक्स में उछाल के चलते हफ्ते के आखिरी दिन तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है।तीनों दिनों लाल निशान में बंद होने के बाद शुक्रवार के दिन शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ है।बैंकिंग और अडानी स्टॉक्स में खरीदारी के बाद बीएसई सेंसेक्स 298 अंकों के उछाल के साथ 61,729 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 73 अंकों की तेजी के साथ 18,203 अंकों पर बंद हुआ है।इससे पहले सुबह बाजार में उतार - चढ़ाव देखा गया।बाजार सुबह हरे निशान में खुलने के बाद नीचे आ गया। आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, ऑटो, मेटल्स, रियल एस्टेट, एनर्जी, इंफ्रा सेक्टर के शेयरों में उछाल देखा गया।जबकि फार्मा, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है।स्मॉल कैप और मिड कैप इंडेक्स भी तेजी के साथ बंद हुआ है।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 22 शेयर तेजी के साथ तो 8 शेयर गिरकर बंद हुए जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 30 शेयर तेजी के साथ और 20 गिरकर बंद हुए।आज के कारोबार में टाटा मोटर्स 3.22 फीसदी, टेक महिंद्रा 2.30 फीसदी, इंफोसिस 1.84 फीसदी, एचसीएल टेक 1.31 फीसदी, महिंद्रा 1.04 फीसदी, विप्रो 0.88 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।जबकि एनटीपीसी 1.06 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.77 फीसदी, टाइटन कंपनी 0.66 फीसदी और पावर ग्रिड 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

विदेश में क्रेडिट कार्ड से खर्च करने पर लगेगा 20 प्रतिशत टीसीएस

आप पर क्या होगा इसका असर

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। क्रेडिट कार्ड के नए नियम विदेश यात्रा के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड से खर्च करने पर आगामी एक जुलाई से 20 प्रतिशत टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) का भुगतान करना होगा। वहीं,16 मई से क्रेडिट कार्ड से विदेश में होने वाले भुगतान को लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) में शामिल कर दिया गया है, जिसके चलते अब विदेश में क्रेडिट कार्ड से एक वित्त वर्ष में 2.5 लाख डालर से अधिक खर्च नहीं किया जा सकेगा। इस सीमा से अधिक खर्च करने के लिए आरबीआई से इजाजत लेनी होगी। अभी क्रेडिट कार्ड से विदेश में किए जाने वाले खर्च एलआरएस में शामिल नहीं थे। इस बदलाव के बाद क्रेडिट कार्ड से विदेश में होने वाले लेनदेन पर आपको टैक्स देना होगा। क्या आप जानते हैं कि मामूली लगने वाले इस बदलाव का आप पर कितना गहरा असर होगा?

सरकार ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के तहत नियमों में संशोधन किया है, जिसमें एलआरएस के तहत भारत के बाहर क्रेडिट कार्ड पर किए जाने वाले खर्च को शामिल किया गया है। इस बारे में और स्पष्टीकरण के लिए वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को एलआरएस के माध्यम से स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) के बारे में आमतौर पर पूछे जाने वाले प्रश्नों का एक सेट जारी किया। वित्त मंत्रालय ने 16 मई को इस बारे में अधिसूचना जारी की थी। वर्तमान में विदेश में एलआरएस के तहत सात लाख रुपये से अधिक खर्च करने पर पांच प्रतिशत का टीसीएस लगता है। हालांकि, एक जुलाई से मेडिकल और शिक्षा मद को छोड़ विदेश में भेजे जाने वाली या खर्च की जाने वाली सभी राशि पर 20 प्रतिशत टीसीएस लगेगा। टीसीएस के तहत वस्तु या सेवा विक्रेता उपभोक्ता से टैक्स वसूलता है। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के दौरान उपभोक्ता टीसीएस रिफंड का दावा कर सकता है, लेकिन उसका भुगतान इनकम स्लैब पर निर्भर करेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड को एलआरएस के दायरे में लाने और क्रेडिट कार्ड से विदेश में किए जाने वाले खर्च पर 20 प्रतिशत टीसीएस लगाने से विदेश यात्रा महंगी हो सकती है। मान लीजिए, विदेश यात्रा के दौरान होटल बुकिंग व अन्य पैकेज पर किसी ने दो लाख रुपये का भुगतान क्रेडिट कार्ड से किया तो एक जुलाई से उसे इतने अमाउंट पर 40,000 रुपये टीसीएस का देना होगा। 30 जून तक उसे दो लाख रुपये देने होंगे, लेकिन एक जुलाई से 2.40 लाख रुपये का भुगतान करना होगा।

डिफेंस प्रोडक्शन पहली बार 1 लाख करोड़ के पार : फाइनेंशियल ईयर-2023 में 12% से ज्यादा की ग्रोथ

पिछले साल यह आंकड़ा 95,000 करोड़ था

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में डिफेंस प्रोडक्शन की वैल्यू पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। इस बात की जानकारी डिफेंस मिनिस्ट्री ने दी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अभी डिफेंस प्रोडक्शन की वैल्यू 1,06,800 करोड़ रुपए है। यह आंकड़ा प्राइवेट डिफेंस इंडस्ट्रीज का डेटा आने के बाद और बढ़ जाएगा।

फाइनेंशियल ईयर-2023 में 12% से ज्यादा की ग्रोथ

एफवाई-23 में डिफेंस प्रोडक्शन की वैल्यू में एफवाई-22 की तुलना में 12% से ज्यादा की ग्रोथ हुई है। एफवाई 2021-22 में यह आंकड़ा 95,000 करोड़ रुपए था।

भारत पिछले एक दशक में दुनिया का सबसे बड़ा हथियार इंपोर्टर

सरकार ने कहा, 'हम रूस जैसे देशों से इम्पोर्ट पर अपनी निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पिछले एक दशक में दुनिया का सबसे बड़ा हथियार इंपोर्टर रहा है। देश अपनी लगभग आधी मिलिट्री सप्लाई के लिए रूस पर निर्भर है।

भारत के लोकल डिफेंस प्रोडक्शन की वैल्यू बढ़कर 1.07 ट्रिलियन रु हुई

डिफेंस मिनिस्ट्री ने बयान में कहा कि 31 मार्च को खत्म फाइनेंशियल ईयर में भारत के लोकल डिफेंस प्रोडक्शन की वैल्यू बढ़कर 1.07 ट्रिलियन रुपए हो गई है और कुछ प्राइवेट डिफेंस कंपनियों के डेटा आने के बाद इसमें और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

मिनिस्ट्री ने कहा, 'सरकार डिफेंस इंडस्ट्रीज और उनके एसोसिएशन के साथ लगातार काम कर रही है, ताकि उनके सामने आने वाली चुनौतियों को दूर किया जा सके और देश में डिफेंस प्रोडक्ट को बढ़ावा दिया जा सके।'

भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले एफवाई में 24% बढ़ा

मिनिस्ट्री ने बताया कि जारी किए गए डिफेंस-इंडस्ट्री लाइसेंसों की संख्या हाल के सालों में लगभग तीन गुना हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट भी पिछले फाइनेंशियल ईयर में 24% बढ़कर लगभग 160 बिलियन रुपए हो गया है।

क्या-क्या एक्सपोर्ट करता है भारत?

भारत डोर्नियर-228 विमान, आर्टिलरी गन्स, रूस के साथ ज्वाइंट वेंचर के तहत बनी ब्रह्मोस मिसाइल, रडार्स, आर्मर्ड व्हीकल्स, रॉकेट एंड लॉन्चर, गोला-बारूद (एम्यूनिशन) और अन्य इक्विपमेंट्स एक्सपोर्ट करता है।

भवानी सिंह कालवी के अलावा सभी कांग्रेसी नेताओं ने बीजेपी ज्वाइन की

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। भाजपा से पांच बार सांसद का चुनाव लड़ने के बाद महरिया ने निर्दलीय और कांग्रेस से भी सांसद का चुनाव लड़ा था। सचिन पायलट ने महरिया को कांग्रेस जॉइन कराई थी। लेकिन अब वह पार्टी को विदा कहकर बीजेपी में जा रहे हैं। राजस्थान में विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी को इससे बड़ा झटका लगा है और शेखावाटी का एक दिग्गज जाट चेहरा कांग्रेस पार्टी से निकलकर बीजेपी का दामन थाम रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे जयपुर में प्रदेश भाजपा कार्यालय में फिर से भाजपा में शामिल हो गए। हालांकि सुभाष महरिया के लिए यह घर वापसी है, क्योंकि वह पूर्व में बीजेपी में रहे हैं। लेकिन उन्हें कांग्रेस में सचिन पायलट लेकर आए थे। पार्टी में खुद सचिन पायलट की नहीं चल रही, इसलिए अपना राजनीतिक भविष्य देखते हुए विधानसभा और लोकसभा चुनाव से पहले महरिया ने बीजेपी का दामन थामना ही उचित समझा।

सुभाष महरिया ने 1999 में सीकर से कांग्रेस के दिग्गज नेता बलराम जाखड़ को चुनाव हराया था। महरिया को कांग्रेस में लाने में अहम भूमिका सचिन पायलट की रही थी। दरअसल, साल 2014 के लोकसभा चुनाव में सीकर में पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के प्रमुख नेता रहे सुभाष महरिया ने बीजेपी से टिकट कटने पर बागी के तौर पर पर्चा दाखिल कर दिया था। उन्होंने अपना टिकट कटने पर नाराजगी जताते हुए पार्टी आलाकमान के विरोध में यह कदम उठाया था। निर्दलीय पर्चा भरने से पहले कार्यकर्ता सम्मेलन में महरिया ने कहा, महापंचायत के निर्णय पर बड़े संघर्ष में कूदने जा रहा हूं। जयपुर दिल्ली के बड़े नेताओं के अलावा (तत्कालीन) मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और नरेंद्र मोदी से भी फोन पर बात हुई। मोदी से लंबी चर्चा के बावजूद एक बार भी मुझे फार्म भरने से नहीं रोका। महरिया को कांग्रेस पार्टी में सचिन पायलट ने ज्वाइन करवाया था। लेकिन पायलट खुद पिछले साढे चार साल से संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में अपना राजनीतिक भविष्य असुरक्षित देखते हुए ही महरिया ने बीजेपी में आने की कोशिशें पिछले एक साल से चला रखी थीं। अब विधानसभा चुनाव छह महीने बाद होना है और अगले ही साल 2024 में लोकसभा चुनाव भी है। राजस्थान में सत्ता परिवर्तन का ट्रेंड चला आ रहा है। इसलिए बीजेपी पार्टी ही महरिया को उचित मंच लगा। अब सुभाष महरिया की बीजेपी में वापसी से किसे फायदा या नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता है। लेकिन बीजेपी नेतृत्व और संगठन को उनके पिछले रिकॉर्ड को देखना होगा। क्योंकि महरिया कभी किसी पार्टी के वफादार नहीं रहे।

स्कूलों में प्रवेश के लिए शिक्षा मंत्री ने निकाली लॉटरी

एक क्लिक में देखें विद्यालयवार वरीयता सूची

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने शुक्रवार को शिक्षा संकुल में प्रदेश के 32 हजार 722 गैर सरकारी विद्यालयों में आरटीई के तहत निःशुल्क प्रवेश के लिए वरीयता का निर्धारण करने के लिए ऑनलाइन लॉटरी निकाली। इसके माध्यम से इन विद्यालयों में प्री-प्राइमरी एवं कक्षा-1 की 25 प्रतिशत सीटों पर गरीब, कमजोर एवं वंचित वर्ग के बालक-बालिकाओं को निःशुल्क प्रारम्भिक शिक्षा दी जाएगी।

इन विद्यार्थियों की फीस का पुनर्भरण राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। लॉटरी द्वारा जारी विद्यालय वार वरीयता सूची अभिभावक प्राइवेट स्कूल पोर्टल https://rajpsp.nic.in के होम पेज पर 'वरीयता सूची' के लिंक को क्लिक करके देख सकते हैं।

इसके साथ ही आवेदन की आईडी (नम्बर) एवं मोबाईल नम्बर से लॉगिन करके बालक-बालिकाओं के वरीयता क्रमांक को सभी आवेदित विद्यालयों में एक साथ देखा जा सकता है।

शिक्षा मंत्री डॉ. कल्ला ने कहा कि यूपीए सरकार में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में देश में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किया गया था, जो देश और प्रदेश में कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए वरदान साबित हुआ है। प्रदेश में वर्ष 2012-2013 से निजी स्कूलों में आरटीई के तहत निःशुल्क सीटों पर प्रवेश दिया जा रहा है, तब से लेकर अब तक करीब राज्य के करीब 9 लाख बालक-बालिकाओं को इसका सीधा फायदा मिला है।

उन्होंने कहा कि आरटीई के तहत राजस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा पारदर्शिता के साथ समस्त प्रक्रियाओं को पूरा किया जा रहा है और भारत सरकार के नॉर्म्स के अनुसार निजी विद्यालयों को इन विशेष वर्गों के विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए राशि का पुनर्भरण किया जा रहा है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरटीई के तहत जो निजी विद्यालय सही तरीके से कार्य कर रहे हैं, उनको प्राथमिकता और तत्परता से समय पर फीस का पुनर्भरण सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए।

पानी की समस्या को लेकर बीजेपी करेगी आंदोलन

महंगाई राहत के नाम पर कांग्रेस गुमराह कर रही

अजमेर, 19 मई (एजेंसियां)। अजमेर में बीजेपी नेताओं ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया और गहलोत सरकार पर निशाना साधा। बीजेपी नेताओं ने सरकार को पेयजल समस्या, बिजली कटौती, बिजली सरचार्ज में बढ़ोतरी, कोयला संकट, भ्रष्टाचार, महंगाई राहत कैंप में आमजन को परेशानी सहित हर मुद्दे पर आड़े हाथों लिया।

अजमेर दक्षिण से बीजेपी विधायक अनिता भदेल ने कहा कि बीजेपी सरकार की घोषणाओं का नाम बदलकर कांग्रेस सरकार वाहवाही लूट रही है। महंगाई राहत कैंप के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है। भीषण गर्मी में आम जनता पानी की समस्या से त्रस्त है। सत्ता की लोलुपता के चलते कांग्रेस नताओं के साथ कार्यकर्ता भी आपस में लड़ रहे हैं।

वहीं, शहर अध्यक्ष रमेश सोनी ने कहा कि चुनावी वर्ष में सरकार वोट बटोरने के लिए जनता को राहत कैंप के नाम पर धक्के खिला रही है, जिस प्रकार सरकार ने घोषणा की थी, बिजली दरें नही बढ़ाएंगे, लेकिन फिर भी टैक्स लगाकर बढ़ोतरी कर रही है। उससे जनता का जीना दुर्भर हो गया है। पार्टी दो धड़ों में बंटी हुई है, उनकी लड़ाई सड़कों पर आ चुकी है। सत्ता के लालच में कांग्रेस कार्यकर्ता की पिटाई की गई, इसके अलावा पेयजल व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। शहर की जनता प्यासी है, इसी को लेकर आने वाले समय में भाजपा की ओर से बड़ा आंदोलन किया जाएगा। सोनी ने कहा कि शहर में सरेराह हत्या हो रही है, कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है।

वहीं, अजमेर नगर निगम के उपमहापौर नीरज जैन ने भी कांग्रेस सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया और कहा कि सरकार बिजली के दामों में लगातार बढ़ोतरी कर रही है। दूसरी ओर महंगाई राहत कैंप लगाकर 100 यूनिटी फ्री देने की बात कर जनता को गुमराह कर रही है।

शहर में भीषण गर्मी के मौसम में पानी की समस्या है। लोगों को टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ता है। दो-तीन दिन में पानी की सप्लाई हो रही है, जिसको लेकर आने वाले समय में जनता के साथ मिलकर भाजपा के द्वारा पानी की समस्या को लेकर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। भाजपा की प्रेस वार्ता में दक्षिण विधायक अनिता भदेल, शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, महापौर ब्रजलता हाड़ा, उपमहापौर नीरज जैन, प्रियशील हाड़ा, मीडिया सहप्रभारी रचित कच्छावा मौजूद रहे।

नप में वसुंधरा खेमे से समर्थित कांग्रेस सभापति-आयुक्त पर भ्रष्टाचार के आरोप

पार्षदों ने फूंका पुतला

धौलपुर, 19 मई (एजेंसियां)। शुक्रवार को धौलपुर नगर परिषद कार्यालय के सामने सभापति और आयुक्त का पुतला दहन कर पार्षदों ने जमकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस, बीजेपी और निर्दलीय पार्षदों ने लामबंद होकर नगर परिषद सभापति और आयुक्त पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदर्शनकारी पार्षदों ने बताया कि लंबे समय से नगर परिषद आयुक्त और कांग्रेस की सभापति मनमाने तरीके से बिना बोर्ड की बैठक बुलाए ही ठेकेदारों को लाभ पहुंचा रहे हैं। रिकॉर्ड में संविदा पर लगे ठेका सफाई कर्मचारियों की संख्या अधिक होने के बावजूद भी शहर में सफाई व्यवस्था नहीं की जा रही है। नगर परिषद में इन दिनों दलालों का बोलबाला है। बिना दलालों के आम लोगों के काम नगर परिषद में नहीं किए जा रहे हैं। वार्ड पार्षद अगर नगर परिषद प्रशासन से कोई भी जानकारी मांगते हैं, तो उनको नगर परिषद द्वारा जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जाती है, जिससे पार्षदों में भारी रोष व्याप्त है। पार्षदों ने बताया कि सभापति खुशबू सिंह अपने चहेते ठेकेदारों को बिना टेंडर के ठेका दे देते हैं और कार्य पूरा हो जाने के बाद टेंडर की खानापूर्ति कर दी जाती हैं। साथ ही टेंडरों की निविदाएं भी अखबारों में प्रकाशित नहीं की जाती हैं। सरकारी जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं और बिना पैसे के नगर परिषद में कोई भी कार्य नहीं हो रहा है। नगर परिषद द्वारा बनाई गई समितियों में भी भ्रष्टाचार किया जा रहा हैं। पार्षदों ने बताया कि ढाई साल में कांग्रेस के सभापति ने एक भी बैठक नहीं बुलाई हैं और बिना बैठक के बजट भी पास कर दिए हैं। पार्षदों ने चेतावनी दी है कि सीएम अशोक गहलोत अगर धौलपुर नगर परिषद के कार्यों की जल्द जांच नहीं कराते हैं और उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं इसका खामियाजा विधानसभा चुनाव में उठाना पड़ेगा।

शिक्षा मंत्री बोले- प्राइवेट स्कूलों में सरकारी से बेहतर मैनेजमेंट

कहा- वहां सैलरी कम मिलती है, लेकिन काम कसकर होता है

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने शुक्रवार को जयपुर के शिक्षा संकुल में राइट टू एजुकेशन की लॉटरी निकली। इसके तहत प्रदेश के 37 हजार 345 प्राइवेट स्कूल में लगभग 2 लाख सीटों पर जरूरतमंद बच्चों को फ्री एडमिशन दिया जाएगा। इस दौरान शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सरकारी स्कूल के मैनेजमेंट को सुधारने की भी नसीहत दे डाली दी। कल्ला ने कहा- हमारे पास बेहतर टीचर होते हुए भी हम सिर्फ कमजोर मैनेजमेंट की वजह से प्राइवेट स्कूलों को टक्कर नहीं दे पाते हैं। जबकि प्राइवेट स्कूलों में बेहतर तरीके से मैनेजमेंट किया जाता है। उन्होंने कहा कि हम सुपरविजन नहीं कर पाते हैं। जबकि हमारे पास वेल ट्रेंड स्टाफ है। जिन्हें फुल पेमेंट और सारी सुविधाएं दी जाती है।

मैनेजमेंट की कमियों की वजह से हम पूरा काम नहीं ले पाते हैं। जबकि प्राइवेट स्कूलों में हमारे से कम ट्रेंड टीचर्स है। वहीं, कई जगह तो टीचर्स को पूरा पेमेंट भी नहीं मिलता। वहां टीचर्स से कसकर काम लिया जाता है। इसकी वजह से लोगों में प्राइवेट स्कूल का क्रेज है। ऐसे में हमें भी अपने मैनेजमेंट में सुधार करना होगा। इस दौरान शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने कहा- राजस्थान में अब तक 9 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स राइट टू एजुकेशन स्कीम के तहत निशुल्क शिक्षा का लाभ ले चुके हैं। भविष्य में भी हम इसे जारी रखेंगे। ताकि जरूरतमंद बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा मिल सके। बता दें कि इस बार प्रदेशभर के 5 लाख 38 हजार 579 स्टूडेंट्स ने अलग-अलग स्कूलों में एडमिशन के लिए 18 लाख से ज्यादा बार आवेदन किया था। इनमें इनमें 664 अनाथ, 363 कैंसर और एचआईवी प्रभावित, 478 निशक्तजन 40,183 बीपीएल और युद्ध विधवा के 1067 बच्चे भी शामिल हैं। अभिभावकों को 5 निजी स्कूलों में एडमिशन की वरीयता भी बतानी होगी। इसके अलावा भी अन्य कई बड़े बदलाव किए गए हैं। शिक्षा विभाग की प्रस्तावित गाइडलाइन के अनुसार एक साथ चार कक्षाओं में प्रवेश होंगे। इनमें पीपी 3 प्लस, पीपी 4 प्लस, पीपी 5 प्लस और कक्षा प्रथम में प्रवेश होंगे। प्री प्राइमरी क्लासेज में राज्य सरकार ने पिछले सेशन के अंतिम महीने में आरटीई के तहत एडमिशन दिए थे। न्यायालय आदेश के चलते राज्य सरकार ने सत्र के अंतिम दिनों में एडमिशन करवाए। प्रवेश के लिए निकाली जाने वाली लॉटरी में दिव्यांग और अनाथ बच्चों को प्राथमिकता मिलेगी। यानी इन बच्चों का सबसे पहले प्रवेश होगा। इसके बाद अन्य विद्यार्थियों को प्राथमिकता में रखा जाएगा। इससे पहले इन्हें प्राथमिकता नहीं दी जाती थी। आरटीई कानून के तहत प्राइवेट स्कूलों को अपने यहां एंट्री लेवल की कक्षा में कुल संख्या में से 25 फीसदी सीटों पर फ्री प्रवेश देना होगा। बाकी 75 प्रतिशत सीटों पर वे फीस लेकर प्रवेश दे सकते हैं। 25 फीसदी सीटों पर फ्री प्रवेश का भुगतान राज्य सरकार देती है। बच्चा जिस वार्ड या गांव का है उसे अपने क्षेत्र के निजी स्कूल में पहले प्राथमिकता दी जाती है।

सीट खाली होने पर दूसरे वार्ड के बच्चे को प्रवेश दिया जाएगा। लॉटरी के बाद अभिभावकों को 5 निजी स्कूलों में से किसी एक स्कूल में ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होती है, लेकिन अभिभावक ऐसा करना भूल जाते हैं।

सब इंस्पेक्टर भंवर सिंह ने प्रथम प्रयास में फतह किया माउंट लोबुचे पीक

6119 मीटर पर फहराया तिरंगा

जोधपुर, 19 मई (एजेंसियां)। थाना रातानाडा जिला जोधपुर जिले में कार्यरत सब इंस्पेक्टर भंवर सिंह ने पर्वतारोहण के प्रथम प्रयास में माउंट लोबुचे पीक 6119 मीटर की चढ़ाई कर नाम रोशन राजस्थान और देश का नाम रोशन किया। भंवर सिंह ने नेपाल के हिमालय पर्वत श्रृंखला में स्थित माउंट लोबुचे पीक 6119 मीटर पर प्रथम प्रयास में सफलता पूर्वक क्लाइंबिंग कर राष्ट्रीय ध्वज और राजस्थान पुलिस का फ्लैग लहराया है। भंवर सिंह राजस्थान पुलिस के प्रथम व्यक्ति हैं, जिन्होंने 6000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर क्लाइंबिंग कर सफल पर्वतारोहण को अंजाम दिया है।

डीसीपी पूर्व डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि थाना रातानाडा के उप निरीक्षक भंवर सिंह ने नेपाल के हिमालय पर्वत श्रृंखला में स्थित माउंट लोबुचे पीक 6129 मीटर पर प्रथम प्रयास में सफल क्लाइंबिंग कर चोटी पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और राजस्थान पुलिस का दर्ज कराया गया। माउंट लोबुचे पीक जो कि टेक्निकल चैलेंजिंग माउंटेन की श्रेणी में आता है, इसे सफल आइस क्लाइंबिंग व हाई किंग करते हुए एसआई भंवर सिंह द्वारा सफलता अर्जित की गई है।

डीसीपी ने बताया कि एसआई भंवर सिंह का लक्ष्य माउंट एवरेस्ट और विश्व के अन्य टॉप माउंटेन पर पर्वतारोहण करना है। जिसकी तैयारी वह अपनी ड्यूटी के साथ-साथ कर रहे हैं।

353 किलो गांजे के साथ अन्तर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

आरोपी ने उड़ीसा में खोल रखा है होटल

सवाई माधोपुर, 19 मई (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट और सवाई माधोपुर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांजा परिवहन में इस्तेमाल एक मिनी कंटेनर वाहन भी जब्त करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्कर राजेंद्र कुमार मीणा को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बाटोदा थाना क्षेत्र के टोल नाके के पास की गई।

आयुक्तालय जयपुर से मिली जानकारी के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कैलाश चंद विश्नोई, सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल के निर्देशन में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के अंतर्गत इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सीएसटी यूनिट के पुलिस निरीक्षक बनवारी लाल मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर से मिली सूचनाओं पर बाटोदा थाना पुलिस के साथ नावाडिया टोल प्लाजा स्टेट हाइवे पर दबिश दी। इस पर आरोपी को 353 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। यह गांजा एक मिनी कंटेनर के अंदर कुल 83 पैकेट में रखा हुआ था।

बाटोदा एसएचओ रामकेश मीणा और पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी राजेंद्र कुमार मीना पुत्र प्रकाश चंद उदेई खुर्द, पीलोदा का निवासी है। जो ट्रक ड्राइवरी का काम करता है। आरोपी ने उड़ीसा में एक होटल भी खोल रखा है, जिसकी आड़ में वह मादक पदार्थ की तस्करी करता था। बताया जा रहा है कि आरोपी पिछले दो साल से गांजा तस्करी का काम कर रहा था। आरोपी एक बार में 8-10 क्विंटल गांजा लाकर जयपुर और करौली क्षेत्र में सप्लाई करता था। बहरहाल, आरोपी से और पूछताछ की जा रही है।

पुलिस पर हमला करने वाले चार बजरी माफिया गिरफ्तार

दो-दो हजार का इनाम था घोषित

धौलपुर, 19 मई (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के रूपबास थाना इलाके में 17 फरवरी को बजरी माफियाओं ने थाना प्रभारी समेत पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। बजरी माफियाओं द्वारा किए गए हमले में थाना प्रभारी भोजाराम सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। घटना में शामिल धौलपुर जिले के बजरी माफिया की तलाश करते हुए एसपी भरतपुर ने उन पर दो-दो हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। कोतवाली थाना पुलिस ने देर रात को कार्रवाई करते हुए चार इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर थाना प्रभारी अनिल जसोरिया ने बताया कि बजरी के खिलाफ पुलिस का अभियान चलाया जा रहा है। जिस अभियान के अभियान के तहत मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि भरतपुर में हुई घटना में शामिल चार फरार बदमाशों के 22मोरोली गांव के पास आने की सूचना मिली थी। जिस सूचना पर कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर चार इनामी बदमाश सोनू पुत्र रामस्वरूप, राम हरि पुत्र बैजनाथ, विश्वभर पुत्र गंगाराम और दशरथ पुत्र बैजनाथ को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि चारों बदमाश 17 फरवरी को भरतपुर पुलिस के साथ हुई घटना में शामिल थे। जिन पर एसपी भरतपुर द्वारा दो-दो हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। देर रात को गिरफ्तार किया गया चारों बदमाशों को भरतपुर जिले की रूपबास थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया है। जहां बदमाशों से घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है। संगठित अपराध अर्थात बजरी परिवहन धौलपुर एवं भरतपुर पुलिस के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित चंबल नदी से ही बजरी का परिवहन किया जाता है। बजरी माफिया बेखौफ धौलपुर जिले से गुजर रही चंबल नदी के विभिन्न क्षेत्रों से बजरी परिवहन करते हैं। बजरी माफियाओं द्वारा सांठगांठ कर उत्तर प्रदेश के आगरा एवं राजस्थान के भरतपुर में बजरी की सप्लाई की जाती है।

70 साल के बुजुर्ग को न्यूड वीडियो दिखाकर ठगी

कोटा, 19 मई (एजेंसियां)। 70 वर्षीय बुजुर्ग से ऑनलाइन ठगी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वॉट्सऐप कॉल करके बुजुर्ग को एक युवती की न्यूड वीडियो दिखाई। फिर कुछ दिन बाद एक लिंक शेयर किया। लिंक के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बात कहकर लिंक हटाने के बहाने धमकी दी। और अलग अलग समय पर रूपए ट्रांसफर करवाए। पुलिस ने आरोपी को भरतपुर के कामां से गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी शरद चौधरी ने बताया- 4 फरवरी को महावीर नगर थाना क्षेत्र निवासी सीनियर सिटीजन ने साइबर थाने में शिकायत दी थी। इसमें बताया कि उनके वॉट्सऐप नंबर पर एक अज्ञात वीडियो कॉल आया था। उसके बाद एक युवती की न्यूड पिक्चर कुछ सेकेंड के लिए दिखाई गई।

कुछ दिन बाद 11 जनवरी को राहुल शर्मा नामक व्यक्ति ने उनको वॉट्सऐप नंबर पर एक शॉट वीडियो भेजी। खुद को यूट्यूब केयर से बोलना बताया। वीडियो नहीं हटवाने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। उसने वीडियो हटवाने के बहाने पहली बार में 25 हजार लिए।

ज्वेलरी शॉप पर चोरी का खुलासा

दौसा, 19 मई (एजेंसियां)। दौसा की थाना नांगल राजावतान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर 22 अप्रैल को थाना क्षेत्र में ज्वैलरी शॉप पर हुई चोरी की घटना का खुलासा कर अंतरराज्यीय गिरोह की तीन महिलाओं समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में इस्तेमाल एक सिलेरियो कार जब्त की है। दौसा एसपी संजीव नैन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सीता देवी दोहरे (46 साल), सावित्री देवी दोहरे (50 साल), राजरानी देवी दोहरे (49 साल) थाना वकेवर जिला इटावा उत्तर प्रदेश, मनोज कुमार दोहरे (37 साल) थाना औरैया उत्तर प्रदेश और अजय कुमार दोहरे (36 साल) थाना अमरोहा जिला कानपुर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। घटना के बारे में 24 अप्रैल को ज्वेलर चंद्र प्रकाश सोनी ने बताया कि 22 अप्रैल को तीन अज्ञात महिलाएं आभूषण देखने के बहाने 40 ग्राम के सोने के आभूषण चोरी कर ले गई।

पुलिस ने घर में घुसे बदमाश को किया गिरफ्तार

एक देशी पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद

बाड़मेर, 19 मई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के चौहटन थानाक्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार लेकर घर में घुसे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्तौल और पांच कारतूस बारामद हुए हैं। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ कर रही है। बाड़मेर की चौहटन पुलिस के अनुसार रात के समय में लीलसर निवासी विश्नाराम ने सूचना दी कि एक अनजान व्यक्ति रात में उसके घर अंदर घुस गया है। उसने उस व्यक्ति को घर के कमरे में बंद करके रखा हुआ है। जानकारी मिलने चौहटन थानाधिकारी भुटाराम, एएसआई नेनाराम, सुभान अली मय पुलिस जाब्ता तुंरत मौका सियागपुरा लीलसर पहुंच संदिग्ध हरखाराम पुत्र कालूराम निवासी प्रेम सिंह की ढाणी देदूसर बीजराड़ को दस्तयाब किया गया।

तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक देशी पिस्तौल मय पांच कारतूस बरामद हुए हैं।

देश में परिवर्तन लाने व सभी वर्ग के कल्याण के लिए महान लक्ष्य निर्धारित : केसीआर

नांदेड, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि महाराष्ट्र में तीस दिनों के भीतर बीआरएस का मजबूत संगठन तैयार हो जाएगा। तीस दिन के प्रयास से महाराष्ट्र की राजनीति बदल जाएगी। अब भारत बदलने का मौका महाराष्ट्र को मिला है। केसीआर ने शुक्रवार को नानदेड में बीआरएस कार्यकर्ताओं की दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए बीआरएस कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे तीस दिनों की मेहनत से पचास हजार गांव और निगम वार्ड में बीआरएस की मजबूत टीम तैयार करें और पूरे भारत का इतिहास बदलने की नींव डालें। हमने देश में परिवर्तन करने और सभी वर्ग के कल्याण का महान लक्ष्य निर्धारित किया है। ळक्ष्य प्राप्त करने तक हम काम करेंगे। जबतक मंजिल तक नहीं पहुंचेंगे, किसी भी कीमत पर यह प्रयास नहीं रोकेंगे। केसीआर ने कि देश में करीब पचास प्रतिशत किसान हैं, यह चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त है। किसानों को अपनी किस्मत खुद लिखना चाहिए। केसीआर ने अपने संबोधन में कहा

कि भारत में परिवर्तन हमारा लक्ष्य है। मुंबई, पुणे, औरंगाबाद और नागपुर में बीआरएस पार्टी का स्थाई कार्यालय खुलेगा, सभी कार्यालयों में लगातार लंगर चलेगा। करीब छह सौ लोगों और पार्टी कार्यकर्ता के लिए लंगर की व्यवस्था की जाएगी। केसीआर ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा चुनाव हारी है और कांग्रेस चुनाव जीत गई है। लेकिन कुछ बदलने वाला नहीं है, यह कथा पचहत्तर साल से चला आ रहा है। चुनाव के बाद जनता की जीत होनी चाहिए। हम जनता को जिताने की शपथ ले रहे हैं। जनता की अपेक्षा के अनुरूप सरकार बनाएंगे। बीआरएस ने तेलंगाना में किसानों को जिताकर दिखाया है। अब पूरे भारत में तेलंगाना मॉडल की बात हो रही है। केसीआर ने कहा कि हमारी आंखों के सामने चीन विश्व का सबसे प्रबल आर्थिक शक्ति बनकर तैयार हो गया है। सिंगापुर, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान नया रास्ता पकड़कर विकसित हो चुके हैं। लेकिन हमें पीने का पानी पर्याप्त नहीं मिल रहा है। आजादी के पचहत्तर साल बाद भी देश की राजधानी दिल्ली में पर्याप्त बिजली और पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। एक भी राजनीतिक पार्टी में बदलने की इच्छाशक्ति रहती तो देश में बदलाव हो गया रहता। पिछड़े और आदिवासी अभी तक पिछड़े हैं। बीआरएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जिस लक्ष्य की शुरूआत आज हम कर रहे हैं, वह साधारण लक्ष्य नहीं है। शरद जोशी के नेतृत्व में महाराष्ट्र के किसानों ने आंदोलन किया। तेलंगाना राज्य बनने से पहले वहां भी महाराष्ट्र से बुरी स्थिति थी। तेलंगाना राज्य को कुल नौ वर्ष का समय मिला जिसमें कोरोना काल को छोड़कर मात्र सात वर्ष ही काम काज हो पाया है। तेलंगाना देश में सर्वाधिक तीन करोड़ टन धान उगाने वाला राज्य बन चुका है। हरित क्रांति लाने वाले प्रदेश पंजाब से धान उत्पादन में तेलंगाना आगे हो चुका है। सरकार ने 71 सौ धान खरीद केन्द्र खोले हैं जिससे प्रत्येक किसान को खरीद मूल्य मिलता है और दलालों से उनका बचाव होता है।

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति की 37वीं तिमाही समीक्षा बैठक

एसएलबीसी के संयोजक ने तेलंगाना में बैंकों के प्रदर्शन प्रस्तुत किया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना ने मार्च 2023 को समाप्त तिमाही के लिए बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए अपनी 37वीं तिमाही समीक्षा बैठक बुलाई है। बैठक में वित्त मंत्री टी. हरीश राव, कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी, विशेष मुख्य सचिव (वित्त) के. रामकृष्ण राव, अतिरिक्त सचिव डीएफएस, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार तेलंगाना सरकार डॉ. एम.पी. तंगीराला, श्रीमती के. निखिला, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, डॉ. एन. सत्यनारायण आईएएस, सीडीएमए और एमडी एमईपीएमए, देबाशीष मित्रा, महाप्रबंधक और संयोजक, एसएलबीसी तेलंगाना, श्रीमती सुशीला चिंताला, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने भाग लिया।

देवाशीष मित्रा, महाप्रबंधक, एसबीआई और एसएलबीसी के संयोजक ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान तेलंगाना में बैंकों के प्रदर्शन को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष के दौरान बैंकों की कुल जमा राशि में 50,481 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

वित्तीय वर्ष के दौरान 11% की वार्षिक वृद्धि के साथ बैंकों के साथ कुल अग्रिमों में 81,564 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है और सभी बैंकों के अग्रिम 813,896 करोड़ रुपये थे। सीडी अनुपात 100 प्रतिशत से ऊपर बना हुआ है और मार्च 2022 की तुलना में 115.787 से बढ़कर 119.167 हो गया है। बैंकों ने मिलकर रुपये का वितरण किया है।

बैंकों ने कृषि को निवेश ऋण के रूप में 44,644 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। बैंकों ने वार्षिक लक्ष्य का 25% हासिल करने के लिए प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के तहत 679 करोड़ रुपये का शैक्षिक ऋण वितरित किया है। बैंकों ने वार्षिक लक्ष्य का 44% प्राप्त करते हुए 4,559 करोड़ रुपये की राशि के प्राथमिकता क्षेत्र के तहत आवास ऋण वितरित किए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना योजना के तहत, बैंकों ने वार्षिक लक्ष्य का 91% हासिल करते हुए 8,135 करोड़ रुपये का वितरण किया है। उन्होंने बैंकों से अनुरोध किया कि वे पिछले वित्तीय वर्ष की कमी को पूरा करने के लिए इस वित्तीय वर्ष में पीएमएमवाई के तहत ऋण देने में सुधार करें। जहां तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का संबंध है, बैंकों ने प्रधानमंत्री सुरक्षा भीम योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 121.48 लाख ग्राहकों को और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत 52.00 लाख ग्राहकों को कवर किया है। अटल पेंशन योजना योजना के लिए 15.96 लाख ग्राहकों ने सदस्यता ली है।

आत्म निर्भर भारत अभियान के तहत बैंकों ने जीईसीएल के तहत लाभार्थियों को 10,140 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और 9,266 करोड़ रुपये वितरित किए हैं।

पीएम स्वनिधि ट्रांच 1 के तहत, बैंकों ने 359,227 आवेदन स्वीकृत किए हैं और रेहड़ी-पटरी वालों को 352,310 ऋण वितरित किए हैं। ट्रांच 2 के तहत, बैंकों ने 163,533 आवेदनों को मंजूरी दी है और 124,769 स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किया है। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री टी हरीश राव गारू, माननीय कृषि मंत्री श्री एस निरंजन रेड्डी गारू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक क्रेडिट योजना (बैंक) का अनावरण किया।

ईसीआईएल में तकनीकी लेखन पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, परमाणु ऊर्जा विभाग का उद्यम, हैदराबाद में कॉरपोरेशन के तकनीकी कर्मचारियों के लिए 'राजभाषा नीति एवं तकनीकी लेखन' विषय पर राजभाषा कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का मुख्य प्रयोजन कार्मिकों को कॉरपोरेशन में भारत सरकार की राजभाषा नीति तथा कार्यालयीन हिन्दी का अभ्यास कराना था। इस कार्यशाला का संचालन उप प्रबंधक (राजभाषा) एवं प्रभारी, राजभाषा अनुभाग, डॉ. राजनारायण अवस्थी ने किया।

कार्यशाला में तकनीकी संस्थानों में राजभाषा नीति के अनुपालन के महत्व तथा ईसीआईएल में हिन्दी के संदर्भ में सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स से संबधित तकनीकी लेखन की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस कार्यशाला के प्रथम सैद्धांतिक सत्र में संघ की राजभाषा नीति के अंतर्गत राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम, राजभाषा संकल्प, राजभाषा संबंधी विभिन्न आदेश, राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम तथा प्रयोजनमूलक प्रशासनिक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण आदि विषयों की जानकारी दी। द्वितीय तकनीकी अभ्यास सत्र में तकनीकी लेखन, शब्दावली, नाभिकीय, वांतरिक्ष, सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार तथा ई-गवर्नेंस सहित विभिन्न तकनीकी विषयों पर परस्पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर पावरपाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ईसीआईएल में राजभाषा गतिविधियों तथा संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित गहन जानकारी भी दी गई। इसके साथ-साथ कॉरपोरेशन के प्रकाशनों; 'रक्षा क्षेत्र में ईसीआईएल', 'ईसीआईएल उत्पाद प्रोफाइल' तथा 'इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन (ईवीएम) मैनुअल', 'प्रमाणिका जानकारी पुस्तिका', 'मेस दूरदर्शक प्रोफाइल', 'साइबर फोरेन्सिक्स क्षेत्र में ईसीआईएल', 'आरडीई- पहले मुझे पढ़ें', 'अनुसंधान एवं विकास रिपोर्ट', 'वार्षिक रिपोर्ट' तथा 'ईसीआईएल गौरव' को प्रदर्शित किया गया। इस सत्र में श्रीमती आर. चन्द्रकला, प्रबंधक (तकनीकी) ने "एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संदर्भ में यात्रा संस्मरण के माध्यम से भारत की सामासिक एकता के महत्वपूर्ण पक्षों को प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण के दौरान राजभाषा संबंधित अध्ययन सामग्री 'राजभाषा नीति: संक्षिप्त परिचय' भी दी गई। इस अवसर पर वी. रविशा ने कार्यशाला की सार्थकता पर विशेष रूप से अपने विचार प्रस्तुत करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यशाला आयोजन में श्रीमती वी. कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अम्बेडकर, कनि. अनुवादक (राजभाषा) एवं अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक ने सहयोग दिया।

महापरिवर्तन आंदोलन की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महापरिवर्तन आंदोलन के बिहार प्रभारी श्री श्रीकांत पांडेय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महापरिवर्तन आंदोलन के प्रेरणास्रोत वीके सिंह ने सभी को बताया कि हर पंचायत और हर प्रखंड में समिति को बनाकर महा परिवर्तन आंदोलन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। सभी ग्राम समिति, प्रखंड समिति और जिला समिति के सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्र में दौरे की तैयारी सुनिश्चित करना है। महा परिवर्तन आंदोलन के प्रभारी श्रीकांत पांडेय ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि सभी सदस्य अपने क्षेत्र में बैठक का आयोजन करें और दौरे की तैयारियों को पूर्ण करें। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए तथा आश्वासन दिया कि वे अपने अपने क्षेत्र में बिहार दौरे की तैयारियां सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर सह प्रभारी एसए खान, मनीश चौबे, आरपी सिंह, एके मिश्रा, केडी चौबे, केबीएन सिंह, राजीव रंजन चौबे, राणा अजय सिंह, सुबोध कुमार सिंह, सुशील श्रीवास्तव, विजय सिंह, वीडी चौबे, सीताराम ठाकुर आदि उपस्थित हुए।

वाटर वर्क्स अधिकारी से गोशामहल क्षेत्र की जल निकासी समस्या पर ध्यान देने की अपील

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल के विभिन्न क्षेत्रों में कई दिनों से जारी जलनिकासी समस्या को लेकर वाटर वर्क्स के मुख्य महाप्रबंधक प्रभु से एसआर नगर खंड में गोसामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने मुलाकात की। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले गोशामहल विधानसभा क्षेत्र जामबाग प्रमंडल में युसिफिया कॉलोनी और बारा रोड इलाके में बारिश के कारण सीवर लाइन ओवर फ्लो हो गई और पानी घरों में घुस गया था। जब स्थानीय लोगों ने आनंद कुमार गौड़ के ध्यान में यह बात लाई तो उन्होंने तुरंत जवाब दिया और पानी को साफ कराया था। आनंद कुनार गौड़ ने हिंदी नगर वाटर वर्क्स के प्रबंधक शेखर के ध्यान में यह समस्या तब लाई जब उन्हें पता चला कि कई वर्षों से सीवेज लाइन नहीं बदली गई है। कार्यक्रम में मोहम्मद अहमद, अकबर अली शरीफ, मोहम्मद असद, मोहम्मद मजीद, निजाम साद सहित अन्य ने भाग लिया।

आरपीएफ ने ट्रैक पेट्रोलिंग और जागरूकता अभियान चलाया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नांदेड, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ट्रैक पेट्रोलिंग और जागरूकता अभियान चलाया। इंस्पेक्टर/आरपीएफ, काचीगुडा धर्मेंद्र कुमार ने एसआई मनोज, धर्म राव अपने 15 कर्मचारियों की टीम के साथ स्थानीय लोगों में उनकी सुरक्षा के बारे में विश्वास पैदा करने के लिए दबीरपुरा और उप्पुगुडा रेलवे स्टेशनों के बीच ट्रैक पेट्रोलिंग की। यात्रियों के साथ-साथ रेलवे संपत्ति पर पथराव और इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जागरूकता पैदा की गई। सभी स्थानीय निवासियों को कूड़ा फेंकने और रेलवे ट्रैक पर अतिक्रमण के प्रभाव के बारे में शिक्षित किया गया। मुख्यालय के निर्देशानुसार आरपीएफ, काचीगुडा की टीम एक एसआई/एएसआई और 2 कर्मचारियों को तैनात कर रोजाना ट्रैक पेट्रोलिंग कर रही है। लेकिन, आज असामाजिक तत्वों/उपद्रवियों के खिलाफ प्रतिरोध पैदा करने के लिए अधिकतम संख्या में उपलब्ध कर्मचारियों द्वारा ट्रैक पेट्रोलिंग की गई।

अमावस्या पर अन्नदानम किया गया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू बोइनपल्ली बापूजीनगर मेन रोड पर श्री देवी नल्ला पोचम्मा मंदिर में अमावस्या पर अन्नादान का आयोजन किया गया। इसमें छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप ने जयनगर में नल्ला पोचम्मा मंदिर समिति द्वारा आयोजित महाअन्नदान कार्यक्रम में भाग लिया और अन्न प्रसाद का वितरण किया। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि समिति सदस्य प्रत्येक अमावस्या के दिन अन्नदान कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इसमें बी. माल्याद्री, रघुचरण, समिति सदस्य दुर्गाय्या, प्रेम मुदिराज, अजित, कल्याण, श्रीकांत, रामाराव, नरसिंह व महेंद्र ने भाग लिया।

अमावस्या पर इमलीबन गौशाला में गौ सेवा करते हुए बजरंग सेना टीम के एनआर लक्ष्मण राव, श्रीनिवास गुप्ता, राजेंद्र, नंदकिशोर अग्रवाल व अन्य।

आंध्र प्रदेश में करंट लगने से तीन की मौत

चित्तूर, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में शुक्रवार को पानी के कुएं की सफाई के दौरान तीन लोगों की करंट लगने से मौत हो गई. हादसा आंध्र प्रदेश के चौडेपल्ली मंडल के पेड्डा कोंडामारी गांव में उस समय हुआ जब मोटर का बिजली का तार टूटकर हौद में गिर गया। पीड़ित-मुनिराजा, रवि और रमना को अस्पताललेजाया गया लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

अमावस्या पर इमलीबन गौशाला में गोसेवा करते हुए ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव, गजानन चौधरी, सुरेश यादव।

अमावस्या पर शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज में गायों को चारा खिलाते हुए गोभक्त।

मल्कारम, जवाहरनगर, कापरा स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर गोसेवा की गई तथा महिलाओं द्वारा वट सावित्री पूजन किया गया। इस अवसर पर कई भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

अमावस्या पर मेडचल स्थित कालाकल या देवी श्री आईजी एसवीएसटी गौशाला में गौ सेवा करते हुए गौशाला के संस्थापक ताराराम सीरवी, मंगनाराम, सुनील, पेमाराम, पानालाल, भूड़ाराम नरपत, कानाराम, रमेश दिनेश मंजू, सुकिया गवरी बाई, पूजा, अंसीबाई, प्यारी बाई, रेखा, द्वारिका लीला व अन्य।

अग्रणी महिला मंच द्वारा आयोजित वट सावित्री पूजा में भाग लेती हुईं मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रितु गोयल, संगीता जाजोदिया व अन्य।

पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाने के लिए संकल्प

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधिनस्त केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, गड्डियानारम द्वारा 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा। यह एक ऐसा अवसर है जो विश्व के करोड़ों लोगों में पर्यावरण जागरूकता उत्पन्न करता है तथा उन्हे पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने मिशन लाइफ पर जोर देते हुए विश्व पर्यावरण दिवस 2023 को मनाने की परिकल्पना की है। इसके अनुपालन में एनआईआईएमएच, हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पर्यावरण की ओर अनुकूल जीवन शैली अपनाने के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी, डॉ. जी.पी. प्रसाद, सहायक निदेशक ने अभियान के महत्व को संबोधित किया और संस्थान के प्रत्येक कर्मचारी से अपनी जीवन शैली में बदलाव करके बेहतर पर्यावरण की दिशा में योगदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक साहित्य में भी पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा के बारे में पर्याप्त संदर्भ उपलब्ध है तथा पर्यावरण के अध्ययन में रुचि रखने वाले छात्र संस्थान के पुस्तकालय को भेट दे सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

2000 के नोट ...

कानून के मुताबिक ऐसी कोई भी रकम जिस पर टैक्स न चुकाया गया हो, ब्लैक मनी मानी जाती है। इस 9.21 लाख करोड़ रुपये में लोगों की घरों में जमा सेविंग्स भी शामिल हो सकती है। मगर उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान इत्र कारोबारी पर पड़े छापों से लेकर हाल में पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी के करीबियों के पड़े छापों तक हर जगह बरामद ब्लैक मनी में 95 प्रतिशत से ज्यादा 500 और 2000 के नोटों में ही था।

आरबीआई के अधिकारी भी नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार करते हैं कि सर्कुलेशन से गायब पैसा भले ही आधिकारिक तौर पर ब्लैक मनी न माना जाए मगर आशंका इसी की ज्यादा है कि इस रकम का बड़ा हिस्सा ब्लैक मनी है। सरकार मानती नहीं, मगर 500 और 2000 के नोटों में ही जमा होती है ब्लैक मनी...तभी 2019 से 2000 के नोटों की छपाई बंद कर दी गई है।

अधिकारी भी यह मानते हैं कि काला धन जमा करने में सबसे ज्यादा इस्तेमाल बड़े डिनॉमिनेशन के यानी 500 और 2000 के नोटों का इस्तेमाल होता है। शायद इसी वजह से 2019 से 2000 के नोटों की छपाई ही बंद है। मगर 500 के नए डिजाइन के नोटों की छपाई 2016 के मुकाबले 76 प्रतिशत बढ़ गई है।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि घरों में इस तरह जमा कैश कुल काले धन का 2-3 प्रतिशत ही होता है। ऐसे में स्विस बैंक्स में जमा भारतीयों के काले धन पर 2018 की एक रिपोर्ट इस बात की आशंका बढ़ा देती है कि सर्कुलेशन से गायब 9.21 लाख करोड़ की राशि ब्लैक मनी ही हो। इस रिपोर्ट के मुताबिक स्विस बैंक्स में भारतीयों का काला धन 300 लाख करोड़ है। इस राशि का 3 प्रतिशत करीब 9 लाख करोड़ रुपये ही होता है।

ईडी ने चीन ...

कंपनी सेवा की प्राप्ति का कोई सबूत पेश नहीं कर सकी। ईडी ने कहा कि कंपनी के निदेशक और लेखा प्रबंधक ने भी जांच के दौरान स्वीकार किया है कि चीनी निदेशक लियू कान के निर्देश पर ही भुगतान किया गया था। कंपनी के भारतीय निदेशक, वेदांत हमीरवासिया ने कहा कि चीनी निदेशक ने उन्हें बताया कि उक्त विज्ञापन गूगल और फेसबुक के माध्यम से प्रकाशित किए गए थे, हालांकि, इन प्लेटफार्मों द्वारा कोई पुष्टि या चालान प्रस्तुत नहीं किया गया था।

आज घर में चेन्नई सुपरकिंग्स से भिड़ेगी दिल्ली कैपिटल्स

चेन्नई, 19 मई (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है और वह शनिवार को दिन के पहले मैच में जीत के साथ इस सीजन का समापन करके चेन्नई के समीकरण बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

चेन्नई की टीम अभी 13 मैचों में 15 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, लेकिन दिल्ली के खिलाफ हार से उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना क्षीण पड़ जाएगी। इस मैच में जीत से चेन्नई का प्लेऑफ में स्थान पक्का हो जाएगा, लेकिन वह दूसरे स्थान पर रहेगी या नहीं इसका निर्धारण लखनऊ सुपरजाइंट्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच होने वाले मैच से तय होगा। लखनऊ के भी 15 अंक हैं, लेकिन चेन्नई का नेट रन रेट उससे बेहतर है। फिरोज शाह कोटला का विकेट धीमा है जो कि चेन्नई की रणनीति के अनुकूल है। राष्ट्रीय राजधानी में संभवतः अपना आखिरी मैच खेल रहे धोनी हालातों का पूरा लाभ उठाने का प्रयास करेंगे। स्पिन विभाग में जडेजा, मोईन अली और महेश तीक्षणा ने भी अच्छा प्रभाव छोड़ा है।

जहां तक दिल्ली का सवाल है तो उसने पहले चरण में लगातार पांच मैच गंवाए, लेकिन इसके बाद उसने कुछ लय हासिल की और अगले आठ में से पांच मैचों में जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम पंजाब किंग्स पर 15 रन की मनोबल बढ़ाने वाली जीत के बाद इस मैच में उतरेगी। डेविड वॉर्नर की अगुवाई वाली टीम इस मैच में भी बिना किसी दबाव के खेलेगी और ऐसे में चेन्नई को उससे सतर्क रहना होगा। अक्षर पटेल को छोड़कर दिल्ली की टीम में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज इस सत्र में नाकाम रहे। दिल्ली ने अब तक जितने भी मैच जीते उनमें उसके गेंदबाजों की भूमिका अहम रही है। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने स्पिन विभाग अच्छी तरह से संभाला है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया ने भी लय हासिल कर ली है।

दिल्ली कैपिटल्स का स्क्वॉड : डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी शॉ, मिचेल मार्श, सरफराज खान, अमन हाकिम खान, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, एनरिच नार्जे, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, ईशांत शर्मा, मनीष पांडे, यश ढुल, प्रियम गर्ग।

चेन्नई सुपर किंग्स का स्क्वॉड : एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), आकाश सिंह, मोइन अली, भगत वर्मा, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, मथीशा पथिराना, ड्वेन प्रीटोरियस, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, अंबाती रायडू, मिचेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, बेन स्टोक्स, महेश तीक्षणा।

एटीपी चैलेंजर टूर पर 42 साल बाद भिड़े दो ग्रैंडस्लैम चैंपियन

वावरिंका ने एंडी मरे को दी शिकस्त

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने ब्रिटेन के एंडी मरे को 6-3, 6-0 से हरा दिया। यह दो ग्रैंडस्लैम चैंपियनों के बीच पिछले चार दशक में खेला गया पहला एटीपी चैलेंजर टूर मैच माना जा रहा है। इससे पहले 1981 में इटली के सेन रेमो में इली नेस्तसे ने जेन कोडेस को हराया था। एक घंटे 15 मिनट चले मुकाबले में जीत के साथ वावरिंका ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब वावरिंका की टक्कर पांचवीं वरीयता के उगो हम्बर्ट से होगी।

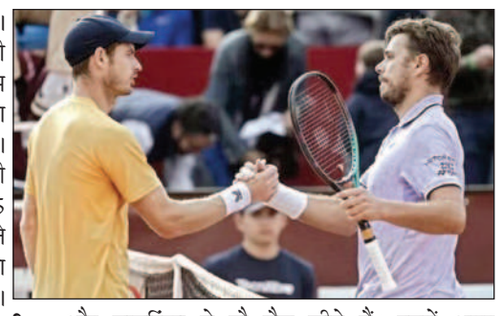

तीन-तीन ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं दोनों खिलाड़ी

दोनों टेनिस खिलाड़ियों ने कुल तीन ग्रैंडस्लैम जीते हैं। वावरिंका 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, 2015 फ्रेंच ओपन और 2016 में यूएस ओपन जीत चुके हैं जबकि मरे ने 2012 में यूएस ओपन, 2013 और 2016 में विंबलडन जीता है। दोनों ही खिलाड़ी 35 साल से ज्यादा उम्रदराज हैं। वावरिंका 38 साल के हैं और मरे सोमवार को 36वां जन्मदिन मनाएंगे। दोनों ही खिलाड़ियों को हाल ही में सर्जरी करानी पड़ी।

टॉप-40 से बाहर दोनों खिलाड़ी

वावरिंका ने अपने घुटने और बाएं पाव का जबकि मरे ने कूल्हे की सर्जरी कराई थी। वावरिंका एटीपी रैंकिंग में नंबर तीन तक पहुंच चुके हैं और अब 84वें स्थान पर हैं। मरे कभी नंबर एक रहे हैं और अब 42वें पायदान पर हैं। वावरिंका और मरे के बीच एटीपी के शीर्ष स्तर पर 22 भिड़ंत हो चुकी हैं जिसमें मरे ने 13 और वावरिंका ने नौ मैच जीते हैं। इनमें अगर ग्रैंडस्लैम की बात करें तो सात भिड़ंत हुई हैं जिसमें वावरिंका ने चार और मरे ने तीन जीती हैं। दोनों जब कोर्ट पर पहुंचे तो दर्शकों ने खड़े होकर अभिवादन किया। चैलेंजर टूर पर दोनों की पहली टक्कर थी।

दिग्गजों को क्यों उतरना पड़ा चैलेंजर टूर पर

चैलेंजर्स टूर मुख्य एटीपी टूर से कम स्तर का टूर्नामेंट हैं जिसमें ज्यादातर उदीयमान खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। इस टूर्नामेंट में कई बार ऐसे बड़े खिलाड़ी भी उतरते हैं जो चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से दूर हो जाते हैं या अपने खराब दौर से गुजर रहे होते हैं। उनका भाग लेने के पीछे पुरानी लय हासिल करना और महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक बटोरना रहता है। मरे ने हाल में एक्स एन प्रोविनेंस में चैलेंजर टूर पर हिस्सा लिया और ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले टॉमी पॉल को हराकर लंबे समय बाद कोई खिताब जीता था।

फ्रेंच ओपन में नहीं खेलेंगे नडाल

2005 में डेब्यू करने के बाद पहली बार नहीं लेंगे हिस्सा, अगले साल ले सकते हैं संन्यास

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। स्टार टेनिस प्लेयर राफेल नडाल चोट के कारण फ्रेंच ओपन 2023 में नहीं खेलेंगे। सबसे ज्यादा 14 बार फ्रेंच ओपन का टाइटल जीतने वाले नडाल 2005 में डेब्यू करने के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नडाल ने गुरुवार को घोषणा की कि कूल्हे की चोट के कारण वह फ्रेंच ओपन से हट रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि 2024 उनके प्रोफेशनल करियर का अंतिम साल होगा। फ्रेंच ओपन पेरिस में 28 मई से शुरू होकर 11 जून तक चलेगा।

2024 मेरे प्रोफेशनल करियर का आखिरी साल हो सकता है

36 साल के नडाल ने स्पेन में अपनी टेनिस अकादमी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा, '2024 मेरे प्रोफेशनल करियर का आखिरी साल हो सकता है। मैं 100 प्रतिशत नहीं कह सकता क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि क्या होने वाला है। यह एक निर्णय है, जो मेरा शरीर ले रहा है। दोबारा खेलने से पहले मैं छुट्टी ले रहा हूं।'

फ्रेंच ओपन में 18 बार हिस्सा लेते हुए 112 मैच जीते

लाल बजरी के बादशाह कहे जाने वाले नडाल ने पिछले साल 14वीं बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था। जब नडाल ने पिछले साल 36 साल की उम्र में ट्रॉफी जीती तो वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज चैंपियन बने थे। नडाल ने फ्रेंच ओपन में 18 बार हिस्सा लेते हुए 112 मैच जीते हैं और उन्हें सिर्फ तीन बार हार का सामना करना पड़ा है जो किसी भी एक ग्रैंडस्लैम में महिला और पुरुष वर्ग में विश्व रिकॉर्ड है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 में चोटिल हुए थे नडाल

वह जनवरी, 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर से बाहर हो गए थे। उन्हें सीधे सेटों में हार मिली थी। मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने नडाल को 6-4, 6-4, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया था। इसी मैच के दौरान नडाल चोटिल हो गए थे।

चोट के कारण नंबर-1 खिलाड़ी स्वियातेक इटालियन ओपन से बाहर

रायबाकिना सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी और पिछले दो बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को जांघ की चोट के कारण इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में आधे मैच से बाहर होना पड़ा। स्वियातेक ने विंबलडन चैंपियन इलेना रायबाकिना के खिलाफ तीसरे सेट में तब हटने का फैसला किया जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था।

स्वियातेक ने पहला सेट 6-2 से जीता था जबकि रायबाकिना ने दूसरा सेट 7-6 (3) से जीतकर मैच को तीसरे और निर्णायक सेट तक खींच दिया था। इस चोट से स्वियातेक के 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में खेलने को लेकर भी आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं जहां पोलैंड की यह खिलाड़ी गत चैंपियन है। यह तीसरा अवसर है जब रायबाकिना ने स्वियातेक को हराया।

रूस गई भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम का खाना बंद करने की धमकी

साई ने विदेश मंत्रालय को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। देश की पहली जूनियर विश्व चैंपियन वेटलिफ्टर हर्षदा गरुड़ समेत 27 सदस्यीय वेटलिफ्टिंग टीम बिना राशि के रूस भेजे जाने पर मुश्किल में फंस गई है। मॉस्को स्थित चेखोव स्पोर्ट्स बेस में तैयारियों के लिए गई टीम के प्रशिक्षकों से रूसी वेटलिफ्टिंग संघ और मेजबानों ने साफ कर दिया है कि अगर उन्हें बृहस्पतिवार तक 40 हजार पांच सौ अमेरिकी डॉलर (लगभग 33 लाख रुपये) नहीं दिए गए तो उन्हें मजबूरन टीम का खाना बंद करना पड़ेगा। टीम ने साई से गुहार लगाई है कि उन्हें जल्द से जल्द अमेरिकी डॉलर भिजवाए जाएं, जिससे उन्हें मुसीबत से छुटकारा मिले। साई महानिदेशक संदीप प्रधान ने बृहस्पतिवार को ही विदेश मंत्रालय के यूरेशिया विभाग के संयुक्त सचिव को पत्र लिखकर मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के जरिए टीम को अमेरिकी डॉलर उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा है।

टीम में जूनियर विश्व चैंपियन हर्षदा भी शामिल

बीते वर्ष विश्व जूनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली टॉप्स में शामिल हर्षदा गरुड़ और रजत जीतने वाली आकांक्षा व्यवहारे के अलावा नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस पटियाला में शामिल 19 वेटलिफ्टरों और छह सपोर्ट स्टाफ को एनआईएस पटियाला से तैयारियों के लिए रूस भेजा गया। टीम को 5 जून तक वहां तैयारियां करनी हैं। वेटलिफ्टर 15 मई को ही मॉस्को पहुंच गए, लेकिन टीम के किसी भी सदस्य को साथ में कोई राशि नहीं दी गई। जिसके चलते टीम सदस्य भारतीय एयरपोर्ट पर रुपये को अमेरिकी डॉलर में परिवर्तित नहीं करा सके।

टीम के मॉस्को पहुंचने के बाद खाते में डाले 29 लाख

टीम के वहां पहुंचने के डेढ़ दिन बाद साई ने 29 लाख 88 हजार रुपये की राशि मुख्य प्रशिक्षक के खाते में ट्रांसफर की, लेकिन यह राशि मास्टर कार्ड या वीजा कार्ड से ही निकाली जा सकती थी। रूस पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध के चलते वहां के किसी भी बैंक ने इन कार्ड को लेने से इंकार कर दिया। मेजबानों ने भी कह दिया कि वह न तो रुपये में राशि लेंगे और न ही कार्ड के जरिए कोई भुगतान कर पाएंगे। उन्हें अमेरिकी डॉलर में ही राशि चाहिए है।

मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास से डॉलर भिजवाने को कहा

इसके बाद ही हड़कंप मचा। कोच ने तुरंत साई को सारी स्थिति से अवगत कराया। साई के संज्ञान में जैसे ही यह मामला आया तो हड़कंप इस बात का मचा कि बिना राशि के टीम भेज कैसे दी गई। इसके बाद ही साई महानिदेशक संदीप प्रधान और टॉप्स सीईओ पुष्पेंद्र गर्ग ने विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव चरणजीत सिंह को पत्र लिखा है कि मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क साधकर भारतीय टीम को 40,500 अमेरिकी डॉलर और अतिरिक्त खर्च के लिए पांच हजार रूबल उपलब्ध कराए जाएं। भारतीय दूतावास को इस राशि का भुगतान कर दिया जाएगा।

कोहली के 'विराट' शतक से गदगद हुए क्रिकेट के भगवान

कहा-'पहली गेंद से ही पता था ये उनका दिन है'

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से मात दे दी। इस मैच में विराट कोहली ने 61 गेंदों पर 100 रनों की पारी खेली और अपना आईपीएल का छठा शतक जड़ा। इस पारी के बाद मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने कोहली के लिए एक खास संदेश लिखा है और उनकी तारीफ की है।

सचिन तेंदुलकर ने की कोहली की तारीफ

शतकीय पारी खेल अपनी टीम को जीत दिलाने वाले विराट कोहली के लिए सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार रात को एक ट्वीट किया। उन्होंने इसमें विराट कोहली की कवर ड्राइव की तारीफ की साथ ही फाफ डु प्लेसिस को भी सफल पार्टरनशिप के लिए बधाई दी। उन्होंने ट्वीट कर कहा "विराट ने जब पहली ही गेंद पर कवर ड्राइव खेली तो जाहिर हो गया था कि ये दिन विराट का होगा। विराट और फाफ दोनों पूरी तरह से नियंत्रण में दिखे, उन्होंने न केवल कई बड़े शॉट खेले बल्कि एक सफल साझेदारी बनाने के लिए विकेटों के बीच अच्छी दौड़ भी लगाई, जिस तरह से दोनों ने बल्लेबाजी की उसके लिए 186 का कुल स्कोर भी काफी नहीं था।

डी विलियर्स, सहवाग समेत अन्य ने भी दी बधाई

विराट कोहली के शतक के बाद बी डिविलियर्स ने कोहली की तारीफ में कहा, "VI-RAAAAAAAAAAT (विराट), फाफ की भी शानदार पारी। बढ़िया साझेदारी! यह टीम भूखी लग रही है। मैं उत्साहित हूं।" वहीं सुरेश रैना ने लिखा, "क्रिकेट का क्या शानदार दिन है! कोहली ने अपनी क्लास और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करते हुए एक और शानदार शतक बनाया. शानदार प्रतिभा!" इसके अलावा वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट कर लिखा कि "कोहली का अपनी स्टाइल में छठा आईपीएल शतक। कोहली अपने सबसे अच्छी फॉर्म में हैं और फाफ के लिए क्या शानदार सीजन है।"

मैच का लेखा-जोखा

राजीव गांधी स्टेडियम में हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 186/5 का स्कोर बनाया। जवाब में आरसीबी ने विराट कोहली (100) और फाफ डु प्लेसिस (71) की शानदार पारियों के दम पर 19.2 ओवर में 2 विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। आरसीबी की तरफ से इस जीत में विराट कोहली के छक्के ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कोहली का आलोचकों पर हमला

स्ट्राइक रेट से फर्क नहीं पड़ता, लोग कहते हैं तो...

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। विराट कोहली ने आईपीएल मुकाबले में 63 गेंदों पर 100 रनों की यादगार पारी खेली, आईपीएल में यह उनका छठा शतक रहा. इससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 8 विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा. कोहली ने कप्तान फाफ डुप्लेसी (71) के साथ पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी की।

'... पिछले आंकड़ों पर ध्यान नहीं देता हूं.'

कोहली ने मैच के बाद कहा, 'मैं पिछले आंकड़ों पर ध्यान नहीं देता हूं. मैंने पहले ही खुद को बहुत दबाव में रखा है. यह आईपीएल में मेरा छठा शतक है. मैं अच्छी पारी खेलने के बावजूद कभी-कभी खुद को पर्याप्त श्रेय नहीं देता. इसलिए बाहर बैठकर कोई क्या कहता है, मैं इसकी परवाह नहीं करता क्योंकि वह उनकी राय है।' कोहली की 130 के आसपास के स्ट्राइक रेट के कारण आलोचना होती रही है, लेकिन वह लोगों को यह याद दिलाने से नहीं चूके कि वह अपनी फ्रेंचाइजी और राष्ट्रीय टीम की तरफ से किस तरह की जिम्मेदारी निभाते रहे हैं।

कोहली ने बढ़ाई रोहित शर्मा की टेंशन, जीत से बदला प्लेऑफ का पूरा समीकरण

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के एक ब्लॉकबस्टर मुकबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से शिकस्त दी. आरसीबी की जीत के हीरो स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रहे जिन्होंने शानदार शतकीय पारी (100 रन) खेली. इस जीत के साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम अंकतालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है और उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह बरकरार हैं।

आरसीबी की जीत से रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस की भी टेंशन बढ़ गई है. यदि आरसीबी ये मैच हार जाती तो मुंबई इंडियंस अपना आखिरी मुकाबला जीतकर आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाती. खैर आरसीबी की जीत के चलते प्लऑफ का समीकरण काफी दिलचस्प हो चला है. आईपीएल 2023 में अब केवल पांच लीग मुकाबले खेले जाने बाकी है, लेकिन अबतक गुजरात टाइनटन्स ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर पाई है. वहीं सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स का सफर समाप्त हो चुका है. बाकी की सात टीमें तीन स्पॉट्स के लिए प्लेऑफ की रेस में बनी हुई हैं।

मिनटों में शतक जड़ देता था गुजरे जमाने का हिटर

आंकड़े जानकर रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन में चौके-छक्कों की बरसात हो रही है. फाफ डु प्लेसिस, हेनरिक क्लासेन, सूर्यकुमार यादव जैसे हिटर्स ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से बवंडर मचाया हुआ है. देखा जाए तो क्रिकेट की दुनिया में पहले भी कई ऐसे तगड़े हिटर हुए, जिन्होंने मैदान पर अपने प्रहारों से खूब वाहवाही लूटी. वीरेंद्र सहवाग, विवियन रिचर्ड्स को कौन भूल सकता है जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के पसीने छुड़ा दिए थे।

इसी कड़ी में गुजरे जमाने के एक ऐसे हिटर का नाम भी जेहन में आता है, जिनके कारनामे आज भी रोमांचित करते हैं. इस हिटर का नाम गिलबर्ट जेसप था, जिन्होंने साल 1894 से लेकर 1914 के विश्व युद्ध की शुरुआत तक 493 फर्स्ट क्लास मैचों के करियर के दौरान अपनी हैरतअंगेज बल्लेबाजी से कई बार चौंकाया. अजीबोगरीब स्टांस के साथ पिच पर बल्ला पकड़ने वाले जेसप का जन्म आज ही (19 मई) के दिन 1874 में हुआ था।

गिलबर्ट जेसप ने 20 साल की उम्र में ग्लॉस्टरशायर के लिए शुरुआत की. वह उस वक्त बल्लेबाजी के लिए उतरे थे, जब गेंदबाज हैट्रिक पर था, लेकिन उन्होंने चौका जड़कर अपने इरादे जाहिर कर दिए. इतना ही नहीं, अपनी डेब्यू पारी के उस पहले ओवर में उन्होंने एक और चौका लगाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

पांच फुट सात इंच लंबे गिलबर्ट जेसप ने फर्स्ट क्लास मैचों में 26698 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 53 शतक निकले थे, जो प्रति घंटे लगभग 83 रनों की अविश्वसनीय औसत से बने. इनमें से 12 शतक तो ऐसे रहे, जिसे उन्होंने 60 मिनट के अंदर बना दिया था. जेसप ने 1897 में यॉर्कशायर के खिलाफ 40 मिनट में शतक जड़ दिया था, जो उनका सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड रहा. प्रथम श्रेणी क्रिकेट में आज भी उनका यह शतक सबसे तेज (सबसे कम मिनट में) के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर है।

गिलबर्ट जेसप ने 1903 में काउंटी चैम्पियनशिप के एक मुकाबले के दौरान तो कमाल ही कर दिया था. उस मुकाबले में उन्होंने ससेक्स के खिलाफ तीन घंटे से सभी कम समय में (170 मिनट) में 286 रनों की अभूतपूर्व पारी खेली थी. जेसप ने 286 रनों की पारी के दौरान अपना दोहरा शतक महज दो घंटे (120 मिनट) में पूरा किया था, जो उस वक्त का वर्ल्ड रिकॉर्ड रहा. मिनट के लिहाज से सबसे तेज दोहरे शतक की बात करें, तो आज भी गिलबर्ट जोसफ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर ठहरते हैं।

गिलबर्ट जेसप इंग्लैंड के लिए 18 टेस्ट मैच ही खेल पाए, जिसमें उन्होंने 21.88 की एवरेज से 569 रन बनाए. टेस्ट क्रिकेट में जेसप के बल्ले से सिर्फ एक ही शतक निकला, जो साल 1902 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवल में आया था. उस टेस्ट में 263 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने एक समय 10 रन पर तीन विकेट और फिर 48 रनों पर पांच विकेट गंवा दिए थे।

वीक-हंस शोध सर्वेक्षण में हैदराबाद विवि देश में चौथे स्थान पर

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय को देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्थान दिया गया है। वर्ष 2023 के लिए वीक-हंसा शोध सर्वेक्षण ने है.वि.वि. को शीर्ष 85 बहु-विषयक विश्वविद्यालयों में देश में चौथे स्थान पर रखा है, जिसमें राज्य, केंद्रीय, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालय शामिल हैं। 2022 की रैंकिंग में, है.वि.वि. देश में पांचवें स्थान पर था। है.वि.वि. को दक्षिण के शीर्ष बहु-विषयक विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर रखा गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी जे राव तथा समकुलपति प्रो. आरएस सर्राजू ने कहा कि हम देश में चौथे नंबर पर और दक्षिण भारत में नंबर एक पर सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्थान पाकर खुश हैं। पिछले वर्ष की तुलना में समग्र रैंकिंग में विश्वविद्यालय को आगे बढ़ते हुए देखना और भी अधिक संतुष्टिदायक है।

माओवादी मिलिशिया का डिप्टी कमांडर गिरफ्तार

कोठागुडेम, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने शुक्रवार को जिले के चेरला मंडल में भाकपा (माओवादी) मिलिशिया के डिप्टी कमांडर को गिरफ्तार किया। भद्राचलम एएसपी परितोष पंकज ने एक बयान में बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर जिले के कोमातिपल्ली के मिलिशिया डिप्टी कमांडर सोदी देवा को मंडल में लेनिन कॉलोनी और पुसुगुप्पा रोड पर चेरला पुलिस और सीआरपीएफ 141 बीएन के जवानों द्वारा वाहन निरीक्षण के दौरान पकड़ा गया।

2019 में कोमाटिपल्ली आरपीसी मिलिशिया के सदस्य के रूप में भर्ती हुए देवा पिछले एक साल से इसके डिप्टी कमांडर के रूप में काम कर रहे थे। वह जुलाई 2022 में पुलिसकर्मियों पर हमला करने के लिए चेरला मंडल के पुसुगुप्पा वन क्षेत्र में बारूदी सुरंग लगाने में शामिल था। एएसपी ने कहा कि जैसा कि माओवादी पार्टी ने तेलंगाना में अपना आधार खो दिया है, पार्टी नेतृत्व छत्तीसगढ़ में निर्दोष आदिवासियों को अपने मिलिशिया और दलम सदस्यों के रूप में काम करने के लिए मजबूर कर रहा है ताकि वे अपने अस्तित्व को साबित कर सकें। माओवादी भूमिगत कैडर, जो पार्टी से बाहर आना चाहते हैं और मुख्यधारा के जीवन में शामिल होना चाहते हैं, को 'ऑपरेशन चेयुता' का उपयोग करना चाहिए, यह जिला पुलिस द्वारा भूमिगत नक्सलियों को उनके परिवार के सदस्यों के माध्यम से आत्मसमर्पण करने और सामान्य जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई एक पहल है।

फीवर अस्पताल का स्वास्थ्य निरीक्षक एसीबी के जाल में फंसा

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नांदेड, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एसीबी की टीम ने फीवर अस्पताल, नल्लाकुंटा के स्वास्थ्य निरीक्षक वेंकटेश को रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़ा। उसने शेख शबाना से कथित रूप से 15,000 रुपये की रिश्वत आउटसोर्सिंग एजेंसी में हाउस कीपिंग की नौकरी दिलाने की मांग की थी। आरोपी अधिकारी के कब्जे से 15,000 रुपये की घूस की राशि बरामद की गई और आरोपी की उंगलियों के रासायनिक परीक्षण में सकारात्मक परिणाम मिले। आरोपी वेंकटेश को एसपीई और एसीबी मामलों, हैदराबाद के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष गिरफ्तार कर पेश किया गया। एसीबी अधिकारियों ने कहा कि किसी भी लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग के मामले में जनता कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए एसीबी के टोल फ्री नंबर 1064 पर संपर्क कर सकती है।

पुलिस स्निफर डॉग पूनम का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

खम्मम, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला मुख्यालय के पुलिस बल के रूप में समर्पित पुलिस स्निफर डॉग पूनम को शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी गई। पूनम, जो पुलिस टीम का एक अभिन्न हिस्सा बन गई थी, ने 2011 में वापस तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा के साथ चेरला गांव में एक उग्रवाद विरोधी अभियान के दौरान चार छिपी हुई बारूदी सुरंगों को सफलतापूर्वक उजागर करने के बाद पुरुषों और अधिकारियों से प्यार और स्नेह अर्जित किया।

विस्फोटकों का पता लगाने में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, 13 वर्षीय पूनम 2010 में पुलिस बल में शामिल हुई और चुनौतीपूर्ण मामलों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस आयुक्त विष्णु एस वारियर ने 2014 में भद्राचलम बस स्टैंड पर विस्फोटक सामग्री का पता लगाने में पूनम के असाधारण कौशल को उजागर करते हुए उल्लेखनीय स्निफर डॉग को श्रद्धांजलि दी। पूनम ने पुलिस आरसी कोर्स में चार स्वर्ण पदक जीतने का गौरव हासिल किया।

पूनम के समर्पित हैंडलर शेख पाशा ने गर्व का इजहार किया कि पूनम ने पुलिस कुत्तों के लिए बुनियादी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान स्वर्ण पदक हासिल कर शीर्ष स्थान हासिल किया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एआर) कुमारा स्वामी, आरआई रवि, श्रीनिवास, तिरुपति और श्रीशैलम के साथ, अंतिम संस्कार में शामिल हुए, प्यारे चार पैरों वाले नायक को विदाई दी।

आवारा कुत्तों ने एक और बच्चे को नोच डाला

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक और चौंकाने वाली घटना में, तेलंगाना में आठ साल के एक बच्चे को आवारा कुत्तों ने नोच-नोच कर मार डाला। घटना हनामकोंडा जिले में काजीपेट रेलवे क्वार्टर के पास शुक्रवार सुबह हुई। पेड़ के नीचे अकेले सो रहे बच्चे पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। मासूम बच नहीं सका और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पीड़ित की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रवासी मजदूरों के बेटे छोटू के रूप में हुई। परिवार गुरुवार रात काजीपेट रेलवे स्टेशन पहुंचा था और पास के एक पार्क में सोया था। लड़के के माता-पिता बच्चे को छोड़कर शौच के लिए गए हुए थे। वापस लौटने पर बच्चे को खून से लथपथ देखकर माता-पिता हैरान रह गए। वे उसे अस्पताल ले गए लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। माता-पिता बेसुध थे। परिवार अजमेर जा रहा था और गुरुवार रात काजीपेट पहुंचा था। सरकार के मुख्य सचेतक विनय भास्कर और महापौर गुंडू सुधा रानी ने अस्पताल का दौरा किया और लड़के के माता-पिता को सांत्वना दी। पुलिस ने छोटू के शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भिजवाया। तेलंगाना में इस तरह की घटनाओं की श्रृंखला में यह नवीनतम है। पिछले चार महीनों के दौरान राज्य भर में आवारा कुत्तों के हमलों में कम से कम चार बच्चों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। वारंगल जिले में यह दूसरी घटना है। पिछले महीने आवारा कुत्तों के हमले में घायल हुए एक बच्चे की मौत हो गई थी। हैदराबाद में 19 फरवरी को आवारा कुत्तों के झुंड ने एक चार साल के बच्चे को नोच-नोच कर मार डाला था। दिल दहला देने वाली यह घटना एक कार सर्विसिंग सेंटर में हुई थी, जहां लड़के के पिता चौकीदार के रूप में काम कर रहे थे। खम्मम जिले में मार्च में पांच साल के एक बच्चे की रेबीज से मौत हो गई थी। उसे आवारा कुत्तों ने काटा था और बाद में रेबीज के लक्षण विकसित हुए। राज्य भर में इस तरह की घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। हैदराबाद में 19 फरवरी की घटना के बाद, नगर निगम के अधिकारियों ने आवारा कुत्तों के खतरे को रोकने के लिए कई उपायों की घोषणा की थी, लेकिन नागरिकों का कहना है कि उपायों का जमीनी स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

जीएचएमसी की स्थायी समिति ने स्वीकृत 11 मदों को दी मंजूरी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने शुक्रवार को जीएचएमसी मुख्यालय में एक स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में स्थायी समिति के सदस्यों ने 11 मदों को मंजूरी दी। बैठक में आयुक्त डीएस लोकेश कुमार, स्थायी समिति सदस्य श्रीमती शांति सैजेन शेखर, सैयद मिन्हा जुद्दीन, सैयद सोहेल कादरी, समीना बेगम, अब्दुल वाहेब, मोहम्मद अब्दुल मुक्तदार, मोहम्मद मजीद हुसैन, वनम संगीत यादव, पंडाला सतीश बाबू, ई.एस. राज जितेंद्र नाथ, टी. माहेश्वरी उपस्थित रहे। इस दौरान मास्टर प्लान में रोड नंबर 92 जुबली हिल्स से रोड नंबर 12 बंजारा हिल्स तक आरडीपी के तहत 18 मीटर लिंक रोड चौड़ाई सहित सरकार की मंजूरी के लिए सिफारिशों के साथ 15 संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए समिति की मंजूरी, एलबी नगर जंक्शन का नामकरण तेलंगाना शहीद श्रीकांत चारी जंक्शन के रूप में करने की अत्यावश्यकता पर विचार करने के बाद, जैसे ही नगरपालिका प्रशासन ने शहरी विकास विभाग के माध्यम से शासनादेश 54 दिनांक 4-4-2023 जारी किया, समिति ने इसे मंजूरी दे दी। इसी क्रम में नगरपालिका प्रशासन शहरी विकास विभाग द्वारा जारी शासनादेश 53 दिनांक 4-4-2023 के रूप में समिति का अनुमोदन एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर का नामकरण एसआरडीपी द्वारा मॉल मैसम्मा फ्लाईओवर के रूप में किया गया। पेरिकी तालाब, गजुला रामाराम गांव, कुटबुल्लापुर मंडल, रंगारेड्डी जिले में जल निकासी परिवर्तन, तीन करोड़ की लागत से निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति सहित टेंडर स्वीकृत करने के लिए समिति की स्वीकृति, जीवीके द्वारा जीएचएमसी आईटी सेक्शन द्वारा कॉल सेंटर (040-2111 1111) का प्रबंधन-ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ 1 जून 2023 से 31 मई 2026 तक तीन साल के लिए सेवाएं 2,27,02,061 रुपए प्रशासन की स्वीकृति के लिए समिति द्वारा अनुमोदित, अपर्णा कंस्ट्रक्शन एंड एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कुक्टपल्ली जोन कुटबुल्लापुर सर्किल जीडीमेटला वार्ड नंबर 132, पेट बशीराबाद में कारपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के माध्यम से सड़क निर्माण के लिए कुकटपल्ली के जोनल कमिश्नर के साथ एमओयू करने की समिति की स्वीकृति दी गई। 29 मई 2023 से 28 मई 2026 तक सीएसआर के तहत डीएलएफ फाउंडेशन के सीएसआर के तहत आईआईआईटी जंक्शन से रेडिसन होटल (डीएलएफ के सामने) तक सेरीलिंगमपल्ली जोन यूबीडी के माध्यम से केंद्रीय मध्य/यातायात द्वीप तीन साल के रखरखाव के लिए सेरिलिंगमपल्ली जोनल आयुक्त के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश करने के लिए समिति की मंजूरी मिली। सड़क विकास योजना के तहत नाकू कोंडापुर जंक्शन से पुलिस कालोनी तक 30 मीटर, 18 मीटर चौड़ी सड़क, नाकू सफारी नगर से कोंडापुर जानी मजीद वाया एचटी लाइन पुलिस ग्राउंड तक 30 मीटर सड़क चौड़ाई समिति ने 43 संपत्तियों के अधिग्रहण की स्वीकृति दी गई। आरडीपी के तहत, 30 मीटर सड़क को 48 मीटर चौड़ा और टीवी टॉवर जंक्शन मुसरमबाग से अली कैफे जंक्शन (1.4 किमी लंबा), मुसी नदी अंबरपेट कॉजवे (0.6 किमी लंबा) 48 मीटर चौड़ा, कुल 109 संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाएगा। 30 मीटर चौड़ी सड़क के लिए टीकेआर कमान से नागार्जुन सागर रोड वाया जेडपी रोड तक आरडीपी के तहत 282 संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए समिति की मंजूरी सीएसआर के तहत पांच साल के लिए सिकंदराबाद जोन बेगमपेट सर्कल दनियाला गुट्टा में महापरिनिर्वाण (कब्रिस्तान) के संचालन और रखरखाव के लिए समिति की मंजूरी मिली। बैठक में अपर आयुक्त प्रियंका आला, ईएनसी जिया उद्दीन, सीसीपी देवेंद्र रेड्डी, सीई देवानंद, अपर आयुक्त विजयलक्ष्मी, जयराज कैनेडी, अंचल आयुक्त ममता, पंकजा, रविकिरण, शंकरैया, श्रीनिवास रेड्डी, सम्राट अशोक, हाउसिंग ओ. एसडी सुरेश, प्रमुख परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, मुख्य कीट विज्ञानी डॉ. रामबाबू और अन्य ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कांस्टेबल ने एक व्यक्ति की जान बचाई

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दयालुता और त्वरित सोच के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में कॉन्स्टेबल प्रसाद एकदम खरे उतरे। कॉन्स्टेबल ने एक व्यक्ति की जान बचाई। यह घटना भद्राचलम में सामने आई, जहां प्रसाद ने आरटीसी बस स्टैंड के पास एक बेहोश व्यक्ति को नाले में पड़ा देखा। उनकी त्वरित कार्रवाई और स्थानीय निवासियों के सहयोग से व्यक्ति की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांस्टेबल प्रसाद के लिए यह एक नियमित दिन था क्योंकि वह जनता की सुरक्षा पर पैनी नजर रखते हुए इलाके में गश्त करते थे। उसे क्या पता था कि उसकी चौकसी उसे जल्द ही हीरो बना देगी। आरटीसी बस स्टैंड के पास से गुजरते हुए प्रसाद ने देखा कि एक व्यक्ति नाले में बेसुध पड़ा हुआ है, जो कि चिलचिलाती गर्मी से बेहाल था। बिना किसी हिचकिचाहट के कांस्टेबल प्रसाद हरकत में आ गए। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तुरंत आसपास के स्थानीय लोगों से मदद मांगी। साथ में, उन्होंने बेहोश आदमी को नाले से बाहर निकालने के लिए तेजी से काम किया, किसी और नुकसान को रोकने के लिए समय से लड़ते हुए। एक बार जब पीड़ित को नाले से सुरक्षित निकाल लिया गया, तो कांस्टेबल प्रसाद और सहायक स्थानीय लोगों ने उसकी चिंता को कम करने के लिए महत्वपूर्ण प्राथमिक उपचार प्रदान किया। उन्होंने उसे साफ पानी देकर और उसके पूरे शरीर को धोकर उसकी भलाई सुनिश्चित की। धीरे-धीरे लेकिन लगातार, आदमी को होश आया और उसने अपने पैरों पर उठने की ताकत जुटाई। कांस्टेबल प्रसाद ने अनुमान लगाया कि आदमी अत्यधिक गर्मी के कारण नाले में गिर गया होगा, सूरज की चिलचिलाती किरणों को सहन करने में असमर्थ था। बहादुर कांस्टेबल की सावधानी और समय पर हस्तक्षेप ने निस्संदेह एक संभावित त्रासदी को रोका।

सीबीआईटी में भीषण सड़क दुर्घटना, तीन छात्रों की मौत

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के नारसिंगी स्थित सीबीआईटी कॉलेज में आज भीषण सड़क हादसा हो गया। लॉरी को ओवरटेक करने के दौरान एक कार ने लॉरी को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने मामला देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। लेकिन स्थानीय लोगों ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया, जो चिल्ला रहे थे। उन्होंने तुरंत उन सभी को अस्पताल ले जाने की कोशिश की। जल्द ही मौके पर पहुंच गई पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल भेज दिया तथा घायलों को भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने तीनों मृतकों की पहचान निजामपेट के रहने वाले के रूप में की है। अभी इस घटना की पूरी जानकारी पता नहीं चल पाई है।

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज निर्माण को समय पर पूरा करने को कहा

महबूबाबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर के. शशांक ने संबंधित अधिकारियों को सरकारी मेडिकल कॉलेज में चल रहे निर्माण कार्य को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ शुक्रवार को यहां थोरूर रोडस्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टरने गुणवत्ता से समझौता किए बिना कार्यों में तेजी लाकर जुलाई के अंत तक कार्यों को पूरा करने के महत्व पर बल दिया। 30 एकड़ में फैले 700 बिस्तरों वाले मेडिकल कॉलेज का उद्देश्य जिले के वंचित वर्गों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि मेडिकल कॉलेज क्षेत्र में तेजी से विकास के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वेंकटेश्वरलू, जिला अस्पताल समन्वय अधिकारी श्रीनिवास, आर एंड बी अधिकारी तनेश्वर, टीएसएमआईडीसी अधिकारी उमा महेश, तहसीलदार इमैनुएल और अन्य उपस्थित थे।

भाजपा ने बेरोजगारों और पिछडे वर्ग को धोखा दिया : वीएच

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव ने बताया कि बीआरएस और भाजपा को अब पिछडे वर्ग की समस्या समझ में आ गई है। भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी ने केंद्र से बीसी आबादी के हिसाब से आरक्षण देने के लिए पत्र लिखा था तथा एआईसीसी पूर्ण सत्र में एक प्रस्ताव भी पारित किया गया था। उन्होंने बताया कि जब कांग्रेस सरकार में थी, संसद विधेयक जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था, पारित किया गया था तथा आईआईटी और आईआईएम में बीसी आरक्षण किए गए थे।

अब तक कई बार प्रधानमंत्री से जाति मान्यता करने को कहा जा चुका है, लेकिन अब तक ऐसा नहीं किया गया। यहां तक कि जब क्रिमिलेयर को पद छोड़ने के लिए कहा गया, तब भी भाजपा ने इसकी परवाह नहीं की। अब बीजेपी बीसी घोषणा पत्र जारी एक बार फिर धोखा देने की कोशिश कर रही है। वीएच ने बताया कि भाजपा ने बेरोजगारों और पिछडे वर्ग को धोखा दिया है। बीसी को कांग्रेस पर विश्वास करना चाहिए और कांग्रेस का समर्थन करना चाहिए। बाद में उन्होंने वीएच ने रोहित चौधरी के साथ पोस्टर जारी किया। आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एसपी क्रांति कुमार, एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी, खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी व अन्य मौजूद रहे।

महबूबनगर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस को केंद्रीय मंत्री झंडी दिखाकर रवाना करेंगे

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेन संख्या 12861/12862 विशाखापत्तनम-काचीगुडा-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस को महबूबनगर तक चलाने के लिए बढ़ाया गया है महबूबनगर को तटीय आंध्र प्रदेश क्षेत्र से सीधे जोड़ने वाली पहली ट्रेन है। केन्द्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी महबूबनगर रेलवे स्टेशन से ट्रेन नंबर 12862 महबूबनगर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। दमरे के अनुसार कार्यक्रम में तेलंगाना के उत्पाद शुल्क, मद्यनिषेध, खेल और युवा सेवा और पुरातत्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़, सांसद महबूबनगर, एम. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, जिला परिषद, महबूबनगर स्वर्ण सुधाकर रेड्डी, नगरपालिका अध्यक्ष, महबूबनगर के.सी. नरसिमलु, अन्य जनप्रतिनिधि, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। महबूबनगर दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण जिला मुख्यालय है और रेल नेटवर्क से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। इससे पहले, महबूबनगर से तटीय आंध्र प्रदेश क्षेत्र के लिए कोई सीधा संपर्क नहीं था। इस समस्या को कम करने के लिए, रेल मंत्रालय ने 20 मई, 2023 से ट्रेन संख्या 12861/12862 विशाखापत्तनम-काचीगुडा-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस को महबूबनगर तक विस्तारित करने की मंजूरी दे दी है। विस्तारित ट्रेन से महबूबनगर आंध्र प्रदेश के प्रमुख शहरों जैसे रायनपाडु (विजयवाड़ा), एलुरु, राजमुंदरी, अन्नावरम, विशाखापत्तनम आदि जगहों पर यात्रा करने वाले लोगों के लिए सीधी ट्रेन सुविधा प्रदान की जाएगी। ट्रेन को जेडचेर्ला, शादनगर, उम्दानगर रेलवे स्टेशनों पर स्टॉपेज भी प्रदान किया गया है जो इस क्षेत्र के लोगों के लिए फायदेमंद होगा। इसके अलावा, ट्रेन को एलएचबी कोच के साथ शामिल किया गया है जो आधुनिक सुविधाओं और बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करता है।

बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
कब्ज़ एवं पाईल्स की चिकित्सा में सहायक
सिड्पाईल्स
टैबलेट
बवासीर, फिस्टुला, कब्ज़, गुदा मार्ग की सूजन, जलन, चुभन, खुजली, असहनीय वेदना आदि तकलीफें दूर करने में सहायक।

अभयामृत
पुराने से पुराने कब्ज़ को दूर कर पाचन ठीक रखने में सहायक।

वैद्यकीय सल्ला : 8448444935
www.baidyanath.co

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.